E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 119 | गुवाहाटी | शनिवार, 25 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बार में मारपीट के आरोप में मेडिकल के पंद्रह छात्र हॉस्टल से निष्कासित पेज 3
राजौरी मुठभेड़ आतंकवाद और उसके पारिस्थितिक तंत्र के लिए बड़ा... पेज 4
सुपोषित और स्वस्थ बच्चे ही सशक्त भारत का आधार बनेंगे : मुख्यमंत्री योगी पेज 5
उत्साह के साथ गंतव्य स्थलों के लिए रवाना हुए मतदान दल, 1640 मतदान... पेज 8

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

सड़क परियोजनाओं के लिए 2,185.43 करोड़ मंजूर

फाइल फोटो

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य में दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए 2,185.43 करोड़ रुपए के आवंटन की घोषणा की है। एनएच-17 को चौड़ा करने और इसे पक्के बोर्डर वाली 4-लेन सड़क में बदलने के लिए 1,338.61 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना पैकेज दो के अंतर्गत आने वाले बिलासीपाड़ा-गुवाहाटी कोरिडोर के तुलुंगिया खंड तक चापर बाईपास से पहले मोवातारी के पास से 26.82 किलोमीटर तक फैली हुई है। क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से बिलासीपाड़ा और तुलुंगिया के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। साथ ही पश्चिमी और निचले असम तक बेहतर पहुंच की सुविधा प्रदान करना है। मेघालय और पश्चिम बंगाल जैसे पड़ोसी राज्यों को इसके जरिए जोड़ दिया जाएगा। एक अन्य अभूतपूर्व कदम में, राष्ट्रीय राजमार्ग-137 के तामेंगलोंग-माहुर खंड के चौड़ीकरण और विकास के लिए 846.82 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। पैकेज 7 के तहत 19.68 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस परियोजना को ईपीसी मोड में -शेष पृष्ठ दो पर

लाचित बरफूकन की जयंती पर पीएम सीएम ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी। महान आहोम सैन्य कमांडर लाचित बरफूकन की 401वीं जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और शक्तिशाली मुगल सेना को हराने में उनकी वीरता को याद किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज लाचित दिवस के अवसर पर असमिया भाषा में ट्वीट कर लाचित बरफूकन को याद किया। एक्स पर लिखे गए अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने लिखा है कि आज लाचित दिवस के अवसर पर हम लाचित बरफूकन की वीरता को स्मरण करते हैं। शराइघाट का युद्ध उनके पराक्रम, असमान्य नेतृत्व, साहस और कर्तव्य के प्रति दायित्वबोध का परिचय देता है। उन्होंने कहा कि उनका उत्तराधिकार हमारे इतिहास को समृद्ध बनाता है और साहस एवं रणनीतिक प्रतिभा का कालजयी प्रमाण प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री के इस संदेश को मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज रि-ट्वीट किया। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा समेत अन्य लोगों ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर अपने अपने पोस्ट कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाह ने लिखा कि लाचित बरफूकन जी की जयंती पर, मैं असम के इतिहास के सबसे महान योद्धा को शत-शत नमन -शेष पृष्ठ दो पर

नशीली गोलियां याबा जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में दो अलग-अलग अभियानों में प्रतिबंधित नशीली गोलियां *याबा* बरामद करने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि एक अभियान राज्य के दक्षिणी क्षेत्र सिलचर में और दूसरा अभियान गुवाहाटी में चलाया गया। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शुक्रवार को पोस्ट कर कहा कि गुप्त सूचनाओं के आधार पर, पुलिस ने सिलचर में मादक पदार्थ रोधी एक अभियान चलाया और एक व्यक्ति को 50 हजार *याबा* के साथ पकड़ा, जिन्हें पड़ोसी राज्य से ले जाया जा रहा था। जांच की जा रही है। दूसरा अभियान गुवाहाटी के कताहबाड़ी इलाके में चलाया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

फर्जी नियुक्ति-पत्र पर सरकारी नौकरी, 256 बर्खास्त

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश सरकार ने शिक्षा विभाग में औपचारिकताएं पूर्ण किए बिना संबंधित अधिकारियों के समक्ष फर्जी नियुक्ति पत्र पेश करने के आरोप में 256 शिक्षकों, क्लर्कों और सहायक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दीं। राज्य शिक्षा आयुक्त अमजद टाक ने विभिन्न जिलों में तैनात कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अनियमितताओं का पता लगाने के लिए समिति का गठन किया गया था। जांच में सामने आया कि प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने इस प्रकार के नियुक्ति पत्र जारी ही नहीं किए थे। अमजद टाक ने कहा कि सभी अवैध नियुक्तियां विभिन्न अधिकारियों ने की थी और जांच जारी है। अब तक अनियमितताओं में शामिल होने के आरोप -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुनिया का बस यही उसूल है कि, जब तक काम है तब तक ही नाम है, बाकी दूर से ही सलाम है।
– अज्ञात

न्यूज गैलरी

अल्फाई नेता बुबुल संदिकै की म्यांमार शिविर में मृत्यु

गुवाहाटी। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) अल्फा (स्वा.) के वरिष्ठ नेता बुबुल संदिकै उर्फ गोलाप असोम की म्यांमार कैंप में मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलाप असोम असम के चराइदेव जिले के महमोरा भालुका गांव के रहने वाले हैं। इससे पहले अक्तूबर में, संगठन ने कथित तौर पर संगठन विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अपने दो वरिष्ठ सदस्यों को मौत की सजा सुनाई थी। शीर्ष अल्फा-आई नेता लाचित हजारिका उर्फ ब्रिगेडियर सलीम -शेष पृष्ठ दो पर

भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जेल भेजा जाएगा : राजनाथ

कीसरा (हि.स.)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार आने पर भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जेल भेजा जाएगा। शुक्रवार को मेडचल जिले के कीसरा मंडल के रामपल्ली में भाजपा की ओर से आयोजित विजय संकल्प सभा में राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार हम -शेष पृष्ठ दो पर

अनुसूचित जाति में कैटिगरी की व्यवस्था की जाएगी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनने पर रजाकारों की चिर लंबित मांग को पूरा करते हुए अनुसूचित जाति के अंदर सब कैटिगरी बनाने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक किसी भी सरकार ने रजाकारों की इस मांग को पूरा करना उचित नहीं समझा, लेकिन भाजपा सरकार बनते ही इस दिशा में कार्य करेगी। मुख्यमंत्री आज तेलंगाना में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

पीओके खुद ही आ जाएगा : राजनाथ सिंह

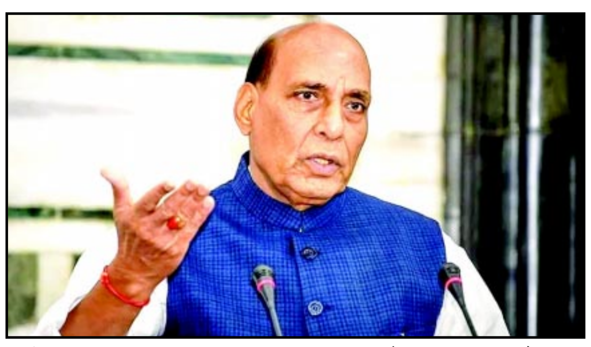

नई दिल्ली। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि पीओके पर अटैक की कोई जरूरत नहीं है। खुद से ही भारत में मिलने की तरफ बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि उन्होंने इसको लेकर एक साल पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने कहा कि हमने साल भर पहले श्रीनगर में जाकर कहा था कि पाकिस्तान पर आक्रमण या पीओके पर कब्जा करने की कोई जरूरत नहीं है। पीओके खुद मांग करेगा। आज देखिए वहां से कितनी तेजी में मांग आ रही है। 70 से 75 साल पहले तो हमारे साथ ही था। फिर स्वयं ही आ जाएगा। आज विलय की मांग हो रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं है। जिस तरह से पाकिस्तान सरकार उसकी उपेक्षा कर रही है उससे ये अपने आप ऐसा माहौल बनता है, लेकिन स्पष्ट कर दूं कि हम किसी क्षेत्र विशेष पर कब्जा करके उसको हासिल करने की मंशा नहीं रखते हैं। साथ ही साथ उन्होंने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में हुई मुठभेड़ को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आए। कश्मीर में सेना जमकर जवाब दे रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज नहीं तो कल पाकिस्तान को इस तरह की हरकतों से बाज आना ही पड़ेगा। हमारे सेना के जवान मुंहतोड़ जवाब दें रहे है। मैं आश्वस्त हूं कि कामयाबी हाथ लगेगी। आज नहीं कल हमें सफलता मिलेगी ही। विडंबना है कि छिटपुट घटनाएं हो जाती हैं। मगर हमारे जवान बहुत मुस्तैदी के साथ स्थिति पर नियंत्रण किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हाल में हमलों में बढ़ोतरी के बीच हमास और लश्कर-ए-तैयबा के समन्वय की -शेष पृष्ठ दो पर

नीतीश भारद्वाज करेंगे नलबाड़ी में रास महोत्सव का उद्घाटन

गुवाहाटी। नलबाड़ी की सांस्कृतिक टेपेस्ट्री जीवंत छटा और धार्मिक उत्साह प्रदर्शित करने के लिए तैयार है क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

साइबर सुरक्षा को लेकर सांसदों ने जताई चिंता

नई दिल्ली। सांसदों ने शुक्रवार को नए संसद भवन में साइबर सुरक्षा पर चिंता जताई है। साथ ही, सांसदों ने बैंकों से बड़े पैमाने पर जनता की वित्तीय संपत्तियों को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने का आह्वान किया। सांसदों ने देश में साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और इसका मूल्यांकन करने के लिए साइबर चेतना सूचकांक विकसित करने का आह्वान किया। संसद भवन एनेक्सी भवन में राज्यसभा में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी प्रबंधन समिति की एक बैठक को संबोधित करते हुए, सदस्यों ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइट वाई) और सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक के शीर्ष अधिकारियों से बातचीत की। समिति की बैठक आप सदस्य एन डी गुप्ता की अध्यक्षता में हुई थी, जहां मेइट वाई के सचिव ने सदस्यों को साइबर सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

ग्वालियर में चुनावी विवाद, दो पक्षों में झगड़ा, हुई फायरिंग

ग्वालियर। शहर के भितरवार थाना क्षेत्र में आने वाले गोहिंदा गांव में दो पक्षों में झगड़ा हो गया। बता दें की झगड़े के बाद फायरिंग और मारपीट करने का मामला भी सामने आया है। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घायल की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अभी इस पूरे मामले की जांच कर रही है इसी के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान विस चुनाव : मतदान आज

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के तहत प्रदेश के 199 विधानसभा क्षेत्रों में शनिवार, 25 नवंबर को मतदान होगा। सभी जिलों में मतदान के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,507 मतदान केंद्रों पर 5,26,90,146 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। 18-30 आयु वर्ग के 1,70,99,334 युवा मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 18-19 आयु वर्ग के 22,61,008 नव मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में कुल 36,101 स्थानों पर मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कुल 10,501 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्र में और 41,006 ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए हैं। कुल 26,393 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग करवाई जाएगी। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से इन मतदान केंद्रों पर निगरानी की जाएगी। प्रदेशभर में 65,277 बैलट यूनिट, 62,372 कंट्रोल यूनिट और 67,580 वीवीपैट मशीनें मतदान कार्य में उपयोग की जाएंगी, जिसमें रिजर्व मशीनें भी हैं। विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने -शेष पृष्ठ दो पर

चीन : बच्चों में फिर सांस संबंधी बीमारी, भारत सतर्क

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तरी चीन में बच्चों में एच9एन2 मामलों के साथ श्वसन संबंधी बीमारियों के मामलों में बढ़ोतरी से भारत में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय चीन में फैली श्वसन संबंधी बीमारियों पर बारीकी से निगरानी कर रहा है। शुक्रवार को मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि चीन से रिपोर्ट किए गए एवियन इन्फ्लूएंजा के मामलों के साथ-साथ श्वसन संबंधी बीमारी से भारत को कम खतरा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत किसी भी प्रकार की सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए तैयार है। इसके साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान के लिए एक समग्र और एकीकृत रोडमैप अपनाने के लिए वन हेल्थ दृष्टिकोण पर काम कर रहा है। विशेष रूप -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान आतंकवादियों के रूप में अपने सेवानिवृत्त सैनिकों को भेज रहा कश्मीर : सेना कमांडर

जम्मू (हि.स.)। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी रैंकों में अपने देश के सेवानिवृत्त सैनिकों को धकेलने का प्रयास कर रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि एक साल के भीतर दो दर्जन से अधिक विदेशी आतंकवादियों का सफाया करने के लिए राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में अभियान तेज कर दिया गया है। सेना कमांडर ने बुधवार और गुरुवार को राजौरी जिले के धर्मसाल बेल्ट के बाजीमल इलाके में मुठभेड़ के दौरान बलिदान हुए दो कैप्टन सहित पांच सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों के सामने कहा कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने अफगानिस्तान में प्रशिक्षित पाकिस्तान स्थित शीर्ष लश्कर कमांडर कारी सहित दो आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों का मारा जाना क्षेत्र को अस्थिर करने की पाकिस्तान की योजना के लिए एक बड़ा झटका है। आतंकवादियों के बीच पाकिस्तान के कुछ विशेष बलों के कर्मियों की मौजूदगी के बारे में लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि जब हमने आतंकवादियों की पहचान करने की कोशिश की -शेष पृष्ठ दो पर

नेपाल में राजतंत्र पुनर्बहाली के समर्थकों पर सरकार सख्त

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्बहाली की मांग को लेकर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सरकार ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। प्रदर्शनकारियों की धरपकड़ तेज करते हुए इस अभियान का नेतृत्व कर रहे नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है। विगत दिनों काठमांडू में राजतंत्र समर्थक प्रदर्शनकारियों और विरोधियों के शक्ति प्रदर्शन के कारण दिनभर तनाव का माहौल बना रहा। राजतंत्र पुनर्बहाली अभियान का नेतृत्व कर रहे दुर्गा प्रसाई ने मौजूदा व्यवस्था में परिवर्तन होने तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा की थी। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बीआरएस के शासन के दस वर्षों में किसी को कोई लाभ नहीं हुआ : प्रियंका गांधी

पालकुर्ती (हि.स.)। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि तेलंगाना में युवा शक्ति और महिला शक्ति को देखकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। चुनाव अभियान के तहत उन्होंने शुक्रवार को जनगामा जिले के पलाकुर्ती में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। पालकुर्ती में भारत राष्ट्र समिति पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा कि गांधी परिवार लोगों को बहुत सेवा करता था तो दूसरे (के सीआर) परिवार पर लोगों की जमीनें हड़पने का आरोप लग जाता था। तेलंगाना राज्य का गठन लोगों के बलिदान के कारण हुआ था। बलिदान पर आधारित राज्य का विकास होना चाहिए। संघर्ष से जीते गए तेलंगाना में सभी की आकांक्षाएं पूरी होनी चाहिए। उन्होंने आग्रह किया है कि लोगों को सोचना चाहिए कि जिन शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति दी, उनकी इच्छाएं पूरी हुईं या नहीं... इस तेलंगाना में युवाओं ने जो उपलब्धि हासिल की है, उसमें कितने लोगों को नौकरियां मिली हैं? कांग्रेस के नेता ने जनता से पूछा कि इन दस सालों में सरकार ने कितने लोगों को नौकरी दी है? बेरोजगारी के मामले में तेलंगाना देश में नंबर वन है। इस सरकार द्वारा आयोजित नौकरी परीक्षाओं में बहुत भ्रष्टाचार हुआ। नौकरी की परीक्षा का पेपर लीक होने से युवा निराश हुए। कुछ ने आत्महत्या कर ली। इस सरकार ने एक युवा महिला के आत्महत्या करने पर उसकी मौत की बात पर व्यंग्य किया है। युवती ने कहा कि उसने परीक्षा के लिए आवेदन नहीं किया था। प्रियंका ने आश्वासन दिया कि अगर कांग्रेस जीतेगी तो बेरोजगारों का दुख दूर होगा। हम सत्ता में आते ही जॉब कैलेंडर लागू करेंगे। प्रियंका ने कहा कि घर चलाने वाली गृहिणी के सामने कई कठिनाइयां आती हैं। बीमार बच्चों को अस्पताल ले जाने के लिए हाथ में पैसे नहीं हैं। कभी-कभी बच्चों की स्कूल फीस भरने के लिए पैसे नहीं होते। कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं की समस्याएं दूर की जाएंगी। हम प्रत्येक महिला के खाते में प्रति माह 2,500 रुपए जमा करेंगे। हम आपको 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। केंद्र द्वारा बढ़ाए गए पेट्रोल-डीजल के दाम से सभी वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। जीएसटी ने जरूरी चीजों के दाम बढ़ा दिए हैं। अगर वस्तुओं की कीमतें कम करनी हैं तो कांग्रेस को सत्ता में आना चाहिए। प्रियंका ने आशा व्यक्त की कि बदलाव आना जरूरी है और कांग्रेस सत्ता में आनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने टिप्पणी की कि सभी समुदायों के साथ अन्याय करने वाली केसीआर सरकार की समाप्ति तिथि नजदीक आ रही है। दूसरी अन्य एक जनसभा को संबोधित करते हुए वरंगल जिला के हुसैनाबाद में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति के शासन में कोई खुश नहीं है। प्रियंका ने जनसभा में जनता से पूछा कि क्या केसीआर ने हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र में परियोजनाएं पूरी कर ली हैं? क्या केसीआर द्वारा अपनाए गए मुलकानूर में कोई विकास हुआ है? बताया गया कि आज तेलंगाना बेरोजगारी में नंबर 1 है। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण युवाओं का भविष्य रुक गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर अपनी नाराजगी जाहिर किया कि अगर युवा मेहनत से परीक्षा देते हैं तो वे पेपर लीक कराकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रियंका ने आरोप लगाया कि बीआरएस के दस साल के शासनकाल में किसी को फायदा नहीं हुआ। जब आपके साथ अन्याय हुआ तो क्या आपके विधायक ने बोला? जनता से प्रियंका ने पूछा कि क्या आपको ऐसा जन प्रतिनिधि चाहिए जो आपकी समस्याओं के बारे में बात न करे एक बार सोचिये। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति, केंद्र की भाजपा सरकार सिर्फ अमीरों को फायदा पहुंचा रही है। प्रियंका ने राज्य की जनता से आग्रह किया है कि विकास से वंचित इस तेलंगाना में शासन कर रहे भारत राष्ट्र समिति को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है और कांग्रेस के सत्ता में आने से ही कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार होगा।

गेहूं की अच्छी उपज पाने के लिए बोए जाएं जलवायु अनुकूल किस्म के बीज : तोमर

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि गेहूं की अच्छी उपज पाने के लिए जलवायु अनुकूल किस्म के बीजों की बुआई होनी चाहिए। इससे उपज में बढ़ोतरी होने के साथ किसानों की आय भी बढ़ेगी। तोमर ने शुक्रवार को कृषि भवन में अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान कहा कि इस वर्ष गेहूं में करीब 60 फीसदी क्षेत्र को जलवायु अनुकूलित किस्मों से आच्छादित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। ऐसी किस्मों से उत्पादन में स्थिरता लाने में सहजता होगी। खरीफ फसलों के प्रदर्शन एवं अनुमानित उपज के संदर्भ में कृषि मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि मानसून की देरी से आमद और अगस्त माह में कम बरसात से गेहूं की बुआई प्रभावित हुई लेकिन सितंबर में मानसूनी वर्षा अधिकतर प्रदेशों में सामान्य रहने से खरीफ का उत्पादन अधिक प्रभावित नहीं होने की संभावना है। रबी की बुवाई के संदर्भ में बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने बताया कि मृदा में नमी की औसत मात्रा अच्छी है और बुआई का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। औसतन 648.33 लाख हेक्टेयर रकबा पर रबी की खेती होती है। वर्तमान समय तक करीब 248.59 लाख हेक्टेयर बुआई हो चुकी है। विशेष तौर पर गेहूं में इस वर्ष करीब 60 फीसदी क्षेत्र को किस्मों से आच्छादित करने का लक्ष्य है। ऐसी किस्मों से उत्पादन में स्थिरता लाने में सहजता होगी। कृषि मंत्री तोमर ने इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निगरानी समिति गठित करने का सुझाव दिया है।

लश्कर से जुड़े तीन ओवरग्राउंड वर्कर गिरफ्तार

बडगाम (हि.स.)। बडगाम जिले के बीरवाह इलाके से सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े तीन ओवरग्राउंड वर्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम ने बडगाम जिले के बीरवाह इलाके के पाटकोटे में वाहनों की जांच के दौरान तीन ओवरग्राउंड वर्करों को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उनके पास से एक हथगोला, 13 एके राउंड और लश्कर के पोस्टर बरामद किए गए। ओवरग्राउंड वर्करों की पहचान मोहम्मद यूनिस डार, सैयद जहांगीर शाह और इरफान अहमद वागे के रूप में की गई। वहीं पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

अमित शाह की रैली को अनुमति के खिलाफ एससी जा सकती है बंगाल सरकार

कोलकाता (हि.स.)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने धर्मतल्ला में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली को अनुमति दी है। इसके खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगा सकती है। इसलिए भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस आदेश को चुनौती देने के लिए ममता सरकार के संभावित कदम की आशंका जताते हुए शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दायर की है। भाजपा खेमे को अपना मेगा कार्यक्रम 29 नवंबर को शहर में उसी स्थान पर आयोजित करने की अनुमति दी गई, जहां 21 जुलाई को तृणमूल कांग्रेस वार्षिक *शहीद दिवस* रैली आयोजित करती है। भाजपा की रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री गिरिराज सिंह और राज्य मंत्री निरंजन ज्योति के शामिल होने की संभावना है। भाजपा की राज्य समिति के एक सदस्य ने कहा कि ऐसा लगता है कि हमारी प्रस्तावित रैली के मुद्दे को राज्य सरकार और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने प्रतिष्ठा के मुद्दे के रूप में लिया है, क्योंकि यह स्थल वही है, जहां हर साल सत्तारूढ़ पार्टी की शहीद दिवस रैली आयोजित की जाती है। इसलिए इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि राज्य सरकार कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ के खिलाफ शीर्ष अदालत के स्तर पर जा सकती है।

जय (विजय) का अर्थ सबको साथ लेकर चलना : भागवत

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू कांग्रेस- 2023 की आज बैंकॉक में शुरुआत हुई। इस वैश्विक मंच पर हिंदू नेता, विचारक और प्रभावशाली व्यक्ति एक साथ आकर अपनी विरासत का उत्सव मनाते हैं। इस अवसर पर आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि जय (विजय) का अर्थ सबको साथ लेकर चलना है। आज छत्रपति शिवाजी महाराज हाल (रॉयल जुबली इंपैक्ट कन्वेंशन सेंटर), बैंकॉक में उद्घाटन समारोह हुआ। दुनिया के 61 देशों से 2000 प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने यहां पहुंचे हैं। तीन दिवसीय आयोजन में हिंदू संगठन, मंदिर और संघ, हिंदू इकोनामिक फोरम हिंदू मीडिया फॉर्म, हिंदू पॉलिटिकल फॉर्म, हिंदू यूथ फॉर्म और हिंदू वूमेन फोरम से जुड़े विषय होंगे। आज शुरुआती सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का उद्बोधन रहा। इस दौरान उन्होंने इस लंबी यात्रा में धर्म की भूमिका समझायी। उन्होंने बताया कि जय क्या है। उन्होंने कहा कि यह किसी पर विजय प्राप्त करना या उसे अपने अधिग्रहण लाना नहीं है। जय का अर्थ सबको एक साथ जोड़ना है। मोहन भागवत ने विजय के तीन रूपों तमस, राजस और सत पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि तमस में दूसरों का विनाश, राजस्व में दूसरों संसाधनों पर कब्जा किया जाता है। भारत की विजय सत में है, जिसमें धर्म की प्रधानता हो। आज के कार्यक्रम में माता अमृतानंदमयी देवी, भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी पूर्णात्मानंद महाराज और हिंदू धर्म के सतगुरु बोधिनाथ वेयलानस्वामी को आज हिंदू समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन का एक विशेष संदेश पढ़ा गया। उन्होंने कहा कि थाईलैंड को विश्व हिंदू कांग्रेस 2023 की मेजबानी करने का सम्मान मिला है, जो सिद्धांतों और हिंदू धर्म के मूल्य से बंधे दुनिया भर के व्यक्तियों को एक साथ लाता है। यह सभा हमें हमारी साझा धार्मिक विरासत का जश्न मनाने का अनूठा अवसर प्रदान करती है।

पृष्ठ एक का शेष

सड़क परियोजनाओं के ...

क्रियान्वित किया जाएगा। यह पहल एनएच-27 के माध्यम से असम में पूर्व-पश्चिम गलियारे से इंफाल तक कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए निर्धारित है, जो एनएच-02 के इंफाल-कोहिमा खंड और एनएच-37 के सिलचर-जिरीबाम-इम्फाल खंड के लिए एक वैकल्पिक मार्ग तैयार कर देगा। आभार व्यक्त करते हुए, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र पर आपका निरंतर ध्यान 2014 के बाद से पूरे उत्तर पूर्व के लिए तीन लाख करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में बदल गया है। इन प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी मिलने के साथ, यह हमें असम को सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने के हमारे लक्ष्य के करीब ले जाएगा।

लाचित बरफूकन की...

करता हूं। आहोम जनरल लाचित बरफूकन जी ने असमिया योद्धाओं के अपेक्षाकृत छोटे दल के साथ औरंगजेब की विशाल सेना को धूल चटा दी थी। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए हर समुदाय के असमिया लोगों को एकजुट करने में बरफूकन के बेजोड़ संगठनात्मक कौशल का भी जिक्र किया। शाह ने कहा कि बरफूकन जी हमेशा प्रेरणा की एक अमिट ज्योत बने रहेंगे। बरफूकन को 1671 में ब्रह्मपुत्र पर *शराइघाट की लड़ाई* में उनके नेतृत्व के लिए जाना जाता है। इस लड़ाई में राजा रामसिंह-प्रथम के नेतृत्व में शक्तिशाली मुगल सेना का असम को वापस लेने का प्रयास विफल हो गया था। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने एक्स पर लिखा कि मैं आहोम जनरल की अनुकरणीय देशभक्ति और कर्तव्य के प्रति समर्पण को नमन करता हूं। प्रत्येक असमवासी को लाचित के आदर्शों और देशभक्ति को समझना चाहिए और एक नए असम की नींव रखने में मदद करनी चाहिए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर लिखा कि लाचित बरफूकन की विरासत हमें राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है और एक विकसित भारत की दिशा में हमारी यात्रा में एक मार्गदर्शक शक्ति बनी हुई है। लाचित दिवस पर, हम प्रगति और विकास के इस युग के दौरान, राष्ट्र की सामूहिक स्मृति में उनका उचित स्थान सुरक्षित करने के मिशन के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं।

नशीली गोलियां याबा...

एक अन्य पोस्ट में गुरुवार शाम उन्होंने लिखा कि विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, असम के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) एक अभियान चलाया और गुवाहाटी के कताहबाड़ी में याबा की 29 हजार गोलियां बरामद कीं। इस दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस को बधाई। मेथमफेटामाइन और कैफीन के मिश्रण वाली याबा नशीली गोलियों को क्रेजी ड्रग भी कहा जाता है। इसे भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है।

फर्जी नियुक्तिपत्र पर...

में लोंगडिंग जिले के माध्यय शिक्षा निदेशक को निलंबित कर दिया गया है। अनियमितताओं का पता लगाने के आदेशों से पता चला कि बड़ी संख्या में प्राथमिक शिक्षक (पीआरटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी), उच्च और निम्न श्रेणी के क्लर्क (यूडीसी और एलडीसी) और मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) ने नियुक्ति आदेश प्रस्तुत करके अपनी स्थिति सुरक्षित कर ली थी। बाद में पता चला कि यह धोखाधड़ी थी। आदेशों के अनुसार, सियांग जिले में 101 व्यक्तियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इसके बाद चांगलांग में 72, अंजॉ में 26, पूर्वी सियांग में 18, लोंगडिंग में 10, ऊपरी सुबनसिरी में आठ, कुरुंग कुमेय में छह, लोहित और निचले में चार-चार लोगों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। साथ ही सियांग राज्य राजधानी क्षेत्र में तीन, तिरप में दो, पश्चिम सियांग में एक और ऊपरी सियांग जिले में माध्यमिक शिक्षा के उप निदेशक के अधीन काम करने वाला एक कर्मचारी भी शामिल है। मामले में संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री पेमा खांडू पहले ही मामले को राज्य पुलिस की विशेष जांच टीम को सौंपने का आदेश दे चुके हैं। शिक्षा विभाग ने भी संबंधित अधिकारियों को फर्जीवाड़े और फर्जी नियुक्त आदेश के संबंध में मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

अनुसूचित जाति में ...

कि तेलंगाना में सरकारी नौकरियों में गरीब तथा मध्यम वर्ग के बच्चे नहीं जा पाते हैं, क्योंकि प्रश्न पत्र लीक करवाकर या अलग-अलग भ्रष्ट तरीके से गरीबों को वंचित कर दिया जाता है। लेकिन, भाजपा का वादा है कि तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनते ही राज्य के दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में पेट्रोल की कीमतें प्रति लीटर 10 रुपए कम कर दी जाएगी तथा डीजल की कीमतों में भी पांच रुपए की कमी भाजपा की सरकार आते ही करेगी, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के गरीब लोगों के लिए भाजपा विभिन्न प्रकार की योजनाएं लेकर आएगी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि दिखाने के लिए बीआरएस, कांग्रेस तथा एआईएम सभी रजाकारों का खुद को हितैषी बता रही है, लेकिन किसी को भी रजाकारों से कोई मतलब नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस एक ही है। दोनों मिलकर नरेंद्र मोदी को गाली देते हैं। चुनाव के बाद ये दोनों ही पार्टियां मिलकर सरकार बना लेगी और गरीबों के साथ फिर ठगी होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनी तो इन पार्टियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जांच सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से कराकर इन सभी को जेल भेजने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अन्य किसी के साथ नहीं है, गरीबों के साथ है।

पीओके खुद ही ...

संभावना को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन पाकिस्तान जब से अस्तित्व में आया है तब से आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है। पूरे विश्व समुदाय को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होने की जरूरत है। क्या इजराइल और रूस में युद्ध के कारण भारतीय रक्षा प्रणाली पर असर पड़ेगा? इसको लेकर उन्होंने कहा कि युद्ध को किसी भी तरह से जस्टिफाई नहीं किया जा सकता है। युद्ध न हो इससे बेहतर स्थिति कुछ नहीं हो सकती। इजराइल आज आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहा है, तो भारत पूरी तरह से इजराइल के साथ खड़ा है, लेकिन उसे इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि निर्दोष लोगों की जान किसी भी तरह से न जाए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आप सभी ने देखा है कि फिलिस्तीन में कुछ निर्दोष लोगों की जान गई है, तो उनको हमारी सरकार ने किस तरह से मदद की है। राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर राजनाथ सिंह से एक सवाल किया गया, जिस पर उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा की जीत हो रही है। साथ ही पार्टी को दो तिहाई बहुमत मिलने वाली बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बार हमने तय किया था कि कहीं मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं देंगे। बाद में विधायकों से राय-मशविरा की जाएगी। वहीं, उन्होंने राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लेकर कहा कि वह एक कद्दावर नेता हैं और पूर्ण मनोयोग से चुनाव में लगी हुई थीं। राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना चुनाव पर भी बात की है। उन्होंने कहा है कि एमपी में बिल्कुल क्लियर है कि वहां भी भाजपा की सरकार बनेगी। साथ ही साथ अब तो हम इस बात से भी आश्वस्त हैं कि छत्तीसगढ़ में भी सरकार बना लेंगे। जहां तक तेलंगाना की बात है तो वहां भी हम सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर ही चुनाव लड़ रहे हैं। पीछे की बात पर हम ध्यान नहीं देते।

नीतीश भारद्वाज करेंगे ...

शहर 26 नवंबर, 2023 को रास महोत्सव के उद्घाटन समारोह की तैयारी कर रहा है। नीतीश भारद्वाज, बीआर चोपड़ा की प्रतिष्ठित टेलीविजन श्रृंखला में भगवान कृष्ण के चित्रण के लिए प्रशंसित हैं। महाभारत, इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। प्रतिष्ठित अभिनेता को सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, कौशल विकास रोजगार और उद्यमिता और पर्यटन मंत्री, जयंत मल्लबरुवा और रास समिति द्वारा समारोह में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया गया है, जो नलबाड़ी में प्रतिष्ठित हरि मंदिर में आयोजित किया जाएगा। रास महोत्सव या रास लीला उत्सव, शरद ऋतु के मौसम के दौरान अक्तूबर-नवंबर (कटी-अघुन) के महीनों में पूर्णिमा के दिन (पूर्णिमा) पर किया जाने वाला एक श्रद्धेय परंपरा है। यह त्यौहार गहरी सांस्कृतिक जड़ें रखता है और क्षेत्र की समृद्ध विरासत का प्रमाण है। जबकि एक प्रदर्शन उत्सव के रूप में माजुली में रास लीला की सटीक उत्पत्ति अनिश्चित बनी हुई है, यह एक पोषित और उत्सुकता से प्रतीक्षित घटना बन गई है। हालांकि यह उत्सव पहली बार 1933 में मनाया गया था और इस वर्ष इस क्षेत्र में 90वां रास महोत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव के दौरान स्थानीय कलाकारों के अलावा कई अन्य राज्यों के अतिथि कलाकार भी आएंगे और मंदिर परिसर में प्रस्तुति देंगे। पिछले साल, भाजपा सांसद और प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी ने नलबाड़ी के प्रसिद्ध हरि मंदिर में रास समारोह की शोभा बढ़ाई थी।

साइबर सुरक्षा को ...

के मुद्दों पर एक प्रेजेंटेशन दी। प्रस्तुति के दौरान सदस्य सेवाओं की साइबर सुरक्षा बढ़ाने और संसद की नई इमारत को सुरक्षित करने के लिए किए जा रहे उपायों को भी सूचीबद्ध किया गया और पैनल के सदस्यों ने अधिकारियों के सामने अपनी चिंताएं और प्रश्न उठाए। वित्तीय सेवा विभाग (छ्स्नरु) के सचिव और पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधि भी नियामक ढांचे और साइबर सुरक्षा और डिजिटल भुगतान प्रणाली के कार्यान्वयन तंत्र पर उनके द्वारा किए जा रहे उपायों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए बैठक में मौजूद थे। इसे पहले से सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि पैनल के सदस्यों ने बैंक के शीर्ष अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बड़े पैमाने पर जनता की वित्तीय संपत्ति सुरक्षित रहे और इस मुद्दे पर उनसे कई सवाल पूछे। सूत्रों ने कहा कि साइबर सुरक्षा उल्लंघनों और धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के सामने आने के बीच, पैनल निकट भविष्य में निजी बैंकों के शीर्ष अधिकारियों को बुला सकता है और सदस्य इस संबंध में बैंकों द्वारा उठाए गए कदमों की जांच करने के लिए जल्द ही मुंबई में बैंक मुख्यालय का दौरा करेंगे। अब तक, पैनल ने भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों को बुलाया है और इस मुद्दे पर अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा नए संसद भवन में संसद सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को भी अधिकारियों द्वारा सूचीबद्ध किया गया और उन्होंने इस मुद्दे पर सदस्यों की चिंताओं का जवाब दिया।

ग्वालियर में चुनावी ...

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। बता दें कि दिनेश शर्मा का चुनावी विवाद को लेकर रामवीर गुर्जर से झगड़ा हुआ था। जिसके बाद रामवीर गुर्जर अपने साथियों के साथ आया और दिनेश पर हमला कर दिया और फायरिंग भी की है। घटना में घायल हुए दिनेश की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इसी के साथ पुलिस ने 5 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है इस बात की जानकारी एडिशनल एसपी निरंजन शर्मा ने दी है।

राजस्थान विस चुनाव...

के लिए 6,287 माइक्रो आब्जर्वर और 6247 सेक्टर अधिकारी मय रिजर्व नियुक्त किए गए हैं जो मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। सभी सेक्टर अधिकारियों को एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन भी दी जाएगी। जो ईवीएम संबंधी खराबी की सूचना होने पर सुधार एवं रिप्लेसमेंट की कार्यवाही करेंगे। ईवीएम संबंधी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए हर विधानसभा में दो-दो बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केंद्रों पर पहुंचेंगे। बेल इंजीनियर के पास भी एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन रहेगी। गुप्ता ने बताया कि 2,74,846 मतदान कर्मी मतदान सम्पन्न कराएंगे। 7960 महिला मतदानकर्मी महिला प्रबंधित मतदान केंद्रों पर एवं 796 दिव्यांग मतदान कार्मिक दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्रों पर कमान संभालेंगे। सभी मतदान बूथों पर मतदान के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ लेते हुए वहां आने वाले दिव्यांगजन एवं 80 वर्ष की आयु के वरिष्ठ मतदाता अपना मत बिना किसी असुविधा के डाल सकते हैं। शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1,02,290 सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 69,114 पुलिसकर्मी, 32,876 राजस्थान होमगार्ड, फोरेस्ट गार्ड एवं आरएसी जवानों का बल तैनात किया गया है एवं सीआरपीएफ की 700 कंपनियां तैनात की गयी हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए मतदान दिवस पर सघन जांच एवं निगरानी के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3 फ्लाइंग स्क्वॉड, 3 एसएसटी दल तैनात रहेंगे। व्यय संवेदनशील मतदान केंद्रों में एक-एक अतिरिक्त एफएस और एसएसटी की तैनाती मतदान दिवस पर की जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम तीन क्यूआरटी की उपलब्धता रहेगी। गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्यों से लगती 4850 किलोमीटर लम्बी अंतरराज्यीय सीमा पर बने चेकपोस्ट पर बाहरी अवांछित व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से सीलिंग और चेकिंग की कार्रवाई की जाएगी। मतदान के दिन सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए जिला एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर कम्यूनिकेशन टीम बनाई गई है। इस टीम में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी मतदान केंद्रों तक मतदान दलों के पहुंचने की जानकारी, मॉकपोल होने की जानकारी, उसके बाद मतदान शुरू होने, मतदान का प्रतिशत जैसी जानकारियां मतदान केंद्रों पर नियुक्त कर्मचारियों से चर्चा कर संकलित करेंगे। मतदान के लिए कुल 41,224 बड़े तथा छोटे वाहनों का अधिग्रहण किया गया है, जिससे मतदान दल, सुरक्षा कर्मी, ईवीएम मशीन तथा सेक्टर ऑफिसर के आने-जाने में सुगमता रहे। पुलिस बल तथा मतदान दलों के लिए 17,617 वाहन, सेक्टर ऑफिसर के लिए 20,844 छोटे यात्री वाहन एवं ईवीएम मशीन के लाने ले जाने के लिए 2470 ट्रक व मिनी ट्रक अधिग्रहित किए गए हैं।

चीन : बच्चों में ...

से कोरोना महामारी के बाद से स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में भी महत्वपूर्ण मजबूती आई है। इसके अलावा, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के पास कोरोना महामारी के दौरान चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने का समृद्ध अनुभव है। मंत्रालय के मुताबिक चीन निमोनिया के बढ़ते मामलों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी एक बयान जारी किया है। मंत्रालय के मुताबिक वर्तमान में उपलब्ध जानकारी के आधार पर पिछले कुछ हफ्तों में चीन में श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले बढ़े हैं। बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारी के सामान्य कारणों का पता लगाया गया है और किसी असामान्य कारणों की कोई पहचान नहीं की गई है। मंत्रालय ने कहा कि एवियन इन्फ्लूएंजा के मामलों के खिलाफ तैयारी पर चर्चा करने के लिए हाल ही में डीजीएचएस की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसकी रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक एवियन इंफ्लूएंजा के मानव से मानव में फैलने की कम संभावना है और इसकी मृत्यु दर भी बेहद कम है। बैठक में पशुपालन और वन्य जीवन क्षेत्रों के बीच निगरानी को मजबूत करने और समन्वय में सुधार की आवश्यकता को पहचाना गया।

पाकिस्तान आतंकवादियों के ...

तो हमें पता चला कि उनमें से कुछ पाकिस्तान सेना के सेवानिवृत्त कर्मी हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस क्षेत्र में आतंकवादियों को धकेलने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी आतंकवादियों को ढेर करने के लिए हमारे प्रयास जारी हैं। पीर पंजाल के दक्षिण में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या पर उन्होंने कहा कि राजौरी-पुंछ बेल्ट में आतंकवादियों की संख्या में उतार-चढ़ाव होता है, क्योंकि यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने कहा कि मोटे तौर पर इलाके में 20 से 25 आतंकवादियों के सक्रिय होने की संभावना है, लेकिन सेना, पुलिस और अन्य खुफिया एजेंसियों ने अपना अभियान तेज कर दिया है। हमें यकीन है कि हम एक साल के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लेंगे। उन्होंने कहा कि राजौरी मुठभेड़ में दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया और यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्हें खत्म करना बहुत महत्वपूर्ण था, क्योंकि वे राजौरी शहर के ढांगरी और टीसीपी में 10 नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा कंडी में सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश भी इन्हीं आतंकवादियों ने रची थी, जिसमें पांच सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। सेना कमांडर ने कहा कि वे उच्च प्रशिक्षित विदेशी आतंकवादी थे और हमारे बहादुर सैनिकों ने उन्हें मार गिराकर प्रशंसनीय काम किया है। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून और व्यवस्था विजय कुमार और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक आनंद जैन ने बाजीमल मुठभेड़ में बलिदान हुए सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। उपराज्यपाल ने पुष्पांजलि समारोह के बाद कहा कि मैं राजौरी में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हुए सेना के बहादुर कैप्टन एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम गुप्ता, हवलदार अब्दुल माजिद, लांस नायक संजय बिष्ट, पैराट्रूपर सचिन लौर को नमन करता हूं। उनकी वीरता और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। उनके परिवारों के प्रति मैं संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

नेपाल में राजतंत्र...

इसके बाद सुबह से ही प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के तीनकुने क्षेत्र में प्रदर्शन शुरू कर दिया था। इस कारण तनावपूर्ण माहौल बनने के मद्देनजर काठमांडू जिला प्रशासन ने तिनकुने क्षेत्र में निषेधाज्ञा लगा दिया है। काठमांडू के प्रमुख जिलाधिकारी जीतेंद्र बस्नेत ने कहा कि किसी भी समूह या अभियान को विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी गई है। अगर निषेधाज्ञा वाले इलाकों में प्रदर्शन हुआ तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निषेधाज्ञा लगने के बाद से ही स्थानीय पुलिस महकमा सक्रिय हो गया है और प्रदर्शनकारियों की धरपकड़ में जुट गया है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे प्रसाईं ने मीडियाकर्मियों को बताया कि सिर्फ तीनकुने क्षेत्र ही नहीं बल्कि काठमांडू के अन्य क्षेत्रों से भी उनके समर्थकों को गिरफ्तार किया जा रहा है। उनका दावा है कि काठमांडू के बाहर जिलों से आए सैकड़ों ऐसे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने अपने पकड़ा है, जो वापस अपने घरों को जा रहे हैं। प्रसाईं ने बताया कि भक्तपुर स्थित उनके निवास को पुलिस ने चारों ओर से घेर कर रखा है और उनको आज घर से बाहर नहीं निकलने दिया गया है। प्रसाईं ने कहा कि उनको नजरबंद करने या उनके समर्थकों पर कार्रवाई से अभियान नहीं रुकने वाला है।

अल्फाई नेता बुबुल ...

असोम को 20 सितंबर को म्यांमार के सागैन क्षेत्र के हाची शिविर में मृत्युदंड की सजा सुनाई गई थी। जबकि तिनसुकिया के एक मुक्केबाज और प्रतिबंधित संगठन के सदस्य बर्णाली को भी मौत की सजा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, सलीम असोम अल्फा-आई प्रमुख परेश बरुआ का करीबी था और 1990 के दशक में संगठन में शामिल हुआ था। जबकि बर्णाली साल 2021 में संगठन में शामिल हुई थीं।

भ्रष्टाचार में शामिल ...

तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनाएंगे। दस साल में सीएम केसीआर ने जनता से कई वादे किए लेकिन उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। हमने 27 वर्षों तक गुजरात को देश में एक मॉडल के रूप में विकसित किया है। क्या आप केसीआर से सवाल कर रहे हैं कि तेलंगाना का विकास क्यों नहीं हुआ? भारत सरकार और केसीआर परिवार भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। भाजपा सत्ता में आने पर परिवारवाद के खिलाफ काम करती है। वाजपेयी से लेकर मोदी तक भाजपा सरकार और नेताओं पर भ्रष्टाचार का एक भी दाग नहीं है। घरेलू कामगारों को नौकरी देने का वादा करने वाली भारत सरकार ने धोखा दिया और पेपर लीक कर दिया। राजनाथ सिंह ने इस बात की आलोचना की कि किसी भी दलित को तीन एकड़ जमीन नहीं दी गई। बैठक में मेडचल से भाजपा उम्मीदवार एनुगु सुदर्शन रेड्डी, जिले के नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

बार में मारपीट के आरोप में मेडिकल के पंद्रह छात्र हॉस्टल से निष्कासित

गुवाहाटी (हिंस)। जीएमसीएच के पंद्रह छात्रों को छात्रावास से बर्खास्त कर दिया गया। गुरुवार की रात क्रिश्चियन बस्ती के एक बार में जीएमसीएच के छात्रों द्वारा मारपीट किए जाने की घटना के बाद यह निर्णय लिया गया। तीन छात्र इसी बीच बार में शराब पीने जाने की बात कबूल कर चुके हैं। छात्र कल शाम साढ़े सात बजे बार में गए थे। घटना के विवरण के अनुसार, जूनियर डॉक्टर सहित कुछ छात्रों ने शराब पीकर बार स्टाफ की पिटाई कर दी। उन पर आरोप था कि पहले उनकी बार के कर्मचारियों से बहस हुई। उसके बाद, 15 अन्य छात्र बार में पहुंचे। घटना में घायल बार मैनेजर का फिलहाल इलाज चल रहा है तथा एक छात्र भी आईसीयू में है। जिसके लिए जीएमसीएच के तीन छात्रों को कालेज से छह महीने के लिए निष्कासित कर दिया गया। उन्हें हॉस्टल से हमेशा के लिए निष्कासित कर दिया गया। हॉस्टल नंबर 4 के न्यू ब्लॉक के छात्रों में गोलाघाट के ऋषिकेश बिपाक्ष (स्नातक तृतीय वर्ष) जूनियर डॉक्टर, शुभ्रांशु सैकिया और मंगलदोई के तीसरे वर्ष के छात्र शशांक कश्यप शामिल हैं। इसके साथ ही 15 अन्य छात्रों को 3 महीने के लिए हॉस्टल से बाहर कर दिया गया। जीएमसीएच के प्रमुख अच्युत वैश्य ने कहा कि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए हॉस्टल में सीसी कैमरे लगाए जाएंगे।

मणिपुर में प्रीपैक (प्रो) के दो कैडर हथियारों के साथ गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। एक संयुक्त सुरक्षा बल द्वाराप्रीपैक (प्रो) के दो कैडरों को हथियारों के साथ गिरफ्तार एक मोबाइल वाहन चेक पोस्ट (एमवीसीपी) के दौरान, प्रीपैक (प्रो) के दो कैडरों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से इंसास एलएमजी की आठ मैगजीन के साथ दो इन्सास एलएमजी रायफलें, 556 मिमी इन्सास एलएमजी का 161 गोला-बारूद, 9 एमएम पिस्तौल जिसमें एक मैगजीन (जिसमें पांच गोला-बारूद), पांच मोबाइल फोन, वायरलेस हैंडसेट, एक टाटा नेक्सन कार बिना पंजीकरण संख्या के सफेद रंग की, एक साइड बैग भूरे रंग का, एक भूरे रंग की दीवार जिसमें एक आधार कार्ड और छह हजार पांच सौ रुपए की नकदी बरामद की गई।

कामरूप जिला आयुक्त कार्यालय में मनाया गया लाचित दिवस

रंगिया (विभास)। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ-साथ आज कामरूप जिला प्रशासन द्वारा भी लाचित दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम अमीनगांव में एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के परिसर में आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला आयुक्त कार्यालय के सामने स्थित वीर लाचित बरफुकन की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में चुनाव अधिकारी तथा सहायक आयुक्त मानस प्रतिम बोरा और जिला आयुक्त कार्यालय और जनसंपर्क विभाग के कई कर्मचारी उपस्थित थे। बोरा ने लाचित दिवस मनाने के महत्व को संक्षेप में समझाया।

नगांव पुलिस ने छह डकैतों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव पुलिस ने छह डकैतों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज बताया कि रूपहीहाट के थाना प्रभारी के नेतृत्व में नगांव पुलिस की एक टीम ने एक विशेष अभियान चलाया। अभियान में छह डकैतों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान लूटी गई रकम भी बरामद कर ली गई। डकैतों के पास से 3 मोबाइल हैंडसेट जब्त कर लिए गए। आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

हेरोइन के साथ दो महिलाएं गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में 81.22 ग्राम हेरोइन के साथ दो महिला तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। गुवाहाटी पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गुवाहाटी की बशिष्ठ थाना पुलिस ने राजधानी में एक मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया।
अभियान के दौरान दोनों को हेरोइन के साथ खानापाड़ा फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान राजधानी के नूनमाटी इलाके की निक्की बोड़ो (19) तथा पदुमी गोगोई (50) के रूप में हुई है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं को आगे की जांच के लिए गिरफ्तार कर लिया गया है।
इस कारोबार से उसके साथ जुड़े हुए और लोगों का पता लगाने के लिए पुलिस छानबीन कर रही है।

मेघालय की दोनों सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारेगी एनपीपी

शिलांग (हिंस)। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से महिलाओं को मैदान में उतारने का फैसला लिया है। मेघालय सरकार की कैबिनेट मंत्री और लैतुमखाह क्षेत्र से विधायक डॉ. माज़ेल अम्पारीन लिंगदोह को आधिकारिक तौर पर शिलांग संसदीय सीट के लिए एनपीपी उम्मीदवार घोषित किया गया है। जबकि, मेघालय की एक अन्य सीट तुरा से अगाथा के संगमा के नाम की घोषणा की गई है। इस फैसले की घोषणा आज शिलांग स्थित पार्टी मुख्यालय में एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेस्टोन तिनसोंग ने की। डॉ माज़ेल अम्पारीन लिंग्दोह ने उनकी उम्मीदवारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी के भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया।

36 बेसबॉल नेशनल चैंपियनशिप में असम बेसबॉल टीम भी

गुवाहाटी। 36 बेसबॉल नेशनल चैंपियनशिप मास्तुवाला साहिब संगरूर पंजाब में बीते 23 नवंबर से शुरू हो चा है और 27 नवंबर तक चलेगी। यह जानकारी असम बेसबॉल एसोसिएशन ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार चल रहे स36 बेसबॉल चैंपियनशिप में असम बेसबॉल टीम भी भाग ले रही है, जो 26 नवंबर, 2023 को पंजाब पहुंचेगी। इस टीम में 16 खिलाड़ी हैं, जिनके नाम भाइजान गांवखोवा, विश्वजीत बोरा, बोलू राम, रंटू अली, रिकी अहमद, अरमान अहमद, रोकी अहमद, यूसुफ सलीम, प्रफुल्ल, अनुप बर्मन, प्रांजल सैकिया, प्राणजित राय, देवाननंद दास, मिबल बोड़ो, मुजाहिद अली, अखतिसम अहसान हक। टीम मैनेजर एयू हजारिका और कोच पी गोगोई है।

पशु तस्करी में शामिल दो लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है। इसी कड़ी में जोराबाट पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चलाकर 9 मवेशियों को लेकर जा रही एक बोलेरो पिकअप वाहन को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को गुप्त सूचना के आधार पर जोराबाट आउट पोस्ट इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान बोलेरो पिकअप (एएस-02डीसी-3400) को जब्त किया गया। जब्त किए गए बोलेरो पिकअप में अवैध तरीके से 9 मवेशियों की मेघालय के पशु बाजार तक तस्करी की जा रही थी। इस मामले में दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्करों की पहचान जैबुर रहमान (27) और मिराजुल इस्लाम (27) के रूप में की गई है। बरामद सभी पशुओं को बड़े ही क्रूर तरीके से लाया जा रहा था। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

भ्रष्टाचार में शामिल सभी अधिकारियों पर सख्त कारवाई करेगा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री पेमा खांडू का कहना है कि शिक्षा विभाग में अवैध नियुक्तियों में शामिल सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह बातें आज मुख्यमंत्री ने राज्य शिक्षा विभाग द्वारा 255 फर्जी नियुक्ति लोगों को पद से बर्खास्त किए जाने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य जांच सेल (एसआईसी) और शिक्षा विभाग इस मामले की पूरी तरह से जांच कर रहा है और इसमें मामले में शामिल सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके न्याय दिलाएंगे, क्योंकि यह सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के तहत काम करती है। शिक्षा विभाग ने हाल ही में 255 अवैध नियुक्तियों को समाप्ति पत्र जारी किया है। अवैध नियुक्तियां पीआरटी, टीजीटी, अपर डिविजन कर्लक (यूडीसी), लोवर डिविजन कलर्क (एलडीसी) और एमटीएस आदि पदों के लिए निकाली गई थी, जिन्हें अरुणाचल प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड (एपीएसएसबी) भर्ती नियम, 2018 का उल्लंघन करते हुए 2020 से अवैध रूप से नियुक्त किया गया था।

असम राइफल्स ने बरामद किए हथियार और गोला बारूद

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स ने मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार तथा गोला बारूद बरामद किए हैं। असम राइफल्स ने आज बताया कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एल कनानफाई गांव के सामान्य क्षेत्र में दो 7.62 मिमी एसएलआर राइफल, एक मैगजीन के साथ वन एमएम असॉल्ट राइफल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, एक सिंगल बैरल राइफल, सात तात्कालिक मोर्टार, पंद्रह तात्कालिक बम तथा एक हस्त निर्मित बांस बम और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद किए। असम राइफल्स का छापामारी अभियान जारी है।

बाघमारा चर दारुल उलूम हाफिजिया मदरसा की वार्षिक धर्मसभा की तैयारी

नगरबेड़ा (विभास)। अन्य वर्षों की तरह, बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के तहत ग्रेटर बाघमारा चर दारुल उलूम हाफिजिया मदरसा की 16वीं वार्षिक धर्म सभा इस महीने 29 नवंबर को एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ आयोजित करने की तैयारी चल रही है। इस अवसर पर मदरसा के शासी निकाय के अध्यक्ष अल्हाज जफर अली अहमद की अध्यक्षता में अपने कार्यालय परिसर में होने वाली आम सभा में धर्मसभा की तैयारियों में जुटे 51 सदस्यीय स्वागत समिति में तैजुद्दीन सरकार को अध्यक्ष के रूप में महासचिव के रूप में अब्दुल बारेक शामिल हैं। धार्मिक सभा में बारपेटा के हाफिज कारी मौलाना इदरीस अली बुलबुली मुख्य अतिथि होंगे, साथ ही बाघमारा चर हाजीपाड़ा ईदगार इमाम मौलाना अफसर अली अल कासिमी, मुहतामी हाफिज कारी मौलाना अक्सीदुल इस्लाम इसरफी वक्ता होंगे। मदरसे की प्रबंध समिति और स्वागत समिति ने ईमानदारी से उक्त धर्म सभा में सभी धार्मिक लोगों का सहयोग और उपस्थिति मांगी।

रंगिया : तोरोनी हरिमंदिर रास महोत्सव की तैयारियां पूरी

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा के अंतर्गत तोरोनि स्थित ऐतिहासिक तोरोनि हरि मंदिर रास महोत्सव के इसवर्ष 89वें को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। मंदिर प्रांगण में इसका आयोजन इसबार आगामी 26 नवंबर से 6 दिसंबर तक 11 दिवशीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। महोत्सव के सुचारू रूप से संचालन हेतु अध्यक्ष- विनोद कुमार शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष- सनातन कलिता, मुख्य सचिव- शंकर कलिता, सह-सचिव- निपन भुइयां, परेश कलिता और किशोर कलिता, उपाध्यक्ष- तरुण कलिता और रजनी महंतो, कोषाध्यक्ष- नरेन तालुकदार और विभिन्न उपसमितियों सहित एक शक्तिशाली समिति का गठन किया गया है। वहीं आयोजन समिति द्वारा रास महोत्सव की सभी तैयारियां प्राय: पूरी कर ली गयी है। दूसरी ओर मूर्तिकार मूर्तियों को अंतिम रूप देने में दिन-रात जुटे हुए है। मिली जानकारी के अनुसार महोत्सव के अंतर्गत आगामी 26 नवंबर, रविवार को बारोवारी रास महोत्सव संचालन समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार शर्मा द्वारा ध्वजारोहण के साथ सुबह 8 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इसके पश्चात हरेंद्र कुमार भुइयां द्वारा स्मृति तर्पण और इसके बाद अस्थायी कार्यालय का उद्घाटन आमंत्रित अतिथि द्वारा सुबह 9.30 बजे किया जाएगा। वही संध्या 6 बजे मुख्य द्वार का उन्मोचन इसके पश्चात मंदिर के द्वार का उन्मोचन, दीप प्रज्ज्वलन और प्रदर्शनी द्वार का उन्मोचन आमंत्रित अतिथियों द्वारा किया जाएगा। इसके अलवा संध्या 7 बजे वाणिज्यिक मेलों के द्वारों का उन्मोचन के पश्चात संध्या 7.30 बजे टोप ध्वनि प्रदर्शन तथा रात्रि 9 बजे पूर्णिमा का होम किया जाएगा। इस मौके पर विभिन्न आमंत्रित अतिथियों के अलावा रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, मंगलदै लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया, बीटीआर के मुख्य कार्यवाही सदस्य प्रमोद बोड़ो, राज्यसभा सांसद भुवनेश्वर कलिता, पूर्व मंत्री थानेश्वर बोड़ो पूर्व सांसद रमेन डेका, पूर्व विधायक अनंत डेका और अधिवक्ता भाष्कर बरुआ, आई आई टी गुवाहाटी के पूर्व अध्यक्ष हीरेन्द्र नाथ शर्मा उपस्थित होंगे। आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार महोत्सव के बाकी सभी दिन विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें पूजा अर्चना, भागवत पाठ, उजापाली, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, हवन, सार्वजनिक भोग वितरण, आधुनिक नृत्य प्रतियोगिता, नागरा नाम, मुखपत्र मुरुली का उन्मोचन, थियेटर प्रदर्शन, आयतिर नाम आदि मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। समिति द्वारा महोत्सव को व्यवस्थित और शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने में सभी के सहयोग और मार्गदर्शन की कामना की गई है। इसके अलावा आंचलिक रास हरिमंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष अश्विनी कलिता और सचिव मंटेश्वर कलिता और आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों द्वारा महोत्सव में सभी भक्तों की उपस्थिति और सहयोगिता की कामना की गयी है।

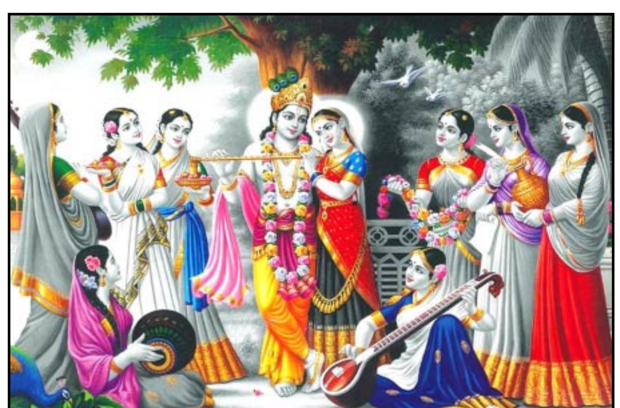

बंगाईगांव में बाबा श्याम का जन्मोत्सव भव्यता से मनाया गया

बंगाईगांव। कराने वाले श्याम करने वाले श्याम की ओर से कार्तिक शुक्ल एकादशी 23 अक्तूबर को खाटू नरेश बाबा श्याम का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से बी ओ सी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर के प्रांगण में प्रतिष्ठित बाबा श्याम के दरबार में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्थानीय गायक कलाकार श्री नवीन अग्रवाल द्वारा भजनों से बाबा को रिझाया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण को सुंदर रूप से सजाया गया। भजनों के मध्य में नवीन अग्रवाल ने ऐसी धमाल खाई की सभी भक्त नाचने को मजबूर हो गए। इस अलावा कोलकाता से पधारे भास्कर एंड पार्टी के कलाकारों द्वारा सुंदर नृत्य पेश किया गया जिसे देखकर सभी भक्ति भाव विभोर हो गए। 19 नवंबर को निशान यात्रा के साथ शुरू हुआ कार्यक्रम 24 अक्तूबर को बाबा की ज्योत के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रम सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सफल करने में संजय बजाज, गोविंद अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अनिल सुरेका, गौरव मित्तल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल (बिजनी), प्रमोद सुरेखा, विनोद अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अशोक सुरेका, श्रीमती सपना धानुका, श्रीमती गरिमा अग्रवाल का सक्रिय सहयोग रहा। कराने वाले श्याम करने वाले श्याम की ओर से संजय बजाज ने सभी समाज बंधुओं को कार्यक्रम सफल करने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया।

लायंस उमंग की साधारण सभा आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। महिलाओं की अग्रणी संस्थानों में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की पांचवी कार्यकारिणी एवं साधारण सभा का आयोजन नगर के एक होटल में आयोजित की गई। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में क्लब की बड़ी संख्या में सदस्याओ ने हिस्सा लिया। अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने सभी का स्वागत किया एवं अब तक किए गए मानव तथा समाज सेवा कार्य हेतु सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। सचिव संगीता अग्रवाल ने मंत्री प्रतिवेदन पढ़ा, जबकि कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी ने आय व्याय का लिखा जोखा रखा। इस बैठक में क्लब की ओर से भावी परियोजनाओं पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की गई एवं सदस्याओ ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस दौरान जिलापाल प्रथम श्रीमती सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, सरोज जालान, अनीता चौधरी, संतोष मिंडा, सविता गोयल, संगीता बड़जतिया, सुमन साबू, श्वेता खंडेलिया, अनिमा गोयल, सरिता जैन, सपना सिंघल, अनीता जैन, नीलम जैन, सुखविंदर कौर, रजनी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्याए मौजूद थी।

बंगाईगांव में श्री सालासर हनुमान जी के भव्य उत्सव के उपलक्ष्य में शोभायात्रा

बंगाईगांव। श्री सालासर हनुमान सेवा समिति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित तथा श्री सालासर हनुमान उत्सव परिचालक समिति द्वारा संचालित प्रथम दिवसीय चतुर्दस श्री सालासर हनुमान जी का विशाल वार्षिक उत्सव शुक्रवार 24 अक्तूबर को भव्य शोभा यात्रा के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर श्री हनुमान जी की एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई जो की मूलचंद जालान विवाह भवन स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर मायापुरी, पगला स्थान होते हुए नोर्थ बंगाईगांव में शिवम कॉलोनी के सामने अरुण जी माहेश्वरी के परिसर में संपन्न हुई। इस शोभा यात्रा में बोडो नृतीय पार्टी, नाम पार्टी, इस्कॉन मंदिर के भक्ति के अलावा कोलकाता से पधारे भास्कर एंड पार्टी के द्वारा विभिन्न झांकियां प्रस्तुत की गई जिसमें राम दरबार, शिव पार्वती परिवार, राधा कृष्ण, विष्णु लक्ष्मी, जीवंत हनुमान की झांकियां आदि प्रमुख थी। शोभा यात्रा में सैकड़ो की संख्या में पुरुष एवं महिलाएं सम्मिलित हुई। शोभा यात्रा में बालाजी का एक भव्य रथ सजाया गया था जिसका संचालन श्री मनोज सिंधी कर रहे थे। ज्ञात रहे की यह रथ स्थाई तौर पर निर्मित किया गया है जो हमेशा बंगाईगांव के अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भी उपयोग किया जा सकता है जिसको कराने वाले बालाजी करने वाले बालाजी की तरफ से प्रदत्त किया गया है। पूरे रास्ते में भक्तों ने बालाजी के दर्शन किए हुए जय जयकार लगाई। शोभा यात्रा के मार्ग में विभिन्न संस्थाओं जैसे अनुव्रत समिति, साधु मार्गी संघ, विप्र समाज तथा कई भक्तों ने पेयजल की सुंदर व्यवस्था की थी। दरबार परिसर में पहुंचने के बाद सभी भक्तों ने बाबा की पूजा करते हुए आरती उतारी। दोपहर को श्री सुंदरकांड परिवार, तिनसुकिया की ओर से संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया एवं शाम को नृत्य नाटिका एवं भजन प्रस्तुत किए गए। सभी कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम को सफल करने में संपत मल सिंघी, बांकेलाल शर्मा, जुगल अग्रवाल, देवकिशन पारीक, महेश कुमार अग्रवाल, सुशील भंसाली, उमेद बांठिया, निर्मल देशवाल,सुनील सिंघी, नंदकिशोर देशवाल, प्रवीन बैश्य, जीतू धारीवाल, धर्मेन्द्र सेठिया, अभिषेक महेश्वरी, हर्षित सिंघी, जगमोहन सुरेका आदि की सक्रिय भूमिका रही। किस कार्यक्रम में गुवाहाटी के रमेश प्रजापत, विश्वनाथ चाराली के अभिषेक पटावरी, बोकाजान के संजय चौधरी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। श्री सालासर हनुमान उत्सव परिचालना समिति की ओर से अध्यक्ष जुगल किशोर अग्रवाल एवं सचिव देवकिशन पारीक ने प्रथम दिवस कार्यक्रम को सफल करने के लिए सभी को धन्यवाद दिया ।

राजौरी मुठभेड़ आतंकवाद और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए बड़ा झटका : सेना कमांडर

- दो कैप्टन समेत 5 सैनिकों को सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने जम्मू में दी पुष्पांजलि
- श्रद्धांजलि देने के बाद सभी बलिदानियों के पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव भेजे गए

जम्मू, (हि.स.)। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि राजौरी मुठभेड़ में आतंकवादियों का मारा जाना राजौरी-पुंछ क्षेत्र में आतंकवाद और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक बड़ा झटका है। इन आतंकियों को अफगानिस्तान और अन्य देशों में प्रशिक्षित करके क्षेत्र में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए भेजा गया था। राजौरी मुठभेड़ के दौरान कैप्टन एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम गुप्ता, हवलदार अब्दुल माजिद, एनके संजय बिष्ट, पैराट्रूपर सचिन शहीद हुए हैं। बलिदान हुए दो कैप्टन समेत 5 सैनिकों को जम्मू में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और डीजीपी आरआर स्वैन सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह बलिदानी जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने के बाद सभी बलिदानियों के पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव भेज दिए गए। श्रद्धांजलि समारोह के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकवादी अत्यधिक प्रशिक्षित थे। ऐसा लगता है कि उन्हें पाकिस्तान, अफगानिस्तान और अन्य देशों में प्रशिक्षित किया गया था। उन्होंने कहा कि दो कैप्टन सहित सेना के पांच जवानों के सर्वोच्च बलिदान से सैनिकों का मनोबल बढ़ा है और सभी जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवादियों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीर पंजाल रेंज में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या के बारे में सेना कमांडर ने कहा कि राजौरी मुठभेड़ में दो उच्च प्रशिक्षित आतंकवादियों के मारे जाने से क्षेत्र में आतंक और उसके पारिस्थितिकी तंत्र को बड़ा झटका लगा है। उत्तरी सेना के कमांडर ने कहा कि इलाके में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या और भी हो सकती है, क्योंकि पुंछ और राजौरी राजमार्ग से जुड़े हुए हैं। अभी भी क्षेत्र में कम से कम 20 से 25 आतंकवादी सक्रिय हैं। पुलिस और मानव खुफिया के सक्रिय समर्थन की मदद से हम एक साल के भीतर क्षेत्र से आतंकवाद को जड़ से खत्म करने में सक्षम होंगे। सुरक्षाबलों के साथ राजौरी के बाजीमल क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। इन आतंकवादियों में से एक की पहचान पाकिस्तान के शीर्ष लश्कर-ए-तैयबा कमांडर कारी के रूप में हुई। यह आईईडी विशेषज्ञ था और गुफाओं और जंगलों में छिपने के लिए प्रशिक्षित स्नाइपर था।

कोलकाता हाई कोर्ट ने धर्मतल्ला में दी अमित शाह की जनसभा को अनुमति

कोलकाता, (हि.स.)। कोलकाता हाई कोर्ट की खंडपीठ ने कोलकाता के धर्मतल्ला में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की जनसभा को अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा कि अमित शाह की सभा पर पुलिस कोई भी अतिरिक्त शर्त नहीं लगा सकेगी। यह सभा उसी जगह होनी है, जहां सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस 21 जुलाई की जनसभा करती है। हाई कोर्ट के एकल पीठ के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवगणनम और हिरणमय भट्टाचार्य की खंडपीठ में पुनर्विचार याचिका लगाई थी, जिस पर शुक्रवार को कोर्ट ने अंतिम सुनवाई हुई। कोलकाता पुलिस को फटकार लगाते हुए खंडपीठ ने कहा कि अगर ऐसा चलेगा तो टीएमसी को यहां 21 जुलाई की जनसभा भी नहीं करने देंगे। भाजपा ने दो हफ्ते पहले आवेदन किया है, यही पर्याप्त है। इसके बाद पुलिस की ओर से किसी भी तरह की शर्त नहीं लगाई जानी चाहिए। राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि कोलकाता में बहुत कुछ हो रहा है, लेकिन भाजपा के कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक फैसले लिए जा रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में नियमों की बात की गई तो न्यायाधीश ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यक्रम में इन नियमों का ख्याल क्यों नहीं रखा जाता है? मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि बालीगंज इलाके में रात 3:00 तक ड्रम बजाते हुए लोगों ने शोभायात्रा निकाली है। चार-पांच दिन पहले मैंने देखा कि ट्रक पर छत पर एक बच्चे को बैठा कर लोग ले जा रहे हैं। मालवाही ट्रैकों में लोग सफर कर रहे हैं। तब नियम कहां माना जाता है?

सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से राहत, अंतरिम जमानत 4 दिसंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत 4 दिसंबर तक बढ़ा दी। जस्टिस एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने 4 दिसंबर को जैन की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करने का आदेश दिया। ईडी ने 19 अक्टूबर को कहा था कि जैन का इलाज हिरासत में भी हो सकता है इसलिए जमानत रद्द की जाए। एक सितंबर को मामले की सुनवाई करने वाली बेंच के सदस्य जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने सुनवाई से अपने आपको अलग कर लिया था। जस्टिस प्रशांत मिश्रा के बेटे ईडी के वकील के रूप में पेश हो चुके हैं। इससे पहले 25 अगस्त को सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि जैन की स्पाइनल सर्जरी हुई है और उन्हें आराम की जरूरत है। सिंघवी ने जैन की अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। 24 जुलाई को कोर्ट ने जैन को मिली अंतरिम जमानत एक महीने के लिए बढ़ा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को सत्येंद्र जैन को छह हफ्ते की अंतरिम जमानत प्रदान की थी। कोर्ट ने जैन को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

राहुल गांधी को भेजे गए निर्वाचन आयोग के नोटिस का जवाब दिया जाएगा : गहलोत

जोधपुर, (हि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शुक्रवार दोपहर जोधपुर पहुंचे। यहां एयर पोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्रदेश के लोगों से मतदान की अपील की। कुछ देर मीडिया से बातचीत कर वे अपने सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए जनसंपर्क में जुट गए। यहां कार्यकताओं द्वारा मुख्यमंत्री का सूत की मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री अपने विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क के लिए जोधपुर पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को मतदान करना चाहिए और वे बढ़चढ़ कर हिस्सा लें। उन्होंने चिरंजीवी योजना 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किए जाने वाली घोषणा पर कहा कि राइट टू हैल्थ बिल का मतलब भी यही है कि सबको स्वास्थ्य लाभ मिलें। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए नोटिस को लेकर कहा कि इसका जवाब दिया जाएगा। कल उनको जवाब देना है, दे दिया जाएगा।

जनसंपर्क किया : राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने जोधपुर प्रवास के दौरान आज डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाबू पुरा, शिकारगढ़ और प्रेम नगर में डोर टू डोर जनसंपर्क की शुरूआत की। उसके बाद अब बीजेएस नट बस्ती में मुख्यमंत्री गहलोत जनसंपर्क कर रहे है। कांग्रेस नेता राजेंद्र सोलंकी और महापौर कुंती देवड़ा,राज्य बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल,एआईसीसी सदस्य वैभव गहलोत व समाजसेवी रणवीर सिंह कच्छवाहा भी साथ है। मंडल अध्यक्ष परमेंद्र सिंह के नेतृत्व में अशोक गहलोत का स्वागत किया गया। आज रात्रि विश्राम मुख्यमंत्री गहलोत जोधपुर में ही करेंगे। कल पैतृक निवास के पास स्थित महामंदिर जैन स्कूल में मतदान करेंगे।

दिल्ली की 'हवा' में सुधार नहीं, घुला है जहर

अजय कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की 'हवा' फिलहाल जस की तस है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में है। आनंद विहार में आज (शुक्रवार) सुबह एक्यूआई 411, अलीपुर में 432, वजीरपुर में 443, आरकेपुरम में 422 दर्ज किया गया। गुरुवार को भी कमोबेश यही स्थिति रही। बोर्ड के अनुसार राजधानी के 14 स्थानों का एक्यूआई 400 पार यानी 'गंभीर' श्रेणी में रिकॉर्ड किया गया है। अगले दो-तीन दिन दिल्ली को प्रदूषण से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, गुरुवार को दिल्ली का एक्यूआई 390 रहा। शुक्रवार सुबह यह आंकड़ा 450 के करीब पहुंच गया। बुधवार को यह 395 था। आज बवाना दिल्ली का सर्वाधिक प्रदूषित इलाका रहा। यहां का एक्यूआई 450 रहा।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली के अनुसार, अगले तीन-चार दिनों के बीच हवा की गति आमतौर पर दस किलोमीटर से नीचे रहने की संभावना है। ऐसी स्थिति में प्रदूषक तत्वों का बिखराब नहीं हो पाता।

अफगानिस्तान ने नई दिल्ली में अपना दूतावास स्थाई तौर पर बंद किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। अफगानिस्तान दूतावास ने शुक्रवार को नई दिल्ली में अपने परिसर को स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है और भारत सरकार से परिसर में पूर्ववर्ती अफगान का झंडा फहराने की अनुमति देने को कहा है। दूतावास का कहना है कि नियंत्रण छोड़ने के लिए तालिबान और भारत सरकार दोनों की ओर से लगातार दबाव के कारण दूतावास को एक कठिन विकल्प को चुनना पड़ा है। भारत में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुंडजे ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान के दूतावास को भारत सरकार की ओर से मिल रही लगातार चुनौतियों के कारण 23 नवंबर, 2023 से नई दिल्ली में अपने राजनयिक मिशन को स्थायी रूप से बंद करने की घोषणा करते हुए खेद है। इससे पहले दूतावास ने 30 सितंबर को संचालन बंद करने का फैसला लिया था। दूतावास का कहना है कि यह कदम इस उम्मीद में उठाया गया था कि मिशन को सामान्य रूप से संचालित करने के लिए भारत सरकार का रुख अनुकूल हो जाएगा। दूतावास ने भारत सरकार से तीन मांगें रखी हैं। इसमें अफगानिस्तान की सम्पत्ति को अपनी निगरानी में लेने, अफगानिस्तान का तीन रंगी पुराना ध्वज संपत्ति पर फहराये रखने और अफगानिस्तान की संपत्ति, खाते भविष्य में चुनी हुई अफगान सरकार के लिए संभाले जाएं शामिल हैं।

दिल्ली में बाइक टैक्सी चलाने का रास्ता साफ

अजय त्यागी

नई दिल्ली (ईएमएस)। उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दिल्ली सरकार के मोटर वाहन एग्रीग्रेटर व डिलिवरी सेवा प्रदाता योजना 2023 को मंजूरी दिये जाने से दिल्ली में बाइक टैक्सी चलाने का रास्ता साफ हो गया है। परिवहन विभाग जल्द इसकी अधिसूचना जारी करेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीते माह 18 अक्तूबर को एग्रीग्रेटर योजना को मंजूरी देकर एलजी के पास भेजा था। एलजी ने इसे हरी झंडी दे दी है। अधिसूचना जारी होने के 90 दिनों के अंदर ही ओला, उबर, जुमैटो, स्विगी जैसी ऐप आधारित टैक्सी व डिलीवरी सेवा प्रदाता कंपनियों को लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। जिनके बेड़े में 25 या अधिक मोटर वाहन (दो, तीन और चार पहिया, बसों को छोड़कर) शामिल होंगे, उन्हें लाइसेंस लेना होगा। नीति के तहत ऐप आधारित टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनियों (ओला-उबर) को परिचालन के लिए लाइसेंस लेना होगा। इसके अलावा डिलीवरी सेवा से जुड़ी (जुमैटो, स्विगी, अमेजॉन) जैसी कंपनियों को भी लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा।

तमिलनाडु में भारी बारिश, कई जगह हुई लैंडस्लाइड, हालातों के मद्दे नजर स्कूल किए बंद

चेन्नई(ईएमएस)। दक्षिण भारत में मौसम का कहर बरस रहा है। तमिलनाडु में न केवल भारी बारिश हो रही है बल्कि जगह जगह भूस्खलन की खबरें आ रहीं है। बिगड़ते हालातों को देखने हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया है। नीलगिरी जिले में कुन्नूर-मेट्टुपालयम राष्ट्रीय राजमार्ग और कोठागिरी-मेट्टुपालयम राजमार्ग में 10 अलग-अलग जगहों पर लैंडस्लाइड की खबरें सामने आईं। 10 जगहों पर मरम्मत का कार्य चल रहा है। वहीं, नीलगिरी जिला कलेक्टर एम. अरुणा ने कुन्नूर और कोटागिरी के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में आज यानी 24 नवंबर को अवकाश घोषित कर दिया है। भारी बारिश के चलते राज्य के तूतीकोरिन में कई इलाकों में जलजमाव की समस्या सामने आ रही है। जगह-जगह पानी भर जाने के कारण मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ गया है जिसको देखते हुए तूतीकोरिन निगम मच्छरों को भगाने के लिए छिड़काव करवा रही है। पिछले 24 घंटों में, कोयंबटूर जिले के मेट्टुआपालयम में सीजन की सबसे भारी बारिश (37 सेमी) दर्ज हुई। कोयंबटूर के कई हिस्से जलभराव से प्रभावित हुए हैं, जिस कारण से शुक्रवार को कपड़ा राजधानी में लंबा ट्रैफिक जाम लगा। भारी बारिश के कारण रामनाथपुरम सिग्नल के पास सड़क पर बारिश का पानी जमा हो गया है।

अब अंतरिक्ष में भी तैनात होगी भारतीय वायु सेना

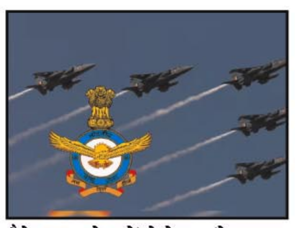

नई दिल्ली, (ईएमएस)। युद्ध सिर्फ धरती या आसामान और समुद्र में ही नहीं होंगे। आने वाले समय में अंतरिक्ष भी युद्ध से अछूता नहीं रहेगा। रक्षा विशेषज्ञ कुछ इसी तरह की आशंकाएं व्यक्त कर रहे हैं। जिसके कारण आने वाले समय में अंतरिक्ष में भी भारतीय वायु सेना को तैनात किया जा सकता है। वायु सेना स्पेस फोर्स बनने की दिशा में अग्रसर है। इंडियन एयर फोर्स ने स्पेस में कदम रखने की तैयारी भी शुरू कर दी है। दरअसल, वायु सेना ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर स्पेस के समुचित व सदुपयोग का इरादा बनाया है। इसके लिए वायु सेना ने इंफ्रास्ट्रक्चर और थिओरेटिकल फ्रेमवर्क भी तैयार किया है। इस नई भूमिका में भारतीय वायु सेना का नया नाम इंडियन एयर एंड स्पेस फोर्स हो सकता है।फिलहाल, नए नाम का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेज दिया गया है। स्पेस फोर्स के लिए स्पेस सैटेलाइट का एक बड़ा बेड़ा तैयार किया जाना है। इसके लिए 31 सैटेलाइट स्पेस में भेजे जाएंगे। इनका उपयोग कम्युनिकेशन, वेदर प्रिडिक्शन, नेवीगेशन, रियल टाइम सर्विलांस जैसे ऑपरेशन के लिए किया जाएगा।जानकारी के मुताबिक स्पेस में भेजे जाने वाले इन 31 सेटेलाइट की लॉन्चिंग का 60 फीसदी खर्च वायुसेना उठाएगी। इसरो और डीआरडीओ पर लॉन्चिंग की जिम्मेदारी रहेगी। साथ ही डीआरडीओ की मदद से भारतीय वायु सेना के लिए ऐसे एयर क्राफ्ट तैयार किए जाएंगे, जो हवा और स्पेस दोनों में काम कर सकते हैं।भारतीय वायु सेना ने केंद्र सरकार की डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस एजेंसी की मदद से स्पेस डॉक्ट्रिन तैयार किया है। इसमें स्पेस मिलिट्री पावर से जुड़े नियमों और गाइडलाइंस को शामिल किया गया है। बात यह है कि फिलहाल स्पेस का सैन्य उपयोग प्रतिबंध है। इसलिए भारतीय वायु सेना के अधिकारियों को स्पेस संबंधी अंतरराष्ट्रीय कानून की जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में इंडियन एयर फोर्स जवानों को सिखाया जाएगा कि वे किस तरह स्पेस से अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए स्पेस का सही इस्तेमाल करें।वायु सेना के जवान स्पेस मिशन के लिए विशेष ट्रेनिंग भी हासिल करेंगे। स्पेस मिशन के लिए हैदराबाद में स्पेस वॉर ट्रेनिंग कमांड सेंटर बनाया जा रहा है। इस केंद्र में कानून की जानकारी और प्रशिक्षण के लिए बाकायदा एक कॉलेज होगा। इस मिशन के लिए सेना के तीनों अंगों की ज्वाइंट स्पेस कमान की मांग भी की जा रही है। इस कमान में नेवी, आर्मी और एयरफोर्स के अलावा डीआरडीओ और इसरो को भी शामिल किया जाएगा।

मराठा के बाद ओबीसी की गोलबंदी में घिरी एकनाथ शिंदे सरकार

-अजित पवार के साथ सरकार के सहयोगी रहे छगन भुजबल ने अपनाया बागी रुख

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन पश्चात अब अन्य पिछड़ा वर्ग की गोलबंदी एकनाथ शिंदे सरकार की चिंता बढ़ा रही है। उधर ओबीसी बिरादरियों को गोलबंद करने में एकनाथ शिंदे सरकार के ही मंत्री छगन भुजबल जुटे हुए हैं। अजित पवार के साथ सरकार के सहयोगी रहे भुजबल ने अब बागी तेवर भी अपना लिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि मराठा आरक्षण के खिलाफ मेरे स्टैंड के आधार पर इस्तीफा मांगा जाता है तो वे मंत्री और विधायकी तक के पद त्यागने को तैयार हैं। दरअसल छगन भुजबल लगातार इस बात का विरोध कर रहे हैं कि मराठा समाज के लोगों को कुनबी जाति का सर्टिफिकेट दिया जाए, जिसके तहत ओबीसी आरक्षण मिलता है। उन्होंने जालना जिले में हाल ही में ओबीसी वर्ग की एक बड़ी रैली की थी। उनकी इस मुहिम में कांग्रेस के भी कई नेता साथ हैं। छगन भुजबल ने कहा, मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। यदि मेरे स्टैंड की वजह से कहा जाता है तो फिर विधायकी भी छोड़ दूंगा। मैं अपनी पार्टी के आदेश का पालन करूंगा, जिसमें अजित पवार सुप्रीम हैं। इसके अलावा कैबिनेट में सीएम मेरे बॉस हैं, जबकि भाजपा गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी है। यदि वे मुझसे इस्तीफा देने को कहते हैं तो दे दूंगा। मराठा आंदोलन मुद्दे पर सरकार के झुकने के प्रश्न पर भुजबल ने कहा कि सरकार और इस मामले की सुनवाई करने वाले जजों को इस मामले में व्यापक दृष्टिकोण रखना चाहिए। मराठा आरक्षण पर बात करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि ओबीसी समाज से अन्याय न हो सके। गौरतलब है कि मराठा आंदोलनकारी भी लगातार अल्टीमेटम दे रहे हैं। मनोज जारांगे पाटिल ने तो पिछले महीने आंदोलन ही इस शर्त पर खत्म किया था कि यदि 2 जनवरी तक मराठा कोटे पर फैसला नहीं हो सका तो फिर सड़कों पर प्रदर्शन किया जाएगा।

किसान प्रदर्शन से 6 गाड़ियां रद्द, 33 का मार्ग परिवर्तित

-गन्ने की एमएसपी वृद्धि सहित लंबित मांगों के निराकरण को लेकर चौथे दिन भी जारी रहा किसान प्रदर्शन

चंडीगढ़ (ईएमएस)। गन्ने की एम.एस.पी. बढ़ाने सहित अपनी लंबित मांगों को लेकर किसान प्रदर्शन शुक्रवार चौथे दिन भी जारी है। इससे नैशनल हाईवे और रेलवे ट्रैक जाम होने से यातायात प्रभावित हुआ। धरने के कारण तीसरे दिन भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि ट्रैफिक पुलिस ने अलग रास्ते निकाल कर ट्रैफिक को डायवर्ट किया हुआ था लेकिन इसके बावजूद बहुत दूर तक लोग जाम में पूरा दिन फंसे रहे। मरीज को लेकर जा रही एक एम्बुलैंस भी 1 घंटे से अधिक समय तक जाम में अपनी जगह से इधर-उधर नहीं हो सकी। आंदोलन को देखते हुए रेल विभाग ने 24 नवम्बर को भी कई गाड़ियां रद्द रखने की सूचना जारी की है जिसमें चंडीगढ़-अमृतसर, अमृतसर-हिसार, लुधियाना-अंबाला कैंट सहित कुल 6 गाड़ियों को रद्द रखा जाएगा। 18 रेलगाड़ियों को शार्ट टमीर्नेट कर बीच रास्ते वापस लौटाया जाएगा और 33 रेलगाड़ियों को रूट बदल कर चलाया जाएगा। गौरतलब है कि गुरुवार दोपहर को 12 बजे किसान रेल ट्रैक पर बैठ गए थे, जिसके बाद कोई भी ट्रेन वहां से नहीं निकल सकी। कटिहार एक्सप्रैस ट्रेन पीछे से आकर चहेडू के पास खड़ी रही और उसमें सवार यात्रियों को बहुत बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा।

राजस्थान में मतदान की सभी तैयारियां पूर्ण, 5.26 करोड़ मतदाता करेंगे वोट

जयपुर, (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा चुनाव के तहत प्रदेश के 199 विधानसभा क्षेत्रों में शनिवार, 25 नवंबर को मतदान होगा। सभी जिलों में मतदान के लिए तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,507 मतदान केंद्रों पर 5,26,90,146 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। 18-30 आयु वर्ग के 1,70,99,334 युवा मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 18-19 आयु वर्ग के 22,61,008 नव मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में कुल 36,101 स्थानों पर मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कुल 10,501 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्र में और 41,006 ग्रामीण क्षेत्र में बनाए गए हैं। कुल 26,393 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग करवाई जाएगी। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से इन मतदान केंद्रों पर निगरानी की जाएगी। प्रदेशभर में 65,277 बैलट यूनिट, 62,372 कंट्रोल यूनिट और 67,580 वीवीपैट मशीनें मतदान कार्य में उपयोग की जाएंगी, जिसमें रिजर्व मशीनें भी हैं। विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिए 6,287 माइक्रो आब्जर्वर और 6247 सेक्टर अधिकारी मय रिजर्व नियुक्त किए गए हैं जो मतदान दलों से सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। सभी सेक्टर अधिकारियों को एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन भी दी जाएगी। जो ईवीएम संबंधी खराबी की सूचना होने पर सुधार एवं रिप्लेसमेंट की कार्यवाही करेंगे। ईवीएम संबंधी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए हर विधानसभा में दो-दो बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केंद्रों पर पहुंचेंगे। बेल इंजीनियर के पास भी एक-एक अतिरिक्त ईवीएम मशीन रहेगी। गुप्ता ने बताया कि 2,74,846 मतदान कर्मी मतदान सम्पन्न कराएंगे। 7960 महिला मतदानकर्मी महिला प्रबंधित मतदान केंद्रों पर एवं 796 दिव्यांग मतदान कार्मिक दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्रों पर कमान संभालेंगे। सभी मतदान बूथों पर मतदान के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ लेते हुए वहां आने वाले दिव्यांगजन एवं 80 वर्ष की आयु के वरिष्ठ मतदाता अपना मत बिना किसी असुविधा के डाल सकते हैं। शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 1,02,290 सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। कुल 69,114 पुलिसकर्मी, 32,876 राजस्थान होमगार्ड, फोरेस्ट गार्ड एवं आरएसी जवानों का बल तैनात किया गया है एवं सीआरपीएफ की 700 कंपनियां तैनात की गयी हैं। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए मतदान दिवस पर सघन जांच एवं निगरानी के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 3 फ्लाइंग स्क्वॉड, 3 एसएसटी दल तैनात रहेंगे। व्यय संवेदनशील मतदान केंद्रों में एक-एक अतिरिक्त एफएस और एसएसटी की तैनाती मतदान दिवस पर की जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम तीन क्यूआरटी की उपलब्धता रहेगी। गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्यों से लगती 4850 किलोमीटर लम्बी अंतरराज्यीय सीमा पर बने चेकपोस्ट पर बाहरी अवांछित व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से सीलिंग और चेकिंग की कार्रवाई की जाएगी। मतदान के दिन सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए जिला एवं विधानसभा क्षेत्र स्तर पर कम्यूनिकेशन टीम बनाई गई है। इस टीम में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी मतदान केंद्रों तक मतदान दलों के पहुंचने की जानकारी, मॉकपोल होने की जानकारी, उसके बाद मतदान शुरू होने, मतदान का प्रतिशत जैसी जानकारियां मतदान केंद्रों पर नियुक्त कर्मचारियों से चर्चा कर संकलित करेंगे। मतदान के लिए कुल 41,224 बड़े तथा छोटे वाहनों का अधिग्रहण किया गया है, जिससे मतदान दल, सुरक्षा कर्मी, ईवीएम मशीन तथा सेक्टर ऑफिसर के आने-जाने में सुगमता रहे। पुलिस बल तथा मतदान दलों के लिए 17,617 वाहन, सेक्टर ऑफिसर के लिए 20,844 छोटे यात्री वाहन एवं ईवीएम मशीन के लाने ले जाने के लिए 2470 ट्रक व मिनी ट्रक अधिग्रहित किए गए हैं।

नीतीश कुमार वाराणसी से लड़ सकते हैं चुनाव

बलिया, (हि. स.)। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर जेडीयू उत्तर प्रदेश में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की कोशिश में है। जेडीयू के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अवलेश सिंह ने यह दावा करते हुए कहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 2022 में वाराणसी संसदीय सीट पर चुनाव लड़ सकते हैं। बस उनकी सहमति देने भर की जरूरत है। जेडीयू यूपी की पूरी टीम वाराणसी में लगी है। पत्रकारों से बातचीत में अवलेश सिंह ने कहा कि पूर्वांचल की कई सीटों पर हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी। बलिया, सलेमपुर, गाजीपुर, वाराणसी, प्रतापगढ़, फूलपुर, बांदा, हमीरपुर में जेडीयू तैयारी कर रही है। कहा कि बीते अक्टूबर में हम पटना गए थे और नीतीश कुमार से उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने को कहा था। उम्मीद है कि वे वाराणसी, फूलपुर, मिजार्पुर या बलिया में से किसी भी सीट पर चुनाव लड़ सकते हैं। क्योंकि उन्हें देश में परिवर्तन की लहर लानी है। उत्तर प्रदेश ने कई प्रधानमंत्री देश को दिया है। इसलिए नीतीश कुमार को यूपी से ही चुनाव लड़ना चाहिए। देश में परिवर्तन होने जा रहा है तो बिहार से चलकर यूपी से जो जाएगा वही देश में परिवर्तन का झंडा फहराएगा। नीतीश के प्रधानमंत्री मोदी की संसदीय सीट वाराणसी से चुनाव लड़ने के सवाल यह अवलेश सिंह ने कहा कि वहां हमारी बैठक हुई थी। वाराणसी में कुर्मी-पटेल बिरादरी का चार लाख वोट है। वहां इंडिया गठबंधन का जो वोट है उसमें चार लाख अतिरिक्त जुड़ जाएगा। इसलिए नीतीश कुमार यदि वाराणसी से चुनाव लड़ते हैं तो कम से कम तीन से चार लाख वोटों से चुनाव जीतेंगे। अवलेश सिंह ने दावा किया कि वाराणसी सीट तो नीतीश कुमार के लिए नम्बर वन तो है ही, वे यूपी के किसी भी सीट से चुनाव लड़ेंगे तो जीत जाएंगे। दिसम्बर से यूपी में नीतीश कुमार का धुंआधार कार्यक्रम होने जा रहा है। यह कार्यक्रम वाराणसी से शुरू होंगे। अवलेश सिंह ने नीतीश कुमार को बड़ा नेता बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा। कहा कि बड़े लोग जब आ जाते हैं तो दूसरा आदमी रास्ता बदल देता है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए कांग्रेस के नेताओं द्वारा पनौती शब्द का इस्तेमाल किये जाने पर कहा कि किसी भी बड़े नेता के खिलाफ ऐसे शब्द कहे जाने के हम खिलाफ है। ऐसा नहीं होना चाहिए।

सुपोषित और स्वस्थ बच्चे ही सशक्त भारत का आधार बनेंगे : मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या, (हि.स.)। रामलला 500 वर्षों के बाद 22 जनवरी को अपने स्वयं के मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। इससे पहले प्रदेश में 3 से 6 साल के बच्चों को मिड-डे-मील की तर्ज पर गर्म बना हुआ भोजन परोसने के कार्य का शुभारंभ अयोध्या से होना अत्यंत ही शुभ कार्य है। सुपोषित और स्वस्थ बच्चे ही सशक्त भारत का आधार बनेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां पुलिस लाइन स्थित कंपोजिट विद्यालय से हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने 403 करोड़ की लागत से 35 जिलों में 3401 आंगनवाड़ी केंद्रों का शिलान्यास किया। साथ ही अयोध्या रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस्-ाकर्मियों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिड-डे-मील की तर्ज पर गर्म बना हुआ भोजन अलग-अलग मेन्यू के आधार पर अलग-अलग दिन परोसने की ये योजना विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय के साथ आगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस का उ-दाहरण देते हुए कहा कि अंतरविभागीय समन्वय के चलते जो बीमारी 40 साल में 50 हजार बच्चों को निगल गई उसे हमने चार साल में नियंत्रित कर लिया। इसलिए ये जरूरी हो जाता है कि अंतरविभागीय समन्वय से योजनाओं पर कार्य हो तो बेहतर परिणाम आ सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 1.90 लाख आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें दो करोड़ से अधिक लाभार्थी पंजीकृत हैं। इनमें 6 प्रकार की सेवाएं प्रदान की जाती हैं। पहली बार प्रदेश में हो रहा है कि 3 से 6 साल के 80 लाख बच्चों को हॉट कुक्ड मील प्रदान करने के कार्य का शुभारंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद आंगनवाड़ी कार्यकताओं और सहायिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे भगवान का रूप होते हैं। आप सौभाग्यशाली हैं, क्योंकि कान्हा को द्वापर युग में यशोदा मइया ने बचपन में पाला था, मगर आप सैकड़ों कान्हाओं की सेवा करने, उनके पोषण और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी संभालने के साथ ही सशक्त भारत की आधारशिला को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही हैं। ये आपका सौभाग्य है कि आपको यह अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले पोषाहार की योजनाओं पर बहुत से प्रश्न खड़े होते थे, मगर बीते 6-7 साल में काफी सुधार हुआ है। बच्चों में एनीमिया के स्तर में सुधार हुआ है, अल्प वजन, लंबाई और वजन के मामलों में काफी सुधार देखने को मिला है। शिशु मृत्यु दर में भी कमी आई है।

इसमें अभी काफी सुधार की गुंजा-इश है, इसके लिए हमें निरंतर कार्य करना होगा। स्वस्थ बालक केवल महिला बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पंचायती राज और नगर विकास विभाग को भी इससे जुड़ना चाहिए। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने पुलिस लाइन के कंपोजिट विद्यालय की कक्षाओं में जाकर बच्चों से मुलाकात की और उनसे पढ़ाई एवं स्कूल ड्रेस आदि के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से स्कूली बच्चों को भोजन भी परोसा। कार्यक्रम के दौरान योगी ने आंगनवाड़ी केंद्रों में हॉट कुक्ड मील योजना से संबंधित लघु फिल्म का अवलोकन किया और आंगनवाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं को 'पोषण भी पढ़ाई भी' किट का वितरण किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने श्री अन्न की पोषण थाली आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों को वितरित किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में महिला कल्याण, बाल विकास और पुष्टाहार विकास मंत्री बेबी रानी मौर्या, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, महिला बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव बीना कुमारी मीना, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अयोध्या में पुलिसकर्मियों के रहने के लिए 12-12 मंजिल के दो भवनों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा सभी थानों में भी पुलिसकर्मियों के रहने के लिए अच्छे बैरकों का निर्माण कराना सरकार की प्राथमिकता है। बहुत जल्द जर्जर बैरकों में रहने के लिए कोई भी पुलिसकर्मी विवश नहीं होगा। पुलिसकर्मियों को बेहतरीन सुविधा देने के लिए सरकार संकल्पबद्ध है।

ऊर्जा राज्य मंत्री ने किया बच्चों को गर्म पके भोजन का वितरण

मेरठ, (हि.स.)। प्रदेश के ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने शुक्रवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय फफूंडा के आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को गर्म पके भोजन का वितरण किया। इस दौरान मिशन कायाकल्प के अंतर्गत चयनित लर्निंग लैब का भी शिलान्यास किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय फफूंडा के परिसर में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर शुक्रवार को तीन से छह वर्ष के बच्चों के लिए संचालित हॉट कूक्ड फूड योजना का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने 35 बच्चों को गर्म पके भोजन का वितरण किया। मिशन कायाकल्प के अन्तर्गत चयनित लर्निंग लैब का भी शिलान्यास किया गया। जनपद में 2076 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं। इन केंद्रों के तीन से छह वर्ष के कुल 41749 बच्चे हॉट कूक्ड फूड योजना से लाभान्वित होंगे। एक दिसम्बर से समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों पर हॉट कूक्ड फूड योजना का संचालन किया जाएगा। राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने कहा कि बच्चों में कुपोषण दूर करने के लिए सरकार तत्पर है और निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों को दिए जाने वाले गर्म पके भोजन की गुणवत्ता अच्छी हो और गुणवत्ता का सत्यापन कराया जाए। इस अवसर पर सीडीओ नूपुर गोयल, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह, खरखौदा ब्लॉक प्रमुख पुनीत त्यागी आदि उपस्थित रहे।

वाराणसी में होगा अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय लघु फिल्म महोत्सव के छठे संस्करण का आयोजन वाराणसी के मंडलायुक्त सभागार में 01 से 03 दिसंबर तक किया जाएगा। राज्य के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि इस महोत्सव में पर्यटन को बढ़ावा देने से संबंधित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। महोत्सव में लघु फिल्मों के निर्माण से जुड़े जाने-माने निमार्ता भाग लेंगे। इससे उत्तर प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए एक नया वातावरण सृजित होगा। वाराणसी में महोत्सव के आयोजन से दुनियाभर के फिल्मकारों के बीच उत्तर प्रदेश में शूटिंग करने लायक जगहों की जानकारी पहुंचेगी और प्रदेश में फिल्म निर्माण को गति मिलेगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इस शार्ट फिल्म महोत्सव की आयोजक संस्था इंडियन इन्फोटेनमेंट मीडिया कॉरपोरेशन के प्रमुख एवं लिम्का बुक ऑफ रिक-ाड्र्स में अपना नाम दर्ज करा चुके जाने माने शार्ट फिल्म निमार्ता देवेन्द्र खंडेलवाल, निमार्ता निदेशक राहुल रवैल, प्रकाश झा, रुमी जाफरी और अभिनेत्री सौम्या टंडन हिस्सा लेंगी।

राम, कृष्ण, विश्वनाथ तीनों धाम साथ-साथ : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि राम, कृष्ण, विश्वनाथ तीनों धाम साथ-साथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के श्रीकृष्ण जन्मभूमि का दर्शन करने के बाद उप मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी आयी है। प्रधानमंत्री के मथुरा आगमन के बाद लोगों में अयोध्या व काशी के बाद अब मथुरा के उद्धार की आस जगी है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम परिवार के साथ बचपन से मथुरा जाते रहे हैं। सपा अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हो सकता है कि भाजपा विरोधी चुनावी व इच्छाधारी हिंदू जल्दी ही मथुरा व वृंदावन के मंदिरों की चौखट पर माथा टेकते नजर आएं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए, शक्तिशाली भारत बनाने के लिए, गरीबी से मुक्त भारत बनाने के लिए, सीमाओं की रक्षा एवं सुरक्षा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करें। विदित हो कि जब विश्व हिन्दू परिषद ने श्रीराम जन्मभूमि आन्दोलन शुरू किया था तब अयोध्या मथुरा और काशी तीनों धर्मस्थलों को मुक्त कराने की मांग की जा रही थी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। काशी में कॉरिडोर बना है लेकिन अभी मथुरा में स्थिति जस की तस बनी हुई है। वैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि का दर्शन करने के बाद यह संदेश दिया है कि अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रज रज उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के भव्य और दिव्य दर्शन होंगे।

हिन्दू राष्ट्र नहीं, रामराज्य की अवधारणा को साकार करने की आवश्यकता : देवकीनंदन

पलामू, (हि.स.)। प्रख्यात कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर ने कहा कि हिन्दू राष्ट्र से अच्छा राम राज्य की अवधारणा को सत्ता द्वारा व्यवहारिक रुप देने से सामाजिक विसंगतियां दूर होगी। देवकीनंदन शुक्रवार को जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में स्थानीय संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। मेदिनीनगर के हाउसिंग कॉलोनी में आयोजित श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है। इसमें बतौर कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर भाग ले रहे हैं। देवकी नंदन ठाकुर ने कहा कि जितना अंग्रेजी हुकूमत में साधू-संतों को नहीं प्रताड़ित होना पडा, उतना आजाद भारत में प्रताड़ित हुए हैं। यह हिन्दू राज, राम राज्य के संकल्पना के विरुद्ध है, जिसे रोका जाना चाहिए। तथाकथित संत आसाराम, राम रहीम और रामपाल के जेलों में कैद होने की पृष्ठभूमि में कथावाचक ठाकुर ने कहा कि इनको जमानत इसलिए नहीं मिल रही है कि सनातन धर्म को इससे बल मिलता है, जबकि केरल में चौदह किशोरियां के बलात्कार के आरोपी धर्म गुरु को आसानी से जमानत पर रिहाई के आदेश जारी हो जाते हैं, इसे क्या समझा जाए?

उन्होंने कहा कि 1670 में मुगल बादशाह औरंगजेब ने मथुरा मंदिर को ध्वस्त कर ईदगाह बनाया था और मंदिर की मूर्तियां जामा मस्जिद के सीढियों में दबा दी थी, इससे सनातन धर्म, समाज की भावना आहत है और उसे अतिक्रमण मुक्त करने की मांग कर रहे हैं तो कोई गुनाह नहीं कर रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि हिन्दुओं के मंदिर-धर्मस्थलों-देवालयों को स-रकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाए और अबतक इनसे हुई आय से भारत के सभी जिलों में पांच-पांच गुरुकुलम विद्यालय स्थापित किया जाए, ताकि बालपन से विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति के ढाला जा सके।

झारखंड में धान की सरकारी खरीद 15 दिसंबर से

रांची, (हि.स.)। राज्य सरकार इस साल खरीफ मौसम में उत्पादित धान की सरकारी खरीद 15 दिसंबर से शुरू करेगी। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग लैम्प्स और पैक्स के माध्यम से होने वाली धान खरीद की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग जिलास्तर पर लैम्प्स की वर्तमान स्थिति से संबंधित रिपोर्ट सहकारिता विभाग को सौंपेगा। इसके बाद सरकार धान खरीद (अधिप्राप्ति) केन्द्रों की संख्या को अंतिम रूप प्रदान करेगी।। हर साल किसानों को सरकारी समर्थन मूल्य के आधार पर धान का भुगतान किया जाता है। अभी स-रकारी दर 2050 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों का कहना है कि खुले में धान का मूल्य ज्यादा है। विभागीय मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव समर्थन मूल्य के मुद्दे पर माथापच्ची कर रहे हैं। जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत का कहना है कि संभावना है कि रांची में पिछले साल की तरह इस बार भी 75000 क्विंटल धान खरीद का लक्ष्य तय होगा। किसानों पर इस बार मौसम की मार पड़ी है। कम वर्षा के कारण इस बार धान की बुआई अपेक्षा अनुरूप नहीं हुई। अगस्त तक करीब 46 प्रतिशत धान की बुआई राज्य में हुई थी।

रेलवे के निर्माण के दौरान हादसा, बालू उठाव के दौरान धंसी मिट्टी की चाल, दबकर मजदूर की मौत

पलामू, (हि.स.)। जिले के रेहला थाना क्षेत्र के बेलचंपा में कोयल नदी किनारे मिट्टी की चाल धंसने से एक मजदूर की मौत हो गयी, जबकि तीन मजदूर बाल बाल बच गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मजदूर के शव को पोस्टमार्टम एमएमसीएच में कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों के आवेदन पर एफआइआर दर्ज करने की तैयारी है। मृत मजदूर की पहचान गढ़वा के बेलचंपा निवासी ललन पासवान पिता स्व. शिवाशरण राम (48) के रूप में हुई है। ललन के साथ कुल छह लोग मौके पर मौजूद थे। ललन के एक साथी मजदूर ने एमएमसीएच में बताया कि घटना शुक्रवार सुबह छह बजे की है।

ड्राइवर समेत कुल छह लोग बेलचंपा में कोयल नदी किनारे बालू का उठाव कर रहे थे। बालू रेहला से आगे ब्रिज सहित अन्य निर्माण में ले जाना था, जिस जगह बालू का उठाव हो रहा था, उससे सटे मिट्टी की ढेर लगी हुई थी। अचानक बालू उठाव करते समय मिट्टी की चाल धंस गयी।

चाल धंसते देखकर तीन मजदूर मौके से जान बचाकर भागे, लेकिन ललन नीचे दब गया। ललन का पैर कुछ दिन पहले फ्रैक्चर कर गया था। भागने के दौरान पैर फिसल गया। मिट्टी हटाते हटाते ललन की स्थिति गंभीर हो गयी और निकालने के बाद इलाज के लिए एमएमसीएच लेकर आए। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। रेहला के थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने जानकारी दी कि रेलवे का काम चल रहा है। कोयल नदी किनारे मिट्टी का कटाव किया गया है। 8 से 10 क्विंटल मिट्टी रखी गयी है। इसी मिट्टी की चाल धंसने से यह हादसा हुआ, जहां तक बात बालू उठाव का है तो इसकी जांच की जा रही है। घटना स्थल से 50-60 फीट दूर कोयल नदी है।परिजनों से संपर्क किया गया है। उन्हें लिखित देने के लिए कहा गया है।

सनातन धर्म पर प्रहार करने वालों का समाप्त हो जाएगा आस्तित्व : कौशल्या नंद गिरी

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के सिमरिया में गंगा तट पर आयोजित गंगा महाआरती ने देवोत्थान एकादशी की रात नया इतिहास रच दिया है। इस आरती में जहां देश के विभिन्न हिस्से के संत और श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं, पहली बार किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर और उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड के सदस्य कौशल्या नंद गिरी उर्फ टीना मां भी शामिल हुई। उन्होंने सनातन धर्म की परंपरा के अनुसार वैदिक रीति रिवाज से पूजा अर्चना किया। इसके बाद सनातन धर्म पर प्रहार करने वालों तथा बिहार स-रकार पर भी जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 15 सौ करोड़ मिलता है, वहां की सरकार कुंभ के लिए करोड़ों का बजट पारित करती है। लेकिन बिहार सरकार 2011 से ही यहां कुंभ पुर्नजागृत होने के बावजूद सो रही है। बिहार की स-रकार को भी ऐसे आयोजन में मदद करनी चाहिए, सरकार बजट बनाए। कौशल्या नंद गिरी ने कहा कि कुंभ जैसे सनातन धर्म के महाआयोजन में मदद करने के बदले कुछ नेता समाज को बांट कर सनातन धर्म के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। सनातन धर्म है तब हम हैं। लेकिन कुछ नेता सनातन धर्म पर लगातार प्रहार करते हैं, वैसे नेताओं का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। सनातन धर्म नहीं होता तो अस्तित्व समाप्त हो गया रहता, क्योंकि सनातन धर्म विश्व का कल्याण करता है। उन्होंने कहा कि हर युग में किन्नर का जिक्र होता आया है। कलयुग में किन्नर की मान्यता समाप्त हो गई। इसके लिए लड़ना पड़ा और जिस समाज ने मुझे भगाया वही अब अपना रहा है। सत्यता की जीत हुई, स्वतंत्रता के 70 साल में किन्नर को पहचान नहीं मिला था। मुझे कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा, अखाड़ा बना और अब समाज अपना चुका है। हम सनातन धर्म को जाग रहे हैं, हम लोग भेदभाव होने के बाद भी सनातन धर्म को लेकर लगातार आगे बढ़ते रहे। उन्होंने कहा कि जो कोई सनातन धर्म को मिटाना चाहेगा, सनातन धर्म के साथ खिलव-ाड़ करेगा, उसका इतिहास और राज-पाट समाप्त हो जाएगा, उसका सर्वनाश हो जाएगा। आज मिथिला की जिस भूमि पर बैठे हैं, वह जगत जननी माता सीता की जन्म भूमि है। सनातन धर्म को आगे बढ़ाने के लिए संत समाज और कुंभ सेवा समिति बेहतर कार्य कर रही है। यहां व्यवस्था बनाने के लिए बिहार की सरकार को नींद से जागना होगा, व्यवस्था करनी होगी।

दिल्ली पुलिस ने नवादा पहुंचकर साइबर अपराधी को किया गिरफ्तार

नवादा, (हि .स.)। बिहार का नवादा जिला साइबर अपराधियों का गढ़ बनता जा रहा है.बिहार के साथ ही अलग अलग राज्यों की पुलिस भी नवादा आकर कार्रवाई कर रही है.इस कड़ी में शुक्रवार को दिल्ली पुलिस नवादा पहुंची और वरिसलीगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में स्थानीय पुलिस के सहयोग से साइबर मामले में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है. दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा साइबर ठग वरिसलीगंज थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव के निवासी सुधीर प्रसाद के पुत्र सुजीत कुमार उर्फ मोनू शामिल है.दिल्ली स्पेशल सेल कांड संख्या 273/23 के तहत गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध साइबर से संबंधित मामला दर्ज था. इस मामले को लेकर दिल्ली की पुलिस ने बताया कि वहां की पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और मोबाइल सर्विलांस की मदद से साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है.वहीं वरिसलीगंज थानाध्यक्ष आशीष कुमार मिश्रा ने बताया दिल्ली पुलिस स्थानीय पुलिस की सहयोग से थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में छापेमारी कर आरोपी सुजीत को गिरफ्तार किया गया है. गौरतलब हो कि वरिसलीगंज थाना क्षेत्र में साइबर अपराध का बड़ा नेटवर्क वर्षो से देश के विभिन्न प्रांतों के लोगों से जालस-ाजी का कार्य कर रहा है। इसको लेकर आए दिन दूसरे प्रदेशों की पुलिस भी समय समय पर इस मामले से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी करते रहती है फिलहाल दिल्ली पुलिस साईबर ठग को अपने साथ दिल्ली ले गई।

परदेस जाने वालों के लिए 25 नवम्बर को भी खुलेगी कई स्पेशल ट्रेनें

बेगूसराय, (हि.स.)। छठ पूजा के बाद परदेस जाने वाले यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा बरौनी, पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा एवं सहरसा से दिल्ली के लिए कई जोड़ी अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसके अलावा अहमदाबाद, यशवंतपुर, कोयम्बटूर एवं मुंबई आदि के लिए भी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है।

पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि 25 नवम्बर को 02563 बरौनी-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन बरौनी से 07.40 बजे, 02247 पटना-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन पटना से 19.10 बजे, 01677 गया-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन गया से 07.35 बजे, 03227 आरा-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन आरा से 15.45 बजे, 02351 पटना-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन पटना से 16.00 बजे एवं 02391 पटना-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन पटना से 22.20 बजे प्रस्थान करेगी।

04001 पटना-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन पटना से 19.15 बजे, 02365 राजगीर-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन राजगीर से 20.00 बजे, 02245 पटना-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन पटना से 19.00 बजे, 04059 जयनगर-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन जयनगर से 17.00 बजे, 05273 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से 18.00 बजे एवं 04021 सहरसा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन सहरसा से 19.15 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार 02569 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन दरभंगा से 06.30 बजे, 04011 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन दरभंगा से 08.15 बजे, 04489 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन दरभंगा से 18.00 बजे, 04027 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल ट्रेन बापूधाम मोतिहारी से 02.30 बजे एवं 04017 बापूधाम मोतिहारी-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन बापूधाम मोतिहारी से 15.00 बजे प्रस्थान करेगी।

जबकि, 05215 बरौनी-यशवंतपुर स्पेशल ट्रेन बरौनी से 13.20 बजे, 03357 बरौनी-कोयम्बटुर स्पेशल ट्रेन बरौनी से 23.45 बजे, 01410 दानापुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल स्पेशल ट्रेन दानापुर से 18.15 बजे, 0946 पटना-उधना स्पेशल ट्रेन पटना से 13.05 बजे, 05537 दरभंगा-दौराई (अजमेर) स्पेशल ट्रेन दरभंगा से 13.15 बजे, 09414 समस्तीपुर-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन समस्तीपुर से 08.15 बजे तथा 05289 मुजफ्फरपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से 21.00 बजे प्रस्थान करेगी।

संपादकीय

प्रधानमंत्री मोदी का अपमान करके क्या हासिल होगा

देश के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुरा-भला बोलने का क्रम कांग्रेसी नेता टूटने नहीं देते हैं। इस बार राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए सोशल मीडिया के ट्रोलर वाली बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। राजस्थान के चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को 'पनौती' कहा और अवैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देते हुए कहा कि 'अच्छा भला वहां हमारे लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन वहां पन्नौती ने हरवा दिया'। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उनकी नफरत को तो दिखाता ही है लेकिन यह भी साबित करता है कि वे एक अपरिपक्व व्यक्ति हैं। 'पनौती' जैसी धारणा को स्वीकार्यता देकर उन्होंने देश में अंधविश्वास को बढ़ाने का भी काम किया है। इसके साथ ही उन खिलाड़ियों की प्रतिभा, योग्यता और परिश्रम का भी मजाक बनाया है, जो विश्व कप प्रतियोगिता में लगातार जीत रहे थे। उनके इस बयान से यह भी स्पष्ट होता है कि उन्हें न तो राजनीति की समझ है और न ही क्रिकेट की। स्मरण रखें कि प्रधानमंत्री मोदी जब मैच देखने पहुँचे थे, तब हमारी टीम लगभग हार की कगार पर थी। कोई और प्रधानमंत्री या नेता होता, तो हार को सामने देखकर स्टेडियम में जाता ही नहीं। जैसे राहुल गांधी उन राज्यों एवं संसदीय सीटों पर प्रचार के लिए नहीं जाते, जहाँ कांग्रेस की पराजय स्पष्ट तौर पर दिखायी देती है। प्रधानमंत्री मोदी न केवल मैच देखने पहुँचे बल्कि पराजय के बाद एक अभिभावक की भाँति अपने खिलाड़ियों का हाथ थामने और उनके कंधे पर हाथ रखकर उनको हौसला देने भी पहुँचे। संभव है कि भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम से प्रधानमंत्री मोदी की जो तस्वीरें सामने आईं, उन्हें देखकर कांग्रेस के नेता अपना संयम खो बैठे हों। क्योंकि राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, उनके दूसरे नेता भी सोशल मीडिया एवं सार्वजनिक भाषणों में वही कह रहे हैं। यानी एक तरह से प्रधानमंत्री मोदी के प्रति यह नफरत कांग्रेस की नीति का हिस्सा दिखायी देती है। देश की जनता को यह भी समझने में कठिनाई हो रही है कि आखिर राहुल गांधी ने कौन-सी 'मुहब्बत की दुकान' खोली है? क्या यहाँ भी कांग्रेस ने घोटाला कर दिया है? 'मुहब्बत की दुकान' का बोर्ड लगाकर 'नफरत, घृणा और द्वेष' की थोक भाव में बिक्री की जा रही है। राहुल गांधी के बयान से मणिशंकर अय्यर की याद ताजा हो गईं। क्योंकि यह बयान भी मणिशंकर के बयान से कमतर नहीं है। जिस प्रकार मणिशंकर अय्यर के बयान ने कांग्रेस को भट्टा बैठाया था, संभव है कि राजस्थान में राहुल गांधी का यह बयान कांग्रेस को बहुत पीछे धकेल थे। विधानसभा चुनाव में जहाँ कांग्रेस अब तक मुकाबले में दिख रही थी, वहीं अब वह जनता के आक्रोश का शिकार भी हो सकती है। याद रखें कि जब भी कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री मोदी का अपमान करने का प्रयास हुआ है, उसका उत्तर जनता ने अपने मताधिकार से दिया है। 2019 का लोकसभा चुनाव भी इसका उदाहरण है। प्रधानमंत्री को 'चौकीदार चोर है' कहकर, राहुल गांधी ने कांग्रेस का भारी नुकसान कराया था। गुजरात में सोनिया गांधी ने 'मौत का सौदागर' कहकर, कांग्रेस के पतन की पटकथा लिख दी थी। बहरहाल, यदि राहुल गांधी जय-पराजय का कारण 'पनौती' जैसी अवैज्ञानिक एवं अंधविश्वासी सोच को मानते हैं, तब उन्हें यह भी बताना चाहिए कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय राजनीतिक दल कांग्रेस के पतन की 'पनौती' कौन है? किसके कारण कांग्रेस अर्श से फर्श पर आ गिरी है। बहरहाल, सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को अपनी जिम्मेदारी का अहसास करना चाहिए। आरोप-प्रत्यारोप और एक-दूसरे की आलोचना में भाषा की मर्यादा को बनाए रखने की आवश्यकता है। यदि नेता ही स्तरहीन भाषा का उपयोग करेंगे, तब उनके आम कार्यकर्ता किस स्तर पर जाकर बयानबाजी करेंगे, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। हमारे देश का संविधान कहता है कि हमें समाज में वैज्ञानक चेतना का प्रसार करना चाहिए। यदि नेता ही अवैज्ञानिक सोच और अंधविश्वास को स्थापित करेंगे, तब वे किस तरह संविधान की रक्षा कर पाएंगे। यह तो एक तरह से संविधान की अवमानना, संविधान के विचार को कमजोर करना और संविधान को दरकिनार करना है।

> राजस्थान के चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को 'पनौती' कहा और अवैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देते हुए कहा कि 'अच्छा भला वहां हमारे लड़के वर्ल्ड कप जीत जाते, लेकिन वहां पन्नौती ने हरवा दिया'। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उनकी नफरत को तो दिखाता ही है लेकिन यह भी साबित करता है कि वे एक अपरिपक्व व्यक्ति हैं। 'पनौती' जैसी धारणा को स्वीकार्यता देकर उन्होंने देश में अंधविश्वास को बढ़ाने का भी काम किया है। इसके साथ ही उन खिलाड़ियों की प्रतिभा, योग्यता और परिश्रम का भी मजाक बनाया है, जो विश्व कप प्रतियोगिता में लगातार जीत रहे थे। उनके इस बयान से यह भी स्पष्ट होता है कि उन्हें न तो राजनीति की समझ है और न ही क्रिकेट की। स्मरण रखें कि प्रधानमंत्री मोदी जब मैच देखने पहुँचे थे, तब हमारी टीम लगभग हार की कगार पर थी। कोई और प्रधानमंत्री या नेता होता, तो हार को सामने देखकर स्टेडियम में जाता ही नहीं। जैसे राहुल गांधी उन राज्यों एवं संसदीय सीटों पर प्रचार के लिए नहीं जाते, जहाँ कांग्रेस की पराजय स्पष्ट तौर पर दिखायी देती है।

कुछ अलग

सुरंग संकेत देती है

बारह नवंबर को जब लोग दीपावली के त्योहार की खुशी मना रहे थे। तब सुबह साढ़े पांच बजे यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिल्क्यारा से बड़कोट की तरफ चारधाम ऑल वेदर रोड हेतु निर्माणाधीन 4.5 किलोमीटर सुरंग में भारी भू-धंसाव के कारण 40 से ज्यादा मजदूर जिंदगी और मौत के बीच फंस गए, जो अब तक निकाले नहीं जा सके हैं। दुखद है कि मजदूरों को दिवाली वाले दिन भी इतने जोखिम भरे काम पर लगाया गया। सुरंग के मुहाने से 230 मीटर आगे 60 मीटर की लंबाई में मलबा भरने के कारण अंदर फंसे मजदूर किस स्थिति में जी रहे होंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। यह घटना सवाल पैदा करती है कि विकास कार्यों व हिमालय की संवेदनशीलता के बीच संतुलन कैसे स्थापित हो। वैज्ञानिक युग की मशीनों की ताकत पहाड़ की संवेदनशीलता के सामने बौनी पड़ रही है, क्योंकि ड्रिलिंग कार्य में बड़े पत्थर बाधा बन रहे हैं। वहीं अंदर मलबे में दबी मशीनें भी अवरोध बन रही हैं। निर्माण कार्यों में मजदूरों के अधिकार और उनकी जीवन रक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और इसके लिए उपाय किए जाने चाहिए। एक समस्या यह है कि जोखिमपूर्ण स्थितियों में मीडिया और अन्य के दबाव में प्रभावितों की सूची तो बाहर आती है, लेकिन मजदूरों को काम पर लगाने से पहले उनके बारे में जो जानकारी, जैसे श्रम विभाग में पंजीकरण आदि, निर्माणकर्ताओं के पास होनी चाहिए थी, वह उपलब्ध नहीं हो पाती है। यदि सुरंग का निर्माण विस्फोटों से होता है, तो वह मजदूरों के लिए इसी तरह जानलेवा साबित हो सकती है। विस्फोटों का इतना दुष्प्रभाव है कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन (126 किलोमीटर) के लिए खोदी जा रही सुरंग के ऊपर लगभग 30 गांव के घरों में दरारें आ चुकी हैं। जल स्रोतों पर प्रभाव पड़ रहा और जमीन की नमी भी सूख रही है। इस सुरंग में पहले भी भूस्खलन की सूचनाएं आती रही हैं। यदि यहां ह्यूम पाइप भी लगे होते, तो फंसे हुए मजदूरों को तत्काल बाहर निकाला जा सकता था। सिल्क्यारा सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटना कोई नई नहीं है। इससे पहले भी 2021 में बद्रीनाथ के पास ऋषि गंगा में आई भीषण बाढ़ के कारण तपोवन सुरंग के अंदर जमा हुए भारी मलबे में 206 मजदूरों की जान चली गई थी। 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में मनेरी भाली सुरंग के ऊपर बसे हुए जामक गांव में दर्जनों लोग मारे गए थे। वर्ष 2005 में जोशियाडा-धरासू सुरंग में भी 20 श्रमिक करीब 14 घंटे तक फंसे रहे। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी सुरंग परियोजनाओं के मलबे के कारण ही भीषण तबाही हुई थी। इस वर्ष जोशीमठ में हुए भू-धंसाव का कारण भी स्थानीय लोग इसके नीचे सुरंग निर्माण को ही मानते हैं। उत्तराखंड में सुरंग आधारित परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के तेज प्रयास हो रहे हैं। पिछले दिनों देहरादून में दुनिया भर के सुरंग विशेषज्ञों ने इस विषय पर चर्चा की है। अब रानीपोखरी से टिहरी झील तक 32 किलोमीटर सुरंग निर्माण की तैयारी चल रही है। मसूरी के नाग मंदिर रोड से छतरी बैंड कैंप्टी रोड तक सुरंग के लिए सर्वे हुआ था। लेकिन सुरक्षा कारणों से ही इसे रोकने की बात कही जा रही है। घुत्तू से गुप्त काशी तक 11 किलोमीटर की सुरंग है।

इजरायल को दोषी ठहराया जा रहा है तो दूसरी तरफ हमास की आतंकवादी गतिविधियों को दोषी ठहराया जा रहा

इजरायल-हमास टकराव में युद्ध का मैदान बनता अस्पताल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

> आज गाजा पट्टी का अल-शिफा हॉस्पिटल रणक्षेत्र बन गया है। इसके लिए अकेले इजरायल को दोष देना किसी भी दृष्टि से सही नहीं है, वहीं हॉस्पिटल को युद्ध का मैदान बनाना भी किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता। जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं उसने हालात ही ऐसे बना दिए हैं। इजरायल दावा कर रहा है कि अस्पताल परिसर में आतंकवादी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे के संकेत मिले हैं। इजरायल का दावा है कि अस्पताल के नीचे हमास का मुख्यालय और कमांड सेंटर है और यहां से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन हो रहा है।

मानव इतिहास में शायद यह पहला उदाहरण होगा जब हॉस्पिटल युद्ध का मैदान बना हो। इजरायल-हमास युद्ध में यही हो रहा है। आज गाजा पट्टी का अल-शिफा हॉस्पिटल रणक्षेत्र बन गया है। इसके लिए अकेले इजरायल को दोष देना किसी भी दृष्टि से सही नहीं है, वहीं हॉस्पिटल को युद्ध का मैदान बनाना भी किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता। जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं उसने हालात ही ऐसे बना दिए हैं। इजरायल दावा कर रहा है कि अस्पताल परिसर में आतंकवादी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे के संकेत मिले हैं। इजरायल का दावा है कि अस्पताल के नीचे हमास का मुख्यालय और कमांड सेंटर है और यहां से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन हो रहा है। वहां से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी मिला है। दूसरी ओर निर्दोष नागरिक जान गंवा रहे हैं। इजरायल के सामने दोहरा संकट है। एक और तो निर्दोष नागरिकों को बचाना है तो दूसरी ओर आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करना भी है। दुनिया के देश दो खेमों में बट चुके हैं। एक तरफ हॉस्पिटल क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई के लिए इजरायल को दोषी ठहराया जा रहा है तो दूसरी तरफ हमास की आतंकवादी गतिविधियों को दोषी ठहराया जा रहा है। दरअसल 7 अक्टूबर को हमास ने जिस तरह से इजरायल पर मात्र 20 मिनट में पांच हजार से ज्यादा राकेट दाग कर इजरायल सहित सारी दुनिया को सकते में ला दिया था। जिस तरह से हमास का हमला हुआ उससे इजरायल ही नहीं अपितु सारी दुनिया सकते में आ गई। इसका कारण भी है। इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था, सूचना तंत्र, प्रतिरक्षा, और सैन्य व्यवस्था की सारी दुनिया लोहा मानती रही है। हमास द्वारा अचानक एक साथ पांच हजार राकेट दागना और उसके बाद लगातार एक दूसरे में युद्ध जारी रहना इजरायल के सामने बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हालात है। इजरायल सीधे-सीधे इसे अपनी तौहीन समझ रहा है तो उसकी प्रतिष्ठा पर दुनिया के देशों के सामने आंच आई है। जानकारों की मानें तो हमास के इस हमले में ईरान का हाथ है। ईरान नहीं चाहता कि इजरायल और सउदी अरब के बीच आपसी सुलह हो जबकि अमेरिका दोनों देशों के बीच सुलह या यों कहें कि सहमति करवाना चाहता है। एक तरह से ईरान अमेरिकी प्रयासों को विफल करने में जुटा है।

दरअसल हमास फिलिस्तीनी राजनीतिक व सैन्य संगठन है। यह भी कहा जा सकता है कि यह फिलिस्तीन का चरमपंथी सैन्य संगठन है। 1987 के बाद यह संगठन अस्तित्व में आया है और यह अपने आप में एक शक्तिशाली चरमपंथी संगठन के रूप में विकसित हो चुका है। गाजा पट्टी जानकारों की मानें तो इस क्षेत्र में हमास ने सुरंगों का जाल बिछा रखा है। कौन-सा मेन होल या दरवाजा किस सुरंग का रास्ता है यह पता करना आसान नहीं है। वहीं सुरंगों का यह जाल पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। अनजाने में यहां प्रवेश करना घातक इस मायने में है कि कब कहां विस्फोट हो जाए अंदाज भी नहीं लगाया जा सकता। जानकारों की मानें तो गाजापट्टी क्षेत्र में चारों तरफ सुरंगों का नेटवर्क फैला हुआ है और यहां से चरमपंथी गतिविधियों के साथ ही रणनीति तैयार करने से लेकर उसे अंजाम देने का नेटवर्क संचालित हो रहा है। माना जा रहा था कि इजरायल के आगे हमास अधिक दिनों तक संघर्ष नहीं कर पायेगा पर इसके उलट लगभग 40 दिन से अधिक होने के बाद भी जंग कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। हमास की ताकत को भी कमतर आंकने की गलती इस मायने में नहीं की जा सकती कि 40 दिनों से संघर्ष करते हुए अभी पीछे हटने को तैयार नहीं है तो दूसरी और इजरायल ने भी अब हमास को पूरी तरह तहस नहस करने का मन बना लिया है। एक के बाद एक ताबड़तोड़ कार्यवाही हो रही है। 40 दिनों में दोनों तरफ से 13 हजार से अधिक लोगों के मरने के समाचार है। इनमें निर्दोष और बच्चों तक के मरने के समाचार है।

हास्पिटल का युद्ध क्षेत्र में तब्दील होना अपने आप में गंभीर है। इसे किसी भी हालात में सही नहीं ठहराया जा सकता। 1949 के जनेवा कन्वेंशन के अनुसार शिक्षा संस्थान यानी की स्कूल, हॉस्पिटल और धार्मिक स्थानों को युद्ध के लिहाज से सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया हैं। दुनिया के देष इसी का हवाला देते हुए इजरायल की आलोचना कर रहे हैं तो इजरायल का कहना है कि हमास हास्पिटल को सुरक्षा ढाल बनाकर आतंकवादी गतिविधियों को संचालित कर रहा है। इजरायल का यह भी दावा है कि इजरायल द्वारा 12 घंटे का नोटिस देकर इस क्षेत्र को आतंकवादी गतिविधि मुक्त करने को कहे जाने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। इजरायल का यह भी कहना है कि हमास द्वारा आतंकवादी गतिविधियों के संचालन के लिए अस्पताल क्षेत्र का उपयोग इंटरनेशनल लॉ का खुले आम उल्लंघन है। उसका यह भी दावा है कि अस्पताल में आवश्यक उपकरण, दवाएं आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि अस्पताल की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सके। सवाल यह नहीं है कि कौन गलत है या कौन सही? सवाल सीधा यह है कि किसी भी देश या संगठन को नैतिकता के सामान्य सिद्धांतों और इंटरनेशनल मानकों की अवहेलना की अनुमति दी जा सकती। दुनिया के देशों के सामने एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आपसी संघर्ष अब कुछ घंटों या दिनों में समाप्त होने वाला नहीं रह गया है। शक्तिशाली रूस और यूक्रेन का युद्ध इसका उदाहरण है तो हमास-इजरायल संघर्ष भी इसी दिशा में बढ़ता हुआ है। एक समय था जब यह माना जाने लगा था कि भविष्य के युद्ध चंद घंटों के होंगे वह मिथक पूरी तरह से टूट गया है। इंटरनेशनल हालात से एक बात और साफ हो गई है कि यूएनओ अपना वर्चस्व व पहचान खोता जा रहा है। यूएनओ की दशा और दिशा दोनों पर ही मंथन की आवश्यकता है। जब अस्पताल जैसे क्षेत्र आतंकवादी गतिविधियों और सैन्य प्रतिक्रिया के केन्द्र बनते जा रहे हैं तो इंटरनेशनल लॉ और सहमति व उसकी बात बेमानी होगा। कौन दोषी है या कौन निर्दोष, इससे इतर दुनिया के देशों, बुद्धिजीवियों, शांतिवादी शक्तियों व गैरसरकारी संगठनों को आगे आकर इस पर गंभीर चिंतन मनन करना होगा।

न्यायपालिकाः कार्यपालिका से बेवजह टकराव के निहितार्थ, पारदर्शी व्यवस्था से ही कायम होगा जनता का भरोसा

> संविधान निर्माताओं ने समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार, संसद और सुप्रीम कोर्ट के बीच कार्यक्षेत्र और अधिकारों का बंटवारा किया था। 1973 में केशवानंद भारती मामले में शीर्ष अदालत ने सरकार और संसद के साथ अदालतों की लक्ष्मण रेखा का निर्धारण करने वाले संविधान के मूल ढांचे के सिद्धांत का ऐतिहासिक फैसला दिया था। प्रधान न्यायाधीश चन्द्रचूड़ ने उस फैसले को संविधान और गणतंत्र का ध्रुवतारा बताया है। लेकिन शक्तियों के विभाजन के लिए स्पष्ट और लिखित नियमावली न होने से कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच टकराव हो रहे हैं। मतभिन्नता एक जीवंत लोकतंत्र की निशानी है, लेकिन टकरावों की बढ़ती संख्या सभी के लिए चिंता की बात है। इसके चार जरूरी पहलुओं की पड़ताल से न्यायिक व्यवस्था को पुष्ट और दुरुस्त किया जा सकता है। पहला, केशवानंद भारती के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से नाखुश सरकार ने वरिष्ठता को दरकिनार कर पसंदीदा जजों को नियुक्त करने की गलत परंपरा शुरू की थी।

सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि देश की सभी समस्याओं के समाधान की न्यायपालिका से उम्मीद करना गलत है। शायद इसलिए संविधान निर्माताओं ने समस्याओं और चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार, संसद और सुप्रीम कोर्ट के बीच कार्यक्षेत्र और अधिकारों का बंटवारा किया था। 1973 में केशवानंद भारती मामले में शीर्ष अदालत ने सरकार और संसद के साथ अदालतों की लक्ष्मण रेखा का निर्धारण करने वाले संविधान के मूल ढांचे के सिद्धांत का ऐतिहासिक फैसला दिया था। प्रधान न्यायाधीश चन्द्रचूड़ ने उस फैसले को संविधान और गणतंत्र का ध्रुवतारा बताया है। लेकिन शक्तियों के विभाजन के लिए स्पष्ट और लिखित नियमावली न होने से कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच टकराव हो रहे हैं। मतभिन्नता एक जीवंत लोकतंत्र की निशानी है, लेकिन टकरावों की बढ़ती संख्या सभी के लिए चिंता की बात है। इसके चार जरूरी पहलुओं की पड़ताल से न्यायिक व्यवस्था को पुष्ट और दुरुस्त किया जा सकता है। पहला, केशवानंद भारती के बाद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले से नाखुश सरकार ने वरिष्ठता को दरकिनार कर पसंदीदा जजों को नियुक्त करने की गलत परंपरा शुरू की थी। न्यायपालिका को राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाने के लिए जजों ने कॉलेजियम प्रणाली की शुरुआत की। न्यायिक फैसलों से न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए बनाए गए कॉलेजियम की भूमिका पर सरकार और न्यायपालिका के बीच सर्वाधिक टकराव हो रहे हैं। न्यायाधीशों द्वारा न्यायाधीशों की मनमाफिक नियुक्ति के मर्ज को खत्म करने के लिए संसद ने सर्वसम्मति से एनजेएसी आयोग की नियुक्ति का कानून बनाया। कॉलेजियम प्रणाली को सड़ांधपूर्ण बताने के बावजूद शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने एनजेएसी कानून को निरस्त करने का फैसला दे दिया। लेकिन उस फैसले के आठ साल बाद भी न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए मेमोरेंडम ऑफ प्रोसिजर यानी एमओपी पर सरकार और न्यायाधीशों में सहमति नहीं बन पा रही है। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के स्थानांतरण और सर्वोच्च न्यायालय में उनकी पदोन्नति के बारे में ठोस नियम न बनने से वरिष्ठता का उल्लंघन हो रहा है। सर्वोच्च अदालत में न्यायाधीशों के सभी पद भरे हैं, लेकिन उच्च न्यायालयों में रिक्त पदों में नियुक्ति पर टकराव जारी है। रिक्त पदों पर भर्ती में विलंब से योग्य न्यायाधीशों में असंतोष बढ़ने के साथ आम जनता को न्याय मिलने में देरी होती है। न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति के नियमों को एमओपी के माध्यम से लिखित तौर पर नोटिफाई करने की जरूरत है। पारदर्शी व्यवस्था में निष्पक्ष और योग्य न्यायाधीशों की नियुक्ति से न्यायपालिका के प्रति जनता का भरोसा बढ़ने के साथ सरकार से जजों का टकराव भी कम होगा। दूसरा, पीआईएल, सरकार और न्यायाधीशों के बीच टकराव का सबसे बड़ा माध्यम है। अनुच्छेद-226 के तहत उच्च न्यायालय और अनुच्छेद-32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को जनता के मूल अधिकारों की रक्षा के लिए आदेश देने के साथ गलत कानूनों को रद्द करने का अधिकार है। 1979 के आसपास जेलों में बंद कैदियों की रिहाई के लिए जनहित याचिका की बड़ी शुरुआत हुई। पिछले कई सालों से हर मर्ज की दवा बन चुके पीआईएल से बढ़ रही न्यायिक सक्रियता के खिलाफ सभी दलों के नेताओं और सरकारों ने चिंता जाहिर की है। सेम सेक्स मैरिज, समान नागरिक संहिता, वैवाहिक दुष्कर्म जैसे अनेक मामलों में कानून बनाने का अधिकार संसद के पास होने के बावजूद अदालतों में लंबी-चौड़ी सुनवाई का चलन बढ़ गया है। कई न्यायाधीशों ने भी पीआईएल के दुरुपयोग और सियासी इस्तेमाल पर गुस्सा जाहिर किया है। पीआईएल के दुरुपयोग को रोकने के लिए बनाए गए लिखित नियमों का उच्च न्यायालय और सर्वोच्च अदालत में ही पालन न होने से न्यायिक अराजकता भी बढ़ रही है। लेकिन यह भी हकीकत है कि पीआईएल की संख्या में बढ़ोतरी से सरकार और संसद की संस्थागत विफलता उजागर हो रही है। तीसरा, अनेक सियासी मामलों में राज्यों में पुलिस व केंद्र की सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां गैर-जरूरी गिरफ्तारियों से लोगों की स्वतंत्रता का हनन करती हैं। सभी मामलों में अभिव्यक्ति की आजादी और जीवन के बहुमूल्य अधिकार की रक्षा करना अदालतों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। लेकिन इन मामलों को संभालने में दो तरह के विरोधाभास की वजह से न्यायाधीशों की आलोचना होती है। एक, गिरफ्तारी और जमानत से जुड़े मामलों में जिला अदालतों में ही शुरुआती सुनवाई और फैसला होना चाहिए। दो, आम जनता को सालोंसाल न्याय नहीं मिलता, लेकिन वीआईपी लोगों के मामलों में शीर्ष अदालत में झटपट सुनवाई हो जाती है। विधिक पिरामिड को दरकिनार कर बड़े मामलों की सर्वोच्च न्यायालय में सीधी सुनवाई होने से समानता का कानून ध्वस्त हो रहा है। चार वरिष्ठ जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भी शीर्ष अदालत की कार्य प्रणाली, मामलों की सुनवाई और लिस्टिंग के लिए ठोस सुधार नहीं हो सके हैं। चौथा, शक्तियों के विभाजन के बावजूद राज्यों के मुख्यमंत्री, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सालाना कॉन्फ्रेंस का रिवाज है। 2016 की कॉन्फ्रेंस के समय अदालतों में 2.61 करोड़ मामले लंबित थे, जो अब बढ़कर पांच करोड़ से ज्यादा हो गए हैं। मुकदमों के बढ़ते बोझ और जेलों में बढ़ती भीड़ पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और न्यायाधीशों ने कई बार चिंता व्यक्त की है। गरीब-अमीर सभी लोग कानून के सामने बराबर हैं।

दृष्टिकोण

खंडहर, मलबे और अंधेरे में गाजा, पहचानना भी हुआ मुश्किल

अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के एक समूह में जब इस्राइली सेना की जीप पर हम बीते शुक्रवार की सुबह गाजा शहर के दक्षिणी किनारे पर पहुंचे, तो हमें खंडहरों, मलबों और अंधेरे के बीच रास्ता तलाशने के लिए संघर्ष करना पड़ा। इस्राइल से निकले हमें एक घंटे से भी कम समय हुआ था, जब हमारी जीप 42 दिनों के हवाई हमलों और करीब तीन हफ्ते की जमीनी लड़ाई से बर्बाद हो चुके इलाके से गुजर रही थी, और हमारे लिए यह पता करना मुश्किल था कि हम कहां हैं। घरों की दीवारें या छतें या दोनों गायब थीं। कई घर ताश के पत्तों की तरह एक-दूसरे पर पड़े थे। पिछले तीन वर्षों में करीब एक दर्जन बार मैंने इस इलाके की यात्रा की है। पर अब इसे मुश्किल से ही पहचाना जा सकता है। मुझे एहसास हुआ कि अपार्टमेंटों के ब्लॉक गोलीबारी या हमलों से बर्बाद हो गए थे। पूरे इलाके में फैले इस्राइली टैंकों और बख्तरबंद वाहनों की आवाजाही के कारण सड़कें रेतीली और उबड़-खाबड़ हो गई हैं। यदि कुछ स्थिर है, तो वह है समुद्र। फलस्तीनियों और कई अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के अनुसार, आवासीय व वाणिज्यिक इलाकों में ऐसी व्यापक क्षति का कारण गाजा पर इस्राइल के अंधाधुंध हमले हैं, जिनमें गाजा के अधिकारियों के अनुसार, लगभग 12,000 लोग मारे गए और 40,000 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। हमारे साथ चल रहे कमांडरों ने इसे सशस्त्र फलस्तीनी समूह हमास के खिलाफ, जो आम लोगों के घरों में छिप गए थे, शहरी लड़ाई लड़ने की अपरिहार्य लागत कहा। अब इस इलाके पर नियंत्रण करने वाले ब्रिगेड के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल टॉम पेरेट्स ने कहा, 'हमारे ऊपर हर तरफ से गोलियां चलाई गईं। हमें उसका जवाब देना था।' वह कहते हैं कि विगत सात अक्तूबर को हमास द्वारा हमला किए जाने (जिसमें इस्राइली अधिकारियों के अनुसार, 1,200 लोग मारे गए और 240 लोगों को बंधक बना लिया गया) के बाद इस्राइल के पास इस इलाके पर फिर से हमला करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। हमारी यात्रा एक इस्राइली गांव बेरी से शुरू हुई थी, जिसे हमास के बर्बर हमले का सामना करना पड़ा था और जहां के लोग तब से पूरे देश में विस्थापित हो गए हैं। हमास के लड़ाकों द्वारा चलाई गई गोलियों के निशान अब भी घरों में देखे जा सकते हैं। सेना की गाड़ी से यात्रा करने से पहले हमें गाड़ी की या किसी सैनिक की फोटो न लेने और गाजा पहुंचने पर अपना फोन बंद रखने की शर्तें माननी पड़ीं, ताकि हम युद्ध के समय गाजा के अंदर के जीवन की झलक पा सकें। अन्यथा इस क्षेत्र में रिपोर्टिंग करना बेहद मुश्किल है। हमारा काफिला उसी बाड़ के टूटे हिस्से से होकर गाजा में दाखिल हुआ, जिसे हमास के लड़ाकों ने इस्राइल में दाखिल होने के लिए तोड़ दिया था। गाजा में प्रवेश करने का मतलब अंधेरे में प्रवेश करना था। इस क्षेत्र के ज्यादातर हिस्सों में ईंधन की कमी हो गई है। इस्राइल द्वारा बिजली बंद करने और ईंधन आयात को बाधित करने के बाद मजबूरन गाजा के बिजली संयंत्र को बंद करना पड़ा। सभी गांवों में जो घर सुरक्षित बचे थे, वे अंधेरे में डूबे हुए थे। ड्राइवरों ने इस्राइली सैनिकों पर ग्रेनेड एवं एंटी-टैंक मिसाइलों से हमला करने वाले लड़ाकों द्वारा देख लिए जाने के भय से अपनी गाड़ियों की हेडलाइट्स बंद कर दी। बस केवल आसमान में टिमटिमाते तारों की रोशनी बची थी।

देश दुनीया से

पहले के फैसलों पर अमल जरूरी, देरी से उठते हैं औचित्य पर सवाल

जलवायु परिवर्तन पर शीर्ष स्तरीय चिंतन हेतु गत वर्ष मिस्र के शर्म-अल-शेख में कॉप-27 के बाद पांच महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके केंद्र में मूल ध्येय क्रियान्वयन पर रहा। अब आगामी 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक एक बार फिर दुनिया का शीर्ष नेतृत्व जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण और बढ़ते वैश्विक तापमान से मानवता को हो रहे नुकसान और उससे निपटने की तैयारियों पर विचार के लिए दुबई में एकत्रित होगा। कॉप-28 में नई चिंताओं, नए प्रस्तावों एवं नए निर्णयों के बीच बीते वर्ष के निर्णयों और उनके अमल की स्थिति पर गौर करना आवश्यक है। पिछले सम्मेलन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण एक विशेष प्रस्ताव के जरिये जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान एवं विनाश हेतु कोष (लॉस ऐंड डेमेज फंड) के गठन का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण को हो रहे नुकसान की क्षतिपूर्ति के साथ भविष्य के विनाश को रोकने हेतु पर्याप्त संसाधन मुहैया कराना था। इसके अलावा, तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने पर विशेष जोर देते हुए यह संकल्पना की गई थी कि वर्ष 2025 में अधिकतम स्तर को देखते हुए तापमान में वृद्धि की दर वर्ष 2030 तक लगभग 43 प्रतिशत तक कम करने के लिए समग्र उपाय किए जाएंगे, ताकि जैविक नुकसान को यथासंभव रोका जा सके। पिछले सम्मेलन में व्यापार एवं संस्थाओं की जवाबदेही तय करने पर भी जोर दिया गया था। सम्मेलन में व्यापार एवं संस्थागत परिप्रेक्ष्य में कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण हेतु व्यापक रूपरेखा तैयार कर पर्यावरण लक्षित रिपोर्टिंग को भी समान रूप से अहम माना गया। पिछले सम्मेलन में यह माना गया कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने एवं पर्यावरण अनुकूल विकास को बढ़ावा देने के लिए विकासशील देशों के पास पर्याप्त संसाधन न होने से उनमें कमी की जगह वृद्धि हो रही है। इसलिए 1.50 डिग्री सेल्सियस का लक्ष्य हासिल करने के लिए विकसित देशों की जिम्मेदारी बनती है कि वे वित्तीय मदद देकर विकासशील देशों में प्रदूषण से हो रहे जैविक नुकसान को रोकने में मददगार बनें। उल्लेखनीय है कि ग्रीन क्लाइमेट फंड स्थापित करने में वर्षों लग गए और उसकी उपलब्धता एवं सुलभता के प्रति भी विकासशील देशों ने अनेक आपत्ति दर्ज कराई थी। आशंका यही बन रही है कि कहीं इसका भी हश्र वैसा ही न हो जाए, क्योंकि इसकी स्थापना पहले चार वर्षों के लिए विश्व बैंक के तहत किए जाने का प्रस्ताव है, जिसका मूल कार्य ऋण प्रदान करना है। जबकि इस कोष का प्रारंभिक उद्देश्य अनुदान एवं सहायता प्रदान करना है। ऐसे में उक्त कोष की स्थापना से पहले ही स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न चिह्न लग गए हैं। इसके अलावा, इसमें न तो गैर सरकारी संगठनों और न ही प्रभावित समाजों यथा औद्योगिक संगठनों, अंतरराष्ट्रीय समूहों आदि को कोई स्थान दिया गया है। साथ ही, यह भी आशंका जताई जा रही है कि उक्त कोष का लाभ मात्र उन गरीब देशों तक सीमित होगा, जिन्हें जलवायु परिवर्तन के कारण अपरिवर्तनीय एवं अपरिहार्य विनाश झेलना पड़ा है। इसलिए मांग उठ रही है कि जलवायु संबंधी इस कोष हेतु विश्व बैंक के नियम-कायदों से परे अलग नियम निर्धारित हों, अलग कार्यकारी निदेशक की नियुक्ति हो तथा सभी विकासशील देश इसका लाभ उठा सकें। अनेक देश ऐसे भी हैं, जो विश्व बैंक समूह के सदस्य नहीं हैं और सामान्यतया बैंक के नियम उन्हें सहयोग से वंचित रखते हैं। प्रारंभ में उक्त कोष के लिए 100 अरब डॉलर की राशि का प्रस्ताव था, जिसे बदल कर वर्ष 2030 तक 400 अरब डॉलर तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर दिया गया है, यानी प्रारंभिक राशि के बारे में यह प्रस्ताव मौन है। एक उपलब्धि यह है कि अमेरिका ने उक्त कोष में सहयोग की सहमति प्रदान कर दी है। कुल मिलाकर, जलवायु परिवर्तन की चिंता हेतु वार्षिक सम्मेलन के निर्णयों के अमल में हो रही अनावश्यक देरी इसके औचित्य पर भी प्रश्न चिह्न लगा देती है। पहले लिए निर्णयों को लागू करना प्राथमिकता में हो, अन्यथा यह सम्मेलन भी रस्म अदायगी जैसा हो जाएगा।

> पिछले सम्मेलन में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका के कारण एक विशेष प्रस्ताव के जरिये जलवायु परिवर्तन से हुए नुकसान एवं विनाश हेतु कोष (लॉस ऐंड डेमेज फंड) के गठन का निर्णय लिया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण को हो रहे नुकसान की क्षतिपूर्ति के साथ भविष्य के विनाश को रोकने हेतु पर्याप्त संसाधन मुहैया कराना था। इसके अलावा, तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने पर विशेष जोर देते हुए यह संकल्पना की गई थी कि वर्ष 2025 में अधिकतम स्तर को देखते हुए तापमान में वृद्धि की दर वर्ष 2030 तक लगभग 43 प्रतिशत तक कम करने के लिए समग्र उपाय किए जाएंगे, ताकि जैविक नुकसान को यथासंभव रोका जा सके।

सैन्य जासूसी उपग्रह को स्थापित करना आत्मरक्षा का अधिकार, बोले उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन

सियोल ।
उत्तर कोरिया ने हाल ही में सैन्य जासूसी उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित करके अपने दुश्मन अमेरिका और दक्षिण कोरिया समेत जापान को बड़ा झटका दिया है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने देश के सैन्य जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण को अंतरिक्ष रक्षक की तैनाती बताते हुए कहा कि यह आत्मरक्षा के अधिकार का अभ्यास है। बता दें, किम जोंग की यह टिप्पणी राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी प्रशासन (नाटा) की यात्रा के दौरान आई।

दुश्मन देशों की सैन्य गतिविधियों पर नजर

एक रिपोर्ट के अनुसार, तानाशाह किम जोंग उन ने इस बात की सराहना की कि देश के अंतरिक्ष रक्षक दुश्मन देशों की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने और उसके अनुसार खुद को तैयार रखने के मकसद से काम कर रहे हैं और नई-नई जीत भी हासिल कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने इस बात भी जोर दिया कि जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण आत्मरक्षा के अधिकार का अभ्यास है।

अपनी बेटी के साथ पहुंचे

किम अपनी बेटी के साथ पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने सैटेलाइट प्रोग्राम में शामिल लोगों के साथ फोटो भी खिचवाए।

मल्लीगयोंग-1 उपग्रह कक्षा में स्थापित

उत्तर कोरिया के अंतरिक्ष अधिकारियों ने बुधवार सुबह बताया था कि उसके अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान ने मंगलवार रात 'मल्लीगयोंग-1' नामक उपग्रह को निर्धारित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। उत्तर कोरिया ने इस उपग्रह की स्थापना दुश्मन देशों की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने और उसके अनुसार खुद को तैयार रखने के मकसद से किया है।

इन देशों में बढ़ा तनाव एक बयान में कहा गया है कि यह जासूसी उपग्रह किम जोंग ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के शत्रुतापूर्ण सैन्य कदमों के जवाब में उत्तर कोरिया की युद्ध तत्परता को बढ़ाने के उद्देश्य से है। इसमें कहा गया है कि उत्तर कोरिया भविष्य में भी ऐसे ही और अधिक जासूसी उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

दुनिया को भारत से रास्ता दिखाने की उम्मीद, विश्व हिंदू कांग्रेस सम्मेलन में मोहन भागवत

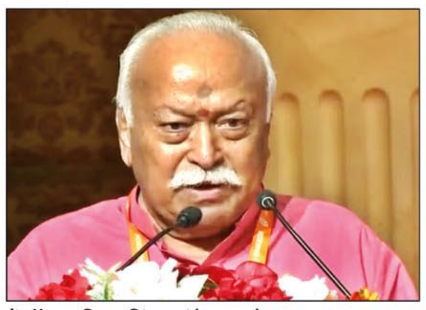

बैंकॉक । विश्व हिंदू कांग्रेस सम्मेलन इस बार थाइलैंड की राजधानी बैंकाक में आयोजित हो रहा है। इसमें भाग लेने पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि सब भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त करने के बाद भी दुनिया संतुष्ट नहीं है। मोहन भागवत ने आगे कहा, आज की दुनिया अब लड़खड़ा रही है। इसने दो हजार वर्षों से खुशी, आनंद और शांति लाने के लिए कई सारे प्रयोग किए हैं। इतना ही नहीं, भौतिकवाद, साम्यवाद और पूंजीवाद की कोशिश की है। सब भौतिक सुख प्राप्त कर लिया है, लेकिन फिर भी संतुष्टि नहीं है। उन्होंने कहा, भौतिक सुख सुविधाओं के बावजूद लोग खुश नहीं हैं। दुनिया ने कोविड काल के बाद पुनर्विचार शुरू कर दिया है। ऐसे में लगता है कि वे इस सोच में एकमत हैं कि भारत रास्ता दिखाएगा क्योंकि भारत पहले भी ऐसा कर चुका है। उन्हें भारत से उम्मीद है और वहीं हमारे समाज और राष्ट का भी यही उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि दुनिया एक परिवार है और हम सभी को आर्य बनाएंगे, जो एक संस्कृति है। लोग भौतिक सुख पाने के लिए एक-दूसरे से लड़ने और हावी होने की कोशिश करते हैं। हमने इसका अनुभव किया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, कुछ महीने पहले, विश्व मुस्लिम परिषद के महासचिव भारत आए थे और वहां अपने भाषणों में उन्होंने कहा था कि अगर हम विश्व में शांति और सद्भाव चाहते हैं, तो भारत के साथ जुड़ना जरूरी है। इसलिए यह हमारा कर्तव्य है। यही कारण है कि हिंदू समाज अस्तित्व में आया।

मेदिना काउंटी में वाहन से टक्कर लगने के बाद भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं

ओहियो । अमेरिका के मेदिना काउंटी में वाहन से टक्कर लगने के बाद एक 52 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी व्यक्ति की मौत हो गई। हाईवे पेट्रोल अधिकारियों को शाम के 7:05 बजे ब्रंसविक हिल्स के ऑटमवुड लेन के पास एक पैदल चल रहे यात्री के वाहन से टक्कर लगने की सूचना मिली। घटना की जानकारी पाकर अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्हें मालूम चला कि 25 वर्षीय युवक के वोक्सवैगन से टकराने के बाद 52 वर्षीय पीयूष पटेल की मौत हो गई। वाहन चालक दक्षिण की तरफ जा रहा था, तभी पीयूष उसकी वाहन से टकरा गए। इस हादसे में पीड़ित की मौत हो गई, वहीं वाहन चालक को कोई चोट नहीं आई है। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है और अबतक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। एक अन्य घटना में 26 वर्षीय भारतीय छात्र आदित्य अदलाखा की नौ नवंबर को वेस्टर्न हिल्स वायडक्ट में एक वाहन के भीतर गोली लगने से मौत हो गई। आदित्य को अल्सेरेटिव कोलिटिस पर काम करने के लिए अवॉर्ड और स्टाइपेंड भी मिल चुका है। वह 2025 में अपना डॉक्टोरेट खत्म करने वाले थे। घटना की जानकारी तब मिली जब शनिवार की सुबह 06:20 बजे गोलीबारी की रिपोर्ट के बाद अदलाखा को पुल के ऊपरी डेक पर एक दुर्घटनाग्रस्त कार के भीतर गोली लगी हालत में पाया गया। उन्हें उसी समय यूसी अस्पताल ले जाया गया जहां वह कुछ दिनों तक गंभीर अवस्था में रहने के बाद उनकी मौत हो गई।

डबलिन में स्कूल के पास चाकूबाजी, तीन बच्चों समेत पांच घायल; हिंसक प्रदर्शन के दौरान लोगों ने की आगजनी

डब्लिन । डब्लिन में स्कूल के बाहर चाकू से हुए हमले में तीन युवा बच्चों के घायल होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार को कई वाहनों में आग लगा दी और दुकानों को लूट लिया। उन्होंने पुलिस के साथ भी मारपीट की। भीड़ ने सड़कों पर नारेबाजी की और आतिशबाजी भी शुरू की। ओ कॉलेन ब्रिज के पास लिफी नदी के पास एक जली हुई कार और बस से आग की लपटें उठी। शहर के एक मुख्य शॉपिंग स्ट्रीट के दुकानों से लूटपाट भी की। यह इस साल की सबसे खतरनाक घटना थी। उत्तरी मध्य डब्लिन के पार्नेल स्क्वायर ईस्ट में चाकूबाजी के दौरान एक पांच वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल होने के बाद प्रदर्शन तेज हो गया। इसके अलावा दो अन्य बच्चे और दो युवा को घटना के बाद अस्पताल ले जाया गया। सोशल मीडिया पर आरोपी के राष्ट्रीयता को लेकर अफवाहें फैलाई जा रही है। पुलिस प्रमुख ड्रियू हैरिस ने कहा, दक्षिणपंथी विचारधारा को गलत सूचना फैलाने के लिए चेतावनी दी गई।

गाजा में अब तक 14800 की मौत

समझौते के तहत शुरू हुआ सीजफायर बंधकों की रिहाई भी होगी

दोहा/यरूशलम ।
गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि इजराइल के हमले में गाजा में 14854 लोग मारे गए हैं। इनमें से 5850 बच्चे शामिल हैं। बता दें कि गाजा में हवाई हमले के बाद इजराइली सेना अब जमीनी ऑपरेशन चला रही है। हालांकि इजराइल और गाजा के बीच युद्धविराम को लेकर समझौता हुआ है, जिसके बाद फिलहाल सीजफायर है। चार दिनों तक यह युद्धविराम रहेगा, जिसकी शुरुआत शुक्रवार को स्थानीय समय अनुसार सुबह सात बजे से हो गई है। पहले दिन 13 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा।

पिता ने लगाई बेटी की रिहाई की गुहार – एक पिता ने अपनी 9 साल की बच्ची की रिहाई की गुहार लगाई है। बता दें कि एमिली हैंड को बीती 7 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने बंधक बना लिया था। पहले माना जा रहा था कि एमिली की मौत हो चुकी है लेकिन अब पता चला है कि एमिली हमास की कैद में है और माना जा रहा है कि आज इजराइल और हमास के बीच हुए समझौते के तहत रिहा किए जा रहे लोगों में एमिली भी हो सकती है। समझौते के तहत बंधकों की रिहाई पर खुशी जताते हुए एमिली के 63 वर्षीय पिता थॉमस हैंड ने कहा कि यह सभी के लिए अच्छी बात है। इससे मुझे उम्मीद बंधी है लेकिन जब तक मैं खुद उसे देख नहीं लेता या उसे छू नहीं लेता तब तक मुझे किसी पर विश्वास नहीं है। बता दें कि इजराइल-हमास के बीच हुए समझौते के तहत 13 बंधकों को गाजा से रिहा किया कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिन बंधकों को रिहा किया जाएगा, उनके नामों की सूची इजराइली खुफिया एजेंसियों को दे दी गई है। अंसारी के अनुसार, गाजा में मानवीय आधार पर चार दिन का संघर्षविराम बयान में कहा गया है कि गाजा में संघर्षविराम की कार्यान्वयन योजना पर चर्चा के लिए व्यापक बैठकें हुईं। कतर के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कतर और मिस्र के मध्यस्थों और दोनों पक्षों की भागीदारी के साथ युद्धविराम की योजना पर

चर्चा करने के लिए दोहा में व्यापक बैठकें हुईं।

इजराइल ने की बंधकों की सूची मिलने की पुष्टि – कतर की मध्यस्थता से इजराइल और हमास के बीच संघर्षविराम की पुष्टि होने के बाद इजराइली प्रधानमंत्री के कार्यालय ने रिहा किए जाने वाले बंधकों की पहली सूची प्राप्त होने की पुष्टि की। कार्यालय ने कहा कि इजराइल को गाजा से रिहा किए जाने वाले बंधकों की प्रारंभिक सूची मिल गई है, जिसे हमास के साथ संघर्षविराम लागू होने के बाद जारी किया जाएगा। बयान में कहा गया कि संबंधित अधिकारी सूची के विवरण की जांच कर रहे हैं और सभी पीड़ित परिवारों के साथ संपर्क में बने हुए हैं। इससे पहले घोषणा की गई थी कि संघर्षविराम समझौते के तहत हमास 50 इजराइली बंधकों को रिहा करेगा। बाद में इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी ने एक बयान में कहा कि बंधकों की रिहाई पर चर्चा लगातार जारी है और समझौता लागू होने में की देरी हुई। बताया गया कि हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के बदले इजराइली जेलों में बंद फलस्तीनी नागरिकों की रिहाई का समझौता अंतिम वक्त में लागू नहीं हो सका। इसके चलते युद्धविराम में एक दिन की देरी हुई। इजराइली सेना के आंकड़ों के अनुसार, हमास ने गाजा में 239 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें 26 देशों के विदेशी नागरिक भी शामिल हैं।

गाजा पहुंचा 1,30,000 लीटर ईंधन और राहत सामग्री के 200 ट्रक – इजराइल और हमास के बीच हुए युद्धविराम के समझौते के बाद गाजा पट्टी में मानवीय मदद पहुंचने में भी तेजी आई है। मिस्त्र ने एलान किया है कि मानवीय मदद लेकर रोजाना 200 ट्रक गाजा पहुंच रहे हैं। साथ ही कुल 1,30,000 लीटर डीजल और गैस से भरे चार टैंकर भी गाजा में भेजे गए हैं।

इजराइली सेना ने हमास कमांडर को किया ढेर – संघर्षविराम से एक दिन पहले इजराइली सेना उत्तरी गाजा में भारी बमबारी की। इजराइली सेना ने एक दिन में 300 हवाई हमलों का दावा किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के स्कूल पर इजराइली बमबारी में 27 लोग मारे गए हैं। वहीं, इजराइली सेना ने हमास कमांडर अमर अबू जलाला को मारने का दावा किया है। इजराइल का कहना है कि जलालह खान यूनिस में हमास के नौसैनिक बल का कमांडर था।

वैज्ञानिकों ने नेत्रहीनों में आवाज से चेहरा पहचानने वाले दिमाग का भाग खोजा, नाम है फूसीफॉर्म फेस एरिया

वॉशिंगटन ।
क्या हम किसी की आवाज से उसका चेहरा पहचान सकते हैं लेकिन क्या नेत्रहीन भी ऐसा कर सकते हैं जवाब है हां, वे आवाज के जरिए चेहरे या आकार की बनावट गढ़ लेते हैं। यही क्षमता विकसित करने वाले दिमाग के हिस्सों की वैज्ञानिकों ने खोज की है। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के चिकित्सा केंद्र के मस्तिष्क वैज्ञानिकों ने इसके लिए विशेष उपकरणों का उपयोग किया जो आवाज से छवियां गढ़ सकते थे। वैज्ञानिकों ने बताया कि दिमाग के इस भाग को फूसीफॉर्म फेस एरिया कहा जाता है। प्रोफेसर डॉ. जोसफ रॉसचेकर के अनुसार यह तो पता है कि नेत्रहीनों की कुछ इंद्रियां नेत्रहीनता की भरपाई करने लगती हैं। हमने शोध किया कि इस भरपाई के लिए सुनने की क्षमता क्या योगदान देती है इसके लिए हमने फंक्शनल मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग का सहारा लिया। पता लगाने का प्रयास किया कि मस्तिष्क में छवियों को ढालने की प्रक्रिया किसी भाग होती है डॉ. जोसेफ ने बताया कि फूसीफॉर्म फेस एरिया में कई गतिविधियां ऐसी होती हैं कि जिन्हें पढ़ना गूढ़ श्रेणी में आता है। अध्ययन में छह नेत्रहीन और देखने की क्षमता रखने वाले 10 लोग शामिल हुए। उन्हें तीन चरण में एमआरआई स्कैन से गुजारा गया। इस दौरान आवाज के जरिये सामान्य ज्यामितीय आकार व रेखाओं को पहचानने के लिए कहा गया। धीरे-धीरे पैटर्न को जटिल किया गया। रेखाओं से आकार, घर व चेहरे ढाले गए। वैज्ञानिकों को फूसीफॉर्म फेस एरिया में सक्रियता मिली। डॉ. जोसेफ रॉसचेकर का दावा है कि यह खोज देखने की क्षमता देने वाले उपकरण बनाने में काफी मदद कर सकती है। कुछ और शोधों के बाद इससे नेत्रहीनों को मदद मिल सकती है।

इमोजी-कार्टूनी चेहरे पहचाने लगे नेत्रहीन

अध्ययन के दौरान उपकरणों से नेत्रहीन लोगों को खुशी के इमोजी और कार्टूनी चेहरे पहचानने में मदद मिली। यह मुश्किल है। प्रयोग के दौरान नेत्रहीनों के बाएं और देखने की क्षमता वाले लोगों के दाएं फूसीफॉर्म फेस एरिया सक्रिय थे। अनुमान हैं कि इसकी वजह फूसीफॉर्म फेस एरिया के बाएं और दाएं भाग में छवि गढ़ने की प्रक्रियाएं हो सकती है। यह छवियां आपस में जुड़े पैटर्न या फिर अलग अलग हिस्सों से गढ़ी जाती है।

पति के बुरे वक्त में किए का पछतावा हो रहा महिला को, बीवी रात को बूढ़े प्रेमी से करती थी बात

वॉशिंगटन ।
ऑनलाइन प्लेटफॉर्म रेडिट पर महिला ने लिखा है कि उसने अपने पति के बुरे वक्त में कुछ ऐसा किया, जिसका पछतावा उसे हो रहा है। वो बात अलग है कि इस मामले में उसकी उतनी गलती नहीं थी लेकिन उसने जो किया, उसे भी सही नहीं कहा जा सकता है। महिला की उम्र 30 साल है। उसने बताया है कि वो अपने पति के साथ अच्छी-भली ज़िंदगी जी रही थी।

इसी बीच कुछ ऐसा हुआ कि उसे अपनी नौकरी छोड़ देनी पड़ी। इसके बाद महिला ने खुद को एक ऐसी वेबसाइट पर रजिस्टर कर लिया, जिसमें वो बिना अपनी आइडेंटिटी बताए शुगर डैडी यानि ऐसे बुजुर्ग लोगों से बात कर सकती थी, जो अपनी बातें कहने के लिए युवा लड़कियों को ढूंढते हैं। महिला ने यहां पर एक बूढ़े प्रेमी से रात को बातें करना शुरू कर दिया। दिलचस्प ये था कि पत्नी के इस काम के बारे में पति को बिल्कुल खबर नहीं थी। महिला अपने पति को 8 साल से जानती है। वो उससे ज्यादा कमाती थी और हमेशा से पति की तनख्वाह कम थी। ऐसे में जब उसने नौकरी छोड़ी तो आर्थिक स्थिति को लेकर वो चिंतित हो गई। उसने छोटी-मोटी नौकरी करने की सोची भी पर वो नहीं

मिल सकी। आखिरकार उसने पति की मदद के लिए ये तरीका अपनाया और शुगर बेबी बनकर बूढ़े मर्दों से पैसे कमाना चाहती थी। वो बात अलग है कि थोड़े ही दिन में उसे इतना अपराध बोध हुआ कि उसने सोच लिया कि वो आगे कोई काम नहीं करेगी। बता दें कि पति और पत्नी के बीच का रिश्ता ऐसा होता है, जिसमें अगर विश्वास न हो, तो मामला काफी बिगड़ सकता है। वे एक-दूसरे का साथ सुख और दुख दोनों में देते हैं। अगर वक्त अच्छा न हो तो एक दूजे की मदद करने के लिए कभी चुपचाप तो कभी ज़ाहिर तौर पर काम करते हैं। कुछ ऐसी ही एक घटना के बारे में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म रेडिट पर एक महिला ने बताया है।

कतर में मौत की सजा पाए भारत के आठ पूर्व नेवी अफसरों की याचिका स्वीकार, जल्द होगी अदालत में सुनवाई

दोहा ।
भारत के लिए एक राहत की खबर सामने आयी है। दरअसल भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसरों की याचिका को कतर की कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कतर की कोर्ट जल्द ही उनकी अपील पर सुनवाई कर सकती है। बता दें कि नौसेना के इन आठ पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा सुनाई गई है। आठ पूर्व नेवी अफसरों की मौत की सजा के खिलाफ भारत सरकार ने यह याचिका दायर की है। कतर की अदालत ने 23 नवंबर 2023 को इसे स्वीकार कर लिया और अब अपील का अध्ययन कर जल्द इस पर सुनवाई शुरू करेगी। बता दें कि भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अफसर कतर में देहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज नामक कंपनी के लिए काम कर रहे थे। अगस्त 2022 में इन सभी को गिरफ्तार किया गया। कतर की सरकार ने नौसेना के पूर्व अफसरों पर लगाए गए आरोपों की जानकारी नहीं दी है। बीती 26 अक्तूबर 2023 को कतर की अदालत ने इन पूर्व अफसरों को मौत की सजा सुना दी। कतर सरकार ने अभी तक आठ भारतीयों पर लगे आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि ऐसी आशंका है कि सुरक्षा संबंधी अपराध के आरोप में यह गिरफ्तारियां हुई हैं। कतर के मीडिया का दावा है कि भारतीय अधिकारी इजराइल के लिए जासूसी कर

रहे थे। भारत सरकार ने भी आरोपों की जानकारी नहीं दी है। गौरतलब है कि गिरफ्तारी के कई दिनों तक इस मामले को गुप्त रखा गया और कतर में मौजूद भारतीय दूतावास के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई। एक अक्तूबर 2022 को दोहा में भारत के राजदूत और मिशन के उप-प्रमुख ने इन पूर्व अफसरों से मुलाकात की। तीन अक्तूबर 2022 को पहला काउंसलर एक्सेस दिया गया। 25 मार्च 2023 को सभी आठों अधिकारियों के खिलाफ आरोप तय किए गए और 29 मार्च से मुकदमा शुरू हो गया। 26 अक्तूबर 2023 को सभी को मौत की सजा सुनाई गई। नौसेना के जिन पूर्व अफसरों को कतर में फांसी की सजा दी गई है उनमें कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश शामिल हैं। जिस कंपनी देहरा ग्लोबल के लिए ये भारतीय काम करते थे, उसके सीईओ खामिल अल आजमी ओमान एयरफोर्स के अफसर रह चुके हैं। आजमी को भी पहले हिरासत में लिया गया था लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था।

न्यूयॉर्क के मेयर पर लगा यौन उत्पीड़न का आरोप

30 साल पहले का मामला; 41 करोड़ से अधिक का हर्जाना मांगा

वॉशिंगटन ।
न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स पर 30 साल पहले एक महिला सहकर्मी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है। हालांकि, मेयर ने इस आरोप का खंडन किया है। उनका कहना है कि वह शिकायतकर्ता को नहीं जानते हैं और न ही कभी किसी को नुकसान पहुंचाएंगे।

यह है आरोप

रिपोर्ट के मुताबिक, महिला का आरोप है कि एरिक एडम्स ने साल 1993 में उनका यौन उत्पीड़न किया था। जब वह दोनों साथ काम करते थे। वहीं अब महिला ने अदालत से कम से कम पांच मिलियन डॉलर यानी 41,65,25,000 रुपये का हर्जाना दिलाने की मांग की है।

मेयर ने किया खारिज

सिटी हॉल के एक प्रवक्ता बताया कि मेयर को

नहीं पता कि यह व्यक्ति कौन है। अगर वे कभी मिले भी होंगे तो उन्हें याद नहीं है। पर वह कभी भी किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं करेंगे। इसलिए आरोप झूठे हैं। यह मुकदमा न्यूयॉर्क एडल्ट सर्वाइवर्स एक्ट के तहत दायर किया गया था। गौरतलब है, पिछले साल मई में गांव कैथी होचुल द्वारा कानून में दर्ज एडल्ट सर्वाइवर्स एक्ट ने एक साल की अवधि के लिए कथित यौन हमलों पर मुकदमा करने के लिए सामान्य समय की कमी को हटा दिया था, यह अवधि समाप्त हो रही है। इससे केसों की बाढ़ आ गई है।

हाई-प्रोफाइल लोगों पर आरोप

एएसए के तहत राज्य की अदालतों में कम से कम 2,600 दावे दायर किए गए हैं, जिनमें गन्स एन' रोजेज के फ्रंटमैन एक्सल रोज, अकादमी पुरस्कार विजेता क्यूबा गुडिंग जूनियर और सेलिब्रिटी फोटोग्राफर टेरी रिचर्डसन जैसे हाई-प्रोफाइल प्रतिवादियों के खिलाफ इस सप्ताह लाए गए कई मुकदमे भी शामिल हैं। इस मुकदमे में एनवाईपीडी के ट्रांजिट ब्यूरो और गार्जियन एसोसिएशन के साथ एडम्स को प्रतिवादी बनाया गया है। बताया जा रहा है कि एडम्स उस समय एनवाईपीडी के अधिकारी थे। तीन पेज के समन में दावा किया गया है कि सन् 1993 में न्यूयॉर्क में एरिक एडम्स ने वादी का यौन उत्पीड़न किया, जब वे दोनों न्यूयॉर्क शहर के लिए काम करते थे।

पाकिस्तान में तलाशी के दौरान आतंकी और पुलिस के बीच हुई गोलीबारी, घटना में दो स्कूली छात्रों की मौत

पेशावर । आजकल पाकिस्तान में आंतकी घटनाओं की संख्या तेजी से बढ़ गई है। आए दिन कहीं न कहीं आतंकी हमला होने की खबर आ ही जाती है। अब घटना यहां के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुई है। यहां तलाशी अभियान के दौरान पुलिस और एक वांछित आतंकवादी के बीच हुई गोलीबारी में दो स्कूली छात्रों की जान चली गई है। दरअसल, गोलीबारी की घटना उस वक्त हुई जब पुलिस की एक टीम खुफिया सूचना के आधार पर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले के कोट आजम इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी। इसी दौरान दोनों ओर से हुई गोलीबारी में वांछित आतंकवादी मारा गया। इस घटना में आठवीं कक्षा के दो छात्रों की भी जान चली गई। पुलिस ने बताया कि मारे गए आतंकवादी के कब्जे से एक सब-मशीन गन, गोला-बारूद, दो हथगोले और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पाकिस्तान में हाल के महीनों में आतंकवादियों और अलगाववादी समूहों द्वारा आतंकवाद की घटनाओं में वृद्धि हुई है क्योंकि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठनों ने सुरक्षा बलों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इसने सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस को आतंकवादियों के खिलाफ अभियान तेज करने के लिए प्रेरित किया है।

उत्साह के साथ गंतव्य स्थलों के लिए रवाना हुए मतदान दल, 1640 मतदान केंद्रों पर होगी वोटिंग

बीकानेर (हिंस)। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 25 नवंबर शनिवार को होने वाले मतदान हेतु जिले की सातों विधानसभा क्षेत्र में मतदान करवाने के लिए मतदान दल शनिवार को जिला मुख्यालय से रवाना हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल की उपस्थिति में मतदान दलों को तृतीय प्रशिक्षण दिया गया और इसके पश्चात आवश्यक सामग्री का वितरण कर गंतव्य स्थलों के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया लोकतंत्र की बुनियाद है। इसके सफल संपादन में मतदान दल प्रथम पंक्ति की भूमिका में है। सभी कार्मिक निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से गंभीरता कार्य करते हुए इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव नियमों की अक्षरशः अनुपालना करें। भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि मतदान दल कार्मिकों की सुविधा के लिए बीकानेर एज मोबाइल एप विकसित किया गया है। सभी सूचनाएं, मोबाइल नंबर, बूथ लोकेशन, रूट मैप, कम्प्यूनिकेशन प्लान, सहित समस्त सूचनाएं इस एप पर उपलब्ध है। किसी भी आवश्यकता के लिए पोलिंग पार्टी इस एप पर सूचना भेजें। जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि सभी पोलिंग पार्टी के गंतव्य स्थल पर पहुंचने की सूचना बीकानेर एज के माध्यम से स्वत: अपडेट हो जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर इस ऐप्लीकेशन के माध्यम से मतदान प्रक्रिया पर बारीकी से निगरानी की जा रही है। विधान सभा चुनाव के लिए शुक्रवार को पूरे उत्साह के साथ मतदान दल अपने गंतव्य स्थलों के लिए रवाना हुए। राजकीय डूंगर महाविद्यालय से श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर पूर्व तथा पश्चिम बीकानेर पश्चिम विधानसभा के लिए मतदान दलों की रवानगी हुई। जबकि पॉलिटेक्निक कॉलेज से खाजूवाला, लूणकरणसर, नोखा और कोलायत विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान दल रवाना हुए। मतदान समाप्ति के बाद सभी विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम पॉलिटेक्निक कॉलेज के संग्रहण केंद्र में जमा करवा दी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1640 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 1627 मुख्य मतदान केंद्र तथा 13 सहायक मतदान केंद्र हैं। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में 226 मूल तथा एक सहायक सहित कुल 227 मतदान केंद्र है। बीकानेर पश्चिम में 194 मूल तथा 3 सहायक सहित कुल 197, बीकानेर पूर्व में 197 मूल तथा 6 सहायक मतदान केंद्र सहित कुल 203 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

राहुल गांधी को भेजे गए निर्वाचन आयोग के नोटिस का जवाब दिया जाएगा : गहलोत

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शुक्रवार दोपहर जोधपुर पहुंचे। यहां एयर पोर्ट पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्रदेश के लोगों से मतदान की अपील की। कुछ देर मीडिया से बातचीत कर वे अपने सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए जनसंपर्क में जुट गए। यहां कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्यमंत्री का सूत की मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री आज अपने विधानसभा क्षेत्र सरदारपुरा के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क के लिए जोधपुर पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को मतदान करना चाहिए और वे बढ़चढ़ कर हिस्सा लें। उन्होंने चिरंजीवी योजना 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किए जाने वाली घोषणा पर कहा कि राइट टू हैल्थ बिल का मतलब भी यही है कि सबको स्वास्थ्य लाभ मिलें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए नोटिस को लेकर कहा कि इसका जवाब दिया जाएगा। कल उनको जवाब देना है, दे दिया जाएगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने जोधपुर प्रवास के दौरान आज डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पावू पुरा, शिकारगढ़ और प्रेम नगर में डोर टू डोर जनसंपर्क की शुरुआत की। उसके बाद अब बीजेएस नट बस्ती में मुख्यमंत्री गहलोत जनसंपर्क कर रहे है। कांग्रेस नेता राजेंद्र सोलंकी और महापौर कुंती देवड़ा, राज्य बाल संरक्षण आयोग अध्यक्ष संगीता बेनीवाल, एआईसीसी सदस्य वैभव गहलोत व समाजसेवी रणवीर सिंह कच्छवाहा भी साथ है। मंडल अध्यक्ष परमेंद्र सिंह के नेतृत्व में अशोक गहलोत का स्वागत किया गया। आज रात्रि विश्राम मुख्यमंत्री गहलोत जोधपुर में ही करेंगे। कल पैतृक निवास के पास स्थित महामंदिर जैन स्कूल में मतदान करेंगे।

पंजाब के सरकारी स्कूलों में बच्चों की लगेगी ऑनलाइन हाजिरी

स्कूल नहीं आने पर माता-पिता को जाएगी सूचना

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के सभी सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली शुरू होने जा रही है। बच्चा अगर स्कूल नहीं पहुंचेगा तो इसकी सूचना उसके माता-पिता तक पहुंचेगी। ये सुविधा आने वाले 20 दिनों में शुरू कर दी जाएगी। पंजाब शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने शुक्रवार को इसकी सूचना अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दी है। बच्चों की स्कूलों में हाजिरी को यकीनी बनाने के लिए, यह योजना शुरू की जा रही है। इसकी तैयारियां करने के लिए शिक्षा विभाग ने संबंधित स्कूलों में कह दिया है। ये सुविधा एक साथ सभी स्कूलों में शुरू की जाएगी। इसके लिए स्कूल को अलग से मोबाइल या टैब दिए जाएंगे या टीचर अपने मोबाइल का प्रयोग करेगा, इस पर अभी विचार किया जा रहा है। बैंस के अनुसार दिसंबर के मध्य तक सभी 19 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों के लिए ऑनलाइन उपस्थिति शुरू कर दी जाएगी। पंजाब के निजी स्कूलों की तरह ही सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के माता-पिता को बच्चों के अनुपस्थित रहने पर एसएमएस अलर्ट मिलेगा।

फाइनेंसर ने कर्जदार के घर में लगा दी आग, सारा सामान खाक

हिसार (हिंस)। शहर के सूर्यनगर में शुक्रवार को एक फाइनेंसर ने कर्ज लेने वाले व्यक्ति के घर में आग लगा दी। आग से घर का सामान व बच्चों की डिग्रियां तक जल गई वहीं घर में रखे गहने पिघलकर खराब हो गए। जब मकान मालिक ने आग लगने का कारण जानने के लिए, पड़ोसी के घर का सीसीटीवी चैक किया तो घटना का खुलासा हुआ। पुलिस को दी शिकायत में सूर्यनगर निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ छठ पूजा के लिए सातरोड नहर गया था। परिवार वापस लौटा तो घर का सारा सामान जला हुआ मिला। सीसीटीवी में में नजर आ रहा है। शिकायतकर्ता ओमप्रकाश के अनुसार वह अंडों की रेहड़ी लगाता है। गत दिवस सुबह के समय वह अपने परिवार के साथ छठ पूजा के लिए सातरोड नहर पर गया था। जब हम घाट से समय करीब सात बजे सुबह वापिस आए तो उसने देखा कि उसके घर पर सारी जगह आग लगी हुई थी। आग लगने का कारण समझ नहीं आया कि आग कैसे लगी। शिकायतकर्ता के अनुसार उनके मकान के सामने मोनू के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को चैक किया तो पता चला कि घर में आग राहुल ने लगाई है, जो उसका पड़ोसी है। पड़ोसी राहुल साथ लगती छत से उनके घर में सीढ़ियों से दाखिल हुआ और आग लगा दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि घर में आग लगने से दो फ्रीज, दो बैड गद्दा, एक अलमारी जिनमें 30 साड़ी, 10 सूट, तीन बच्चों के 37 जोड़ी कपड़े, 20 हजार रूपये नगद, इन्वर्टर बैटरी, चार छत के पंखे, एक टेबल फैन, एक रूम हीटर, 22 इंच की एलईडी, सात परदे, इंडक्शन चूल्हा, अलमारी के अंदर कपड़े और गहने व पैसे जल गए। शिकायतकर्ता के अनुसार घर में आग लगने से उसके एक लड़के व एक लड़की की स्कूली कागजात और 10वीं, 12वीं और बीए की डिग्रियां भी जल कर राख हो गई। इसके अलावा गले की सोने की चैन, एक जोड़ी कान की बाली, चांदी की पायल आदि सभी सामान जलकर राख हो गए।

आरोपित फाइनेंसर छत से आते और आग लगाने के बाद वापस जाते हुए

बासमती के भाव में तेजी, किसानों के चेहरे खिले

जींद (हिंस)। बासमती धान के भाव में हो रही हर रोज बढ़ोतरी से किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे है। बासमती की किस्म 1121 धान के भाव 4800 पार पहुंच चुके है तो धान 1718 के भाव भी 4751, धान 1885 के भाव 4781 तक शुक्रवार को पहुंचे। विभिन्न किस्मों की धान के भाव आने वाले दिनों में बढ़ने की उम्मीद किसानों को है। 1121 धान के भाव सप्ताह के पहले दिन ही 4700 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचे। निरंतर भाव में बढ़ोतरी हो रही है। बीते सप्ताह 4700 रुपए प्रति क्विंटल के पास भाव 1121 धान के थे। सप्ताह की शुरुआत के बाद भाव बढ़ रहे है। किसानों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भाव बढ़ कर 5 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचेंगे। मार्केट कमेटी में दर्ज आंकड़ों के मुताबिक अब तक बासमती धान 241816 क्विंटल धान मंडी आ चुकी है। इस बार बीते साल की अपेक्षा 700 से 800 रुपए प्रति क्विंटल भाव अधिक 1121 धान के है। किसान बलवान, राजबीर, सुरेंद्र, राममेहर इस बार 1121 धान के भाव निरंतर बढ़ रहे है। सीजन की शुरुआत ये ही भाव बढ़ रहे है। बीते साल से अधिक भाव सीजन की शुरुआत से ही किसानों को मिल रहे है। निरंतर भाव बढ़ने से किसानों को उम्मीद पांच हजार रुपए तक भाव के होने की है। कई दिनों तक 4600 रुपए प्रति क्विंटल के आस-पास भाव रहने लगे थे जो अब बढ़ने लगे है। मार्केट कमेटी सचिव संदीप कासनिया ने कहा कि इस साल बीते साल की अपेक्षा भाव 1121 धान के किसानों को मिल रहे है।

मतदान केंद्रों वाले विद्यालयों में आज स्थानीय अवकाश घोषित

जयपुर (हिंस)। विधानसभा आम चुनाव-2023 के तहत मतदान दिवस 25 नवंबर 2023 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिन स्कूलों में विधानसभा चुनाव के मतदान के लिए बूथ बनाए गए हैं, उन स्कूलों में 25 नवंबर को अवकाश रहेगा। जयपुर जिले में जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने एक आदेश जारी कर जिन विद्यालयों को मतदान केंद्र बनाया गया है, उन विद्यालयों में 24 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

अदालत के आदेश पर बैंक ने उपभोक्ता को 2.90 लाख रुपए का किया भुगतान

गुरुग्राम (हिंस)। सिविल जज हिमानी गिल के आदेश का पालन करते हुए बैंक ने उपभोक्ता द्वारा जमा कराई गई जुर्माना राशि का भुगतान 24 प्रतिशत ब्याज दर से कर दिया है। बैंक ने 2 लाख 90 हजार का चैक उपभोक्ता को अदालत में दे दिया है। अदालत बिजली निगम का बैंक अकाउंट अटैच कर चुकी थी। उपभोक्ता बलराम सिंह के अधिवक्ता क्षितिज मेहता के अनुसार जनवरी 2016 में उपभोक्ता का बिजली का मीटर बिजली निगम ने चैक कराया था और अक्तूबर 2016 में मीटर टैंपर्ड कर बिजली चोरी करने के आरोप लगाते हुए बिजली निगम ने एक लाख 17 हजार 774 रुपए का जुर्माना लगा दिया था। उपभोक्ता ने जुर्माना राशि का भुगतान कर 10 नवंबर 2016 को बिजली निगम के खिलाफ अदालत में केस दायर कर दिया था। सिविल जज हिमानी गिल ने 25 अगस्त 2022 को उपभोक्ता के हक में फैसला देते हुए जमा कराई गई जुर्माना राशि का भुगतान 24 प्रतिशत ब्याज दर से उपभोक्ता को करने के आदेश बिजली निगम को दिए थे। बिजली निगम ने निचली अदालत के फैसले को जिला एवं सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश शर्मा की अदालत ने बिजली निगम की अपील खारिज कर दी थी। उसके बाद भी बिजली निगम ने उपभोक्ता को उसकी जमा कराई गई राशि का भुगतान नहीं किया। उपभोक्ता ने हिमानी गिल की अदालत में एग्जिक्यूशन पिटिशन दायर कर गुहार लगाई थी कि उसका पैसा उसे दिलाया जाए। अदालत ने बिजली निगम के बैंक अकाउंट को अटैच कर बैंक को आदेश दिए थे कि उपभोक्ता को जमा कराई गई राशि 24 प्रतिशत ब्याज दर से वापिस की जाए। अधिवक्ता का कहना है कि बैंक ने अदालत के आदेश का पालन करते हुए 2.90 लाख रुपए का चैक उपभोक्ता को दे दिया है। अधिवक्ता का कहना है कि उपभोक्ता अब बिजली निगम के खिलाफ ह्रासमेंट का केस डालने की तैयारियों में लगा है।

पाक अपने सेवानिवृत्त सैनिकों को आतंकवादियों के रूप में भेज रहा जम्मू-कश्मीर : सेना कमांडर

जम्मू (हिंस)। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी रैंकों में अपने देश के सेवानिवृत्त सैनिकों को धकेलने का प्रयास कर रहा है। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि एक साल के भीतर दो दर्जन से अधिक विदेशी आतंकवादियों का सफाया करने के लिए राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों में अभियान तेज कर दिया गया है। सेना कमांडर ने बुधवार और गुरुवार को राजौरी जिले के धर्मसाल बेल्ट के बाजीमल इलाके में मुठभेड़ के दौरान बलिदान हुए दो कैप्टन सहित पांच सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों के सामने कहा कि मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने अफगानिस्तान में प्रशिक्षित पाकिस्तान स्थित शीर्ष लश्कर कमांडर कारी सहित दो आतंकवादियों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों का मारा जाना क्षेत्र को अस्थिर करने की पाकिस्तान की योजना के लिए एक बड़ा झटका है। आतंकवादियों के बीच पाकिस्तान के कुछ विशेष बलों के कर्मियों की मौजूदगी के बारे में लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि जब हमने आतंकवादियों की पहचान करने की कोशिश की तो हमें पता चला कि उनमें से कुछ पाकिस्तान सेना के सेवानिवृत्त कर्मी हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस क्षेत्र में आतंकवादियों को धकेलने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी आतंकवादियों को ढेर करने के लिए हमारे प्रयास जारी हैं। पीर पंजाल के दक्षिण में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या पर उन्होंने कहा कि राजौरी-पुंछ बेल्ट में आतंकवादियों की संख्या में उतार-चढ़ाव होता है, क्योंकि यह क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने कहा कि मोटे तौर पर इलाके में 20 से 25 आतंकवादियों के सक्रिय होने की संभावना है, लेकिन सेना, पुलिस और अन्य खुफिया एजेंसियों ने अपना अभियान तेज कर दिया है। हमें यकीन है कि हम एक साल के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लेंगे। उन्होंने कहा कि राजौरी मुठभेड़ में दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया और यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्हें खत्म करना बहुत महत्वपूर्ण था, क्योंकि वे राजौरी शहर के ढांगरी और टीसीपी में 10 नागरिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार थे। इसके अलावा कंडी में सुरक्षा बलों पर हमले की साजिश भी इन्हीं आतंकवादियों ने रची थी, जिसमें पांच सैन्यकर्मियों की जान चली गई थी। सेना कमांडर ने कहा कि वे उच्च प्रशिक्षित विदेशी आतंकवादी थे और हमारे बहादुर सैनिकों ने उन्हें मार गिराकर प्रशंसनीय काम किया है। इससे पहले लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कानून और व्यवस्था विजय कुमार और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक आनंद जैन ने बाजीमल मुठभेड़ में बलिदान हुए सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की।

राज विस चुनाव : राज एवं रिवाज बदलने की मशक्कत

धौलपुर (हिंस)। देश की मरुधरा कहे जाने वाले राजस्थान में इन दिनों राज और रिवाज बदलने की मशक्कत अपने चरम पर है। सूबे में सोलहवीं विधानसभा के गठन के लिए होने वाले राजस्थान विधानसभा चुनाव में परंपरागत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस एवं भाजपा सत्ता पर काबिज होने की इसी कवायद में जुटी है। प्रदेश की सत्तारूढ़ कांग्रेस जहां हालिया बजट के प्रावधानों को अमलीजामा पहनाने के साथ महंगाई राहत कैंपों का आयोजन एवं सात गारंटी की घोषणा कर जनमानस को अपने पक्ष में करने की जुगत में है। वहीं, मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी जन आक्रोश रैली तथा पेपर लीक समेत लाल डायरी की चर्चा कर प्रदेश सरकार की विफलताओं को जनता के सामने लाकर अपने पक्ष में माहौल बनाने के सभी जतन कर चुकी है। हालात ऐसे हैं कि सत्तारूढ़ कांग्रेस प्रदेश में सरकार के लिहाज से पांच साल कांग्रेस और पांच साल भाजपा शासन के रिवाज को बदलने की कोशिश करते हुए राजस्थान की सत्ता पर एक बार फिर से काबिज होने की कोशिश में है। भाजपा की चाहत है कि प्रदेश में राज बदले और पांच साल भाजपा और पांच साल कांग्रेस के रिवाज कायम रहे। जिससे एक बार फिर से सत्ता की चाबी भाजपा के हाथ में आ सके। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर संभाग के तहत आने वाले धौलपुर जिले की चार विधानसभा सीटों धौलपुर, बाड़ी, बसेड़ी एवं राजाखेड़ा पर 25 नवंबर को मतदान होगा। विधानसभा चुनाव में धौलपुर जिले में कुल 8 लाख 77 हजार 682 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव के लिए जिले में कुल 928 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। चुनाव आयोग ने इस बार महिला मतदान केंद्रों के साथ-साथ कई विशिष्ट मतदान केंद्र बनाए हैं। जिले की धौलपुर विधानसभा सीट पर कुल 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें भाजपा के डॉ. शिवचरण सिंह कुशवाहा एवं कांग्रेस की शोभारानी कुशवाहा के बीच मुख्य मुकाबला है, वहीं बसपा के रितेश शर्मा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटे हैं। धौलपुर विधानसभा सीट पर 2 लाख 23 हजार 86 मतदाता हैं। इनमें एक लाख 18 हजार 583 पुरुष तथा एक लाख 4 हजार 501 महिला मतदाता हैं। धौलपुर सीट पर मतदान के लिए कुल 228 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें 71 शहरी तथा 157 ग्रामीण मतदान केंद्र शामिल हैं।

पंजाब में किसानों का आंदोलन खत्म

सीएम मान के साथ बैठक में हुई सहमति, सरकार गन्ने के दाम बढ़ाएगी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की किसान संगठनों के साथ शुक्रवार को हुई बैठक के बाद किसानों ने राज्य में अपना आंदोलन खत्म कर दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बैठक के बाद ऐलान किया कि सरकार जल्द ही गन्ने के दाम बढ़ा देगी और देश में यह दाम अन्य राज्यों के मुकाबले अधिक होंगे। बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा पुलिस महानिदेशक तथा कई अन्य विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे। गन्ने के दाम में बढ़ोतरी की मांग को लेकर किसान चार दिनों से धरने पर हैं। पंजाब में कई जगह सड़कें तथा रेल लाइनें रोकी गई हैं। जिससे हजारों लोग परेशान हो रहे हैं। किसानों से हुई बैठक के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जल्द गन्ना किसानों के साथ-साथ बाढ़ पीड़ित किसानों को भी मुआवजे के रूप में गिफ्ट देंगे। गन्ने के रेट भी बढ़ा दिए जाएंगे। संबंधित विभाग के अधिकारी मेरे साथ मीटिंग में थे, उन्हें आदेश दे दिए गए हैं। मान ने कहा कि किसानों ने सरकार को आश्वासन दिया है कि आगे से वह रेलवे ट्रैक और हाईवे भी जाम नहीं करेंगे। सीएम मान ने कहा कि किसानों के साथ सहमति बनने के बाद शनिवार को चीनी मिल मालिकों को बैठक के लिए बुलाया है। मिलों की तरफ बकाया राशि भी किसानों को दिलवाई जाएगी। मान ने कहा कि मिल मालिक सिर्फ चीनी से ही पैसा नहीं कमा रहे। उन्हें गन्ने से अन्य कई तरह की आमदनी है। उन्होंने कहा कि मिल मालिकों के साथ-साथ किसानों को कोई नुकसान न हो, इसलिए, किसानों के साथ आज बैठक की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने किसानों से आग्रह किया है कि धरना-प्रदर्शन से आम लोग विरोधी हो जाते हैं। किसान उनसे बातचीत के लिए सीधे मिलने आ सकते हैं, अगर सरकार फिर भी उनकी बात नहीं मानती है तो वह प्रदर्शन कर सकते हैं। इस तरह से सड़कें और ट्रेनें बंद होने से आम लोग ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। मान ने कहा कि लोगों को परेशान करके सरकार से बात करना अच्छी बात नहीं है। किसान नेता मंजीत राय समेत आठ नेता बैठक में मौजूद रहे। बैठक में आश्वासन मिलने के बाद ही किसानों ने रेलवे ट्रैक खोला।

आर्य समाज की संस्थाओं के विद्यार्थियों ने किया रोमांचक प्रदर्शन

आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक का 137वां वार्षिक उत्सव हवन-यज्ञ के साथ शुरू

हिसार (हिंस)। पंजाब केसरी शेरे पंजाब लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नगर की ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित आर्य समाज का 137वां वार्षिक उत्सव का शुक्रवार को यज्ञ हवन से शुभारंभ हुआ। इसके मुख्य यज्ञमान समाज के प्रधान हरिसिंह सैनी रहे। कार्यक्रम में डॉ. बलवीर आर्य प्रोफेसर दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक और कैलाश कर्मठ भजनोपदेशक विशेष रूप से उपस्थित हुए हैं। वेद प्रचार अधिष्ठाता स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती ने बताया कि हवन यज्ञ के पश्चात उत्सव का विधिवत उद्घाटन आर्य समाज के प्रधान हरिसिंह सैनी द्वारा ओ3म् ध्वज का ध्वजारोहण करके किया गया। इसके उपरांत शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें आर्य समाज नगर की संस्थाएं आर्य नगर गुरुकुल, कन्या गुरुकुल डोभी, गुरुकुल धीरणवास, कन्या गुरुकुल सिरसा, स्त्री आर्य समाज, डीएवी के स्थानीय विद्यालय, गुरुकुल पंचगामा, भिवानी की कन्याएं व गुरुकुल विद्यापीठ कुंभा खेड़ा के ब्रह्मचारी लाठी, तलवार और व्यायाम, आसन आदि का रोमांचक प्रदर्शन किया। ब्रह्मानंद सरस्वती ने बताया कि तीन दिन तक चलने वाले इस उत्सव में रात्रि कालीन बैठक व प्रातः कालीन सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव में सामाजिक, धार्मिक और देशभक्ति से संबंधित विषयों पर विद्वान और उपदेश अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। स्वामी जी ने बताया कि उत्सव का समापन दिनांक 26 नवंबर को दोपहर एक बजे होगा। समापन के पश्चात ऋषि लंगर की व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर संरक्षक बदलूराम आर्य, प्रधान हरिसिंह सैनी, नरेंद्र पाल मिगलानी, देवेंद्र सैनी, सत्यप्रकाश गोयल, ओमप्रकाश सैनी, ब्रह्मानंद सरस्वती, महाबीर खेड़ा, सतेंद्र रावल, राधेश्याम आर्य, बलराज मलिक, नंदलाल चौपड़ा व कुलदीप ग्रोवर समस्त प्रबंधकर्ता सभा एवं सदस्यगण आर्य समाज आदि मौजूद रहे।

वित्त मंत्री बोलीं– कर्ज बांटने में अति उत्साह से बचें एनबीएफसी–एसएफबी, यह सलाह भी दी

नई दिल्ली ।

असुरक्षित कर्ज पर आरबीआई की सख्ती के बाद अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) व लघु वित्त बैंक (एसएफबी) कर्ज बांटने में अति उत्साह से बचें।साथ ही, वित्तीय संस्थान आरबीआई के सुझाव के अनुरूप कर्ज देते समय सतर्क रहें।

वित्त मंत्री ने बृहस्पतिवार को डेट विद टेक कार्यक्रम में आगाह किया कि एनबीएफसी और एसएफबी को अपनी सीमा रेखा का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, उत्साह अच्छा है, लेकिन कभी–कभी लोगों के लिए इसे पचाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इसलिए, सावधानी के तौर पर आरबीआई ने लघु वित्त बैंकों, एनबीएफसी को सचेत किया है कि वे इस बात को लेकर सावधान रहें और इतनी तेजी से आगे न बढ़ें कि बाद में उन्हें किसी नकारात्मक पहलू का सामना करना पड़े। असुरक्षित कर्ज में तेजी को देखते हुए आरबीआई ने 16 नवंबर को ऐसे ऋण के लिए नियमों को सख्त बना दिया था। इसके तहत केंद्रीय बैंक ने बैंकों और एनबीएफ के लिए जोखिम भारांश 25 फीसदी बढ़ा दिया था। इस पर विश्लेषकों का कहना है कि इससे बैंकों की पूंजी लगत बढ़ जाएगी और पर्सनल लोन जैसे कर्ज महंगे हो जाएंगे। सरकारी सब्सिडी के जरिये डिजिटल लेनदेन को निशुल्क रखने के सवाल पर सीतारमण ने कहा, वह इस पर भविष्यवाणी नहीं कर सकती हैं। लेकिन, सरकार का इरादा इसे तब तक जारी रखने का है, जब तक ज्यादातर लोगों को इसका लाभ न मिल जाए। वित्त मंत्री के मुताबिक, सरकार ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से कहा है कि वह मानदंडों का मसौदा तैयार करते समय हितधारकों से राय मांगे।अगर प्रस्ताव ज्यादा प्रतिबंधात्मक लगे तो उन पर फिर से काम करे।

सीतारमण ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली में जमा राशि प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को और ज्यादा कुशल होने की जरूरत है। सरकारी बैंक जमा प्राप्त करें और अच्छा ब्याज दें, लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि भारत का विकास बैंकों की ओर से उन लोगों को सहजता से कर्ज देने पर निर्भर करता है, जो कारोबार शुरू करना चाहते हैं और उस क्षेत्र में विकास करना चाहते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

33 फीसदी तक बढ़े मकानों के दाम, मजबूत मांग व बढ़ी लागत से औसत कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली । देश के सात प्रमुख शहरों में पिछले तीन वर्षों मकानों की औसत कीमतें 13–33 फीसदी तक बढ़ गई हैं। मजबूत मांग और बढ़ी लागत के कारण औसत आवास कीमतों में तेजी से वृद्धि हुईहै। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, हैदराबाद के गाचीबावली में तीन वर्षों में औसत आवास कीमतें सबसे अधिक 33 फीसदी बढ़ी हैं। हैदराबाद के ही कोंडापुर में आवासीय संपत्तियों की कीमतों में 31 फीसदी और बंगलूरू के व्हाइटफील्ड में 29 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गईहै। दिल्ली–एनसीआर और मुंबई महानगर में तीन वर्षों में मकानों की औसत कीमतें 13–27 फीसदी तक बढ़ी हैं। एनसीआर के ग्रेटर नोएडा वेस्ट में औसत कीमत 27 फीसदी, नोएडा सेक्टर–150 में 25 फीसदी और गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में 21 फीसदी बढ़ी है। पुणे में आवासीय संपत्तियों की कीमतों में 25 फीसदी तक, चेन्नई में 19 फीसदी तक और कोलकाता में 24 फीसदी तक वृद्धि दर्ज की गई। सिग्नेचर ग्लोबल इंडिया के सह–संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक रवि अग्रवाल ने कहा कि जमीन के दाम बढ़ने और निर्माण लागत में वृद्धि के बीच लोगों में उन्नत सुविधाओं के साथ बड़े मकानों की मांग बढ़ी है। इसका असर आवासीय संपत्तियों की कीमतों पर पड़ा है।

सोना 61 हजार से ज्यादा, चांदी की चमक बढ़ी

नई दिल्ली । सोने के वायदा भाव शुक्रवार को गुरुवार के बंद भाव पर ही खुले, जबकि चांदी के वायदा भाव मामूली तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 61 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। चांदी के वायदा भाव 73 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 61,072 रुपये के भाव पर खुला, पिछला बंद भाव भी यही था। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 59 रुपये की तेजी के साथ 61,131 रुपये पर कारोबार कर रहा था। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट शुक्रवार को 1 रुपये की तेजी के साथ 2,899 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह 87 रुपये की तेजी के साथ 72,985 रुपये पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में दोनों की वायदा कीमतों में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 1991.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1992.80 डॉलर था। फिलहाल यह 1.60 डॉलर की तेजी के साथ 1994.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.66 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.68 डॉलर था। फिलहाल यह 0.08 डॉलर की तेजी के साथ 23.77 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया 2 पैसे गिरकर 83.36 प्रति डालर

मुंबई । घरेलू बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 83.36 के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.33 पर खुला। फिर शुरुआती सौदों के बाद 83.36 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.34 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.79 पर रहा।

अडाणी–हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सेबी ने कोर्ट से कहा– जांच के लिए और समय नहीं मांगेगी

नई दिल्ली ।

अडाणी–हिंडनबर्ग मामले में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच सुनवाई कर रही है। इस दौरान मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने कहा कि वह जांच के लिए अब और समय नहीं मांगेगी। 8 महीने से वो इस मामले की जांच कर रही है। 24 जनवरी 2023 को अमेरिका की शॉर्ट–सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटर सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था, लेकिन सबी अभी तक अपनी रिपोर्ट पेश नहीं कर पाई है।

सेबी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की मांग – सेबी की ओर से अब तक रिपोर्ट नहीं सौंपे जाने के कारण बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें अवमानना कार्यवाही की मांग की गई थी। जनहित याचिकाकर्ता विशाल तिवारी ने कहा था कि सेबी को दी गई समय सीमा के बावजूद वह अदालत के निर्देशों का पालन करने में विफल रही है और अपनी फाइनल रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। इससे पहले 30 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई होनी थी, लेकिन इसे टाल दिया गया था। वहीं 20 अक्टूबर को होने वाली सुनवाई को भी 10 दिन यानी 30 अक्टूबर तक के लिए टाल दिया था।

सेबी को 2 पहलुओं पर जांच करने के लिए कहा था – क्या सिक्योरिटीज कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन रूल्स के नियम 19 का उल्लंघन हुआ क्या मौजूदा कानूनों का उल्लंघन कर स्टॉक की कीमतों में कोई हेरफेर हुआ मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग से जुड़ा है नियम 19 कॉन्ट्रैक्ट रेगुलेशन रूल्स का नियम 19 शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनियों की मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़ा है। भारतीय कानून में किसी भी लिस्टेड कंपनी में कम से कम 25 प्रतिशत शेयरहोल्डिंग पब्लिक यानी नॉन इनसाइडर्स की होनी चाहिए। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी विदेश में शेल कंपनियां मैनेज करते हैं।

इनके जरिए भारत में अडाणी ग्रुप की लिस्टेड और प्राइवेट कंपनियों में अरबों डॉलर ट्रांसफर किए गए। इसने अडाणी ग्रुप को कानून से बचने में मदद की।

सेबी जांच में अब तक क्या–क्या हुआ – 2 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक कमेटी बनाई थी और सेबी को भी जांच के लिए 2 महीने का समय दिया था। सेबी को 2 मई तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन सेबी ने सुनवाई के दौरान जांच के लिए 6 महीने की मोहलत मांगी। बेंच ने इसे अगस्त तक बढ़ा दिया। यानी सेबी को अपनी जांच कर रिपोर्ट सौंपने के लिए कुल 5 महीने का समय मिला। 14 अगस्त को सेबी ने अपनी जांच पूरी करने और रिपोर्ट सौंपने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 15 दिन का और समय मांगा। 25 अगस्त को सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट फाइल की। बताया कि 22 जांच फाइनल हो चुकी हैं और 2 अधूरी हैं।

19 मई को कमेटी सार्वजनिक कर चुकी है रिपोर्ट – वहीं सुप्रीम कोर्ट की कमेटी अडाणी–हिंडनबर्ग मामले की जांच रिपोर्ट 19 मई 2023 को सार्वजनिक कर चुकी है। कमेटी ने कहा था कि अडाणी के शेयरों की कीमत में कथित हेरफेर के पीछे सेबी की नाकामी थी, अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। कमेटी ने ये भी कहा था कि ग्रुप की कंपनियों में विदेशी फंडिंग पर सेबी की जांच बेनतीजा रही है।

एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट के पॉइंट...

कमेटी ने रिपोर्ट में कहा– सेबी को संदेह है कि अडाणी ग्रुप में निवेश करने वाले 13 विदेशी फंडों के प्रमोटर्स के साथ संबंध हो सकते हैं।

अडाणी ग्रुप के शेयरों में वॉश ट्रेड का कोई भी पैटर्न नहीं मिला है। वॉश ट्रेड यानी वॉल्यूम बढ़ाने के लिए खुद ही शेयर खरीदना और बेचना।

कुछ संस्थाओं ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट के पब्लिश होने से पहले शॉर्ट पोजीशन ली थी। जब शेयर के भाव गिरे तो इसे खरीदकर मुनाफा कमाया।

अब तक कुल 6 याचिका दायर – मनोहर लाल शर्मा ने याचिका में हिंडनबर्ग रिसर्च के फाउंडर नाथन एंडरसन और भारत में उनके सहयोगियों के खिलाफ जांच करने और एफआईआर की मांग की थी। इसके साथ ही इस मामले पर मीडिया कवरेज पर रोक की भी मांग की गई थी। विशाल तिवारी ने एससी के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक कमेटी बनाकर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच की मांग की थी। तिवारी ने अपनी याचिका में लोगों के उन हालातों के बारे में बताया था जब शेयर प्राइस नीचे गिर जाते हैं। जया ठाकुर ने इस मामले में भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक की भूमिका पर संदेह जताया था।

दुनिया की 8000 कंपनियों में से सिर्फ 35 प्रतिशत में निदेशक पद पर महिलाएं, भारत में स्थिति और भी खराब

नई दिल्ली ।

विश्व में महिला सशक्तीकरण का लक्ष्य पीछे छूटता जा रहा है। भारत में 86 फीसदी कंपनियां ऐसी जहां कॉर्पोरेट बोर्ड सदस्य के रूप में महिलाएं नहीं हैं। दुनिया में करीब 8,000 सूचीबद्ध कंपनियां हैं। इसमें से महज 35 फीसदी कंपनियों में निदेशक पद पर महिलाएं हैं। यानी 65 फीसदी कंपनियों ने कंपनी अधिनियम 2013 को पूरी तरह से लागू करने में आनाकानी कर रही हैं।

यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं के अधिकार के लिए कार्यरत सुजन फर्ग्यूसन ने किया। वह बृहस्पतिवार को एसोचैम की ओर से आयोजित चौथे विविधता और समावेशन उत्कृष्टता पुरस्कार कॉन्क्लेव को संबोधित कर रही थीं। महिला सशक्तीकरण पर चिंता जताते हुए सुजन ने कहा, कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार सूचीबद्ध फर्मों में कम से कम एक महिला निदेशक होना अनिवार्य है। दुनियाभर की 8000 कंपनियों ने महिला सशक्तीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र महिला सिद्धांतों पर हस्ताक्षर किए हैं। बावजूद इसके यह अभी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाया है। सुजन ने कहा, दुनिया में महिलाएं कुल आबादी का आधा हिस्सा हैं, लेकिन मौजूदा वक्त में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 30 फीसदी हैं। विश्वस्तर पर नेतृत्व के एक तिहाई से भी कम पदों पर महिलाओं का कब्जा है। पिछली नौकरी के अनुभव के बजाय यदि भर्ती में केवल कौशल पर आधारित हों तो प्रतिभा पूल में महिलाओं का अनुपात 24 फीसदी बढ़ जाए।

अवसर देने से ही बदलती है धारणा

ट्रांसजेंडरों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाली कार्यकर्ता, डांसर और लेखिका लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा, 10 वर्षों में समाज के मुख्यधारा में महिलाओं को शामिल करने के विचार में काफी बदलाव हुआ है, पर यह दुखद है कि कुछ लोग अभी भी महिलाओं को बराबरी का अवसर देने में कतराते हैं। अवसर देने से ही ट्रांसजेंडरों का यौन कार्य और भीख मांगने की धारणा को बदला जा सकता है।

बदलाव का हिस्सा बनना अच्छी बात

एसोचैम नेशनल सीएसआर एंड एम्पावरमेंट काउंसिल के सह–अध्यक्ष रवि भटनागर ने कहा, बदलाव का हिस्सा बनना बहुत अच्छी बात है। सबका साथ, सबका विकास दर्शन के साथ हम विविधता और समावेशन के साथ अधिक न्याय कर पाएंगे। नीति आयोग की उप सलाहकार डॉ. मुनिराजू एसबी ने कहा, भारत के लोग एकता और विविधता के साथ रहते हैं और सांस लेते हैं।

टाटा टेक्नोलॉजी आईपीओ को रिकॉर्ड 50.6 लाख आवेदन, निजी क्षेत्र की कंपनी में बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के करीब 20 साल बाद आए आईपीओ ने रिकॉर्ड बना दिया है। टाटा टेक्नोलॉजी को दूसरे दिन 50 लाख से ज्यादा आवेदन मिले हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियों में यह अब तक का सबसे ज्यादा आवेदन है। इससे पहले पिछले साल एलआईसी के इश्यू को कुल 73.34 लाख आवेदन मिले थे। हालांकि, उसमें भी 20 लाख से ज्यादा आवेदन खारिज हो गए थे। 2008 में आए अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर को 48 लाख आवेदन मिले थे।

इस साल अब तक कुल 40 आईपीओ आए हैं, जिनमें 38 में निवेशकों ने कमाई की है। इस हफ्ते पांच आईपीओ खुले हैं। इनमें सरकारी कंपनी इरेडा का इश्यू बंद हो गया है। चार के इश्यू बंद होंगे। पिछले साल मई में एलआईसी आईपीओ के बाद शेयर बाजार में उतरने वाली इरेडा पहली सरकारी कंपनी है।

ग्रे मार्केट में भी टाटा टेक शीर्ष पर

ग्रे मार्केट में भी टाटा टेक शीर्ष पर है। इसका प्रीमियम 80 फीसदी है। यानी शेयरों की लिस्टिंग आईपीओ भाव से 80 फीसदी ज्यादा पर हो सकती है। इरेडा का प्रीमियम 31 फीसदी, फ्लेयर का 23 फीसदी, फेडफिना का 4 फीसदी व गांधार आयल के शेयरों का प्रीमियम 45 प्रतिशत है। पिछले दस सालों में छोटी और बड़ी कंपनियों को मिलाकर सबसे ज्यादा 2017–18 में कुल 188 कंपनियां आईपीओ लाई थीं। चालू वित्त वर्ष में 175 से ज्यादा कंपनियां बाजार में उतर चुकी हैं।

हम हफ्ते में तीन दिन काम की ओर बढ़ सकते हैं, गेट्स ने एआई की क्षमता पर की ये टिप्पणी

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव और इसकी क्षमता हमेशा से चर्चा का विषय रही है। कई जानकार मानते हैं कि यह मनुष्य की क्षमताओं पर भारी पड़ सकता है। दूसरी ओर कई लोग यह भी मानते हैं कि एआई की क्षमता और बुद्धिमत्ता के कारण नौकरियां आधी रह जाएंगी। हालांकि एक पॉडकास्ट के दौरान माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने कहा कि एआई नौकरियां तो नहीं छीनेगा पर यह नौकरियों का स्वरूप हमेशा के लिए बदल देगा। गेट्स ने इस दौरान एआई और हफ्ते में तीन दिन काम के मसले पर अपनी राय रखी।

बिल गेट्स ने ट्रेवर नोआ के पॉडकास्ट व्हाट नाऊ के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमता और उसके खतरों पर चर्चा की। इस दौरान अरबपति ने कहा कि कामकाज में एआई का इस्तेमाल होने से हमें हफ्ते में तीन काम की ओर बढ़ सकते हैं। पॉडकास्ट के दौरान इस बात पर चर्चा की गई कि कैसे तकनीक मानवता को फायदा पहुंचा रहा है हमारे जीवन में अच्छे काम करने के तरीके को बदल रहा है।

45 मिनट के सेशन के दौरान गेट्स ने मानवता के लिए इस्तेमाल में आने वाली तकनीक जैसे एआई पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि असरकारी बदलाव और सरकार की मदद से अब लोगों को हफ्ते में 40 से 48 घंटे ही काम करने की जरूरत रह जाएगी। एआई के कारण लोगों के पास पहले की तुलना में अधिक खाली समय होगा। एआई के कारण एक ऐसा समय भी आएगा जब लोगों को कठिन परिश्रम करने की जरूरत नहीं होगी। गेट्स ने कहा कि भविष्य में ऐसा समय भी आ सकता है जब लोगों को हफ्ते में केवल तीन ही काम करने की जरूरत होगी, और यह बिल्कुल सामान्य होगा। कई अध्ययन में यह बात सामने आई कि 2033 तक अमेरिका और ब्रिटेन में लोग हफ्ते में चार दिन काम करने की प्रथा की ओर बढ़ सकते हैं। गेट्स ने कहा कि एआई के बढ़ते प्रभाव के नतीजे ना केवल नाटकीय होंगे बल्कि यह पर्सनल कंम्प्यूटर के युग की शुरुआत जैसा बड़ा बदलाव भी होगा।

बच्चों को सब कुछ सौंपने से पहले मां-बाप को सावधानी से सोचना चाहिए, रेमंड सीएमडी के पिता ये बोले

नई दिल्ली ।

रेमंड के मालिक गौतम सिंघानिया के पिता विजयपत सिंघानिया ने गुरुवार को अपने बेटे के अपनी पत्नी नवाज मोदी से अलग होने के बाद पैदा हुए ताजा संकट पर प्रतिक्रिया दी है। रेमंड को एक छोटी फैब्रिक कंपनी से विश्व प्रसिद्ध ब्रांड में बदलने और फिर 2015 में गौतम को बागडोर सौंपने वाले विजयपत ने कहा कि उन्होंने अपने बेटे को सब कुछ सौंपकर बेवकूफी की। उन्होंने किा कि माता–पिता को अपने बच्चों को सब कुछ देने से पहले बहुत सावधानी से सोचना चाहिए।

2017 में, विजयपत ने अपने बेटे पर दक्षिण मुंबई में अपनी पारिवारिक संपत्ति जेके हाउस बिल्डिंग से बाहर निकालने का आरोप लगाया। इस महीने की शुरुआत में, नवाज मोदी ने कहा था कि गौतम सिंघानिया ने दिवाली समारोह के दौरान उन्हें घर में नहीं आने दिया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक विशेष साक्षात्कार में, विजयपत ने कहा कि गौतम कंपनी के कुछ हिस्सों को देने के लिए सहमत हुए थे, लेकिन वह पीछे हट गए। मेरा कोई बिजनेस नहीं है। वह मुझे कंपनी के कुछ हिस्से देने के लिए सहमत हो गए थे, लेकिन निश्चित रूप से, वह पीछे हट गए। इसलिए मेरे पास और कुछ नहीं है। मैंने उसे सब कुछ दिया। गलती से, मेरे पास कुछ पैसे बच गए थे, जिस पर मैं आज जीवित हूं। अन्यथा, मैं सड़क पर होता।

पूर्व कपड़ा कारोबारी ने कहा कि गौतम उन्हें सड़क पर देखकर खुश होंगे। मुझे इस बात का यकीन है। अगर वह अपनी पत्नी को इस तरह बाहर फेंक सकता है, उसने पिता को इस तरह बाहर कर दिया। तो मुझे नहीं पता कि वह कैसा इंसान है।

रेमंड के मौजूदा चेयरमैन और एमडी गौतम सिंघानिया ने 13 नवंबर को अपनी पत्नी नवाज मोदी से अलग होने की घोषणा की थी। अलग होने के बाद नवाज मोदी ने कथित तौर पर गौतम सिंघानिया की 11000 करोड़ रुपये की संपत्ति का 75 प्रतिशत हिस्सा मांगा है।

इस मांग पर विजयपत ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत अलग होने की स्थिति में पति की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी स्वतः ही पत्नी के पास चली जाती है। उसे इसके लिए लड़ने की आवश्यकता नहीं हो सकती है। एक बहुत ही साधारण वकील उसे हिंदू विवाह अधिनियम के तहत यह दिला सकता है।

पूर्व उद्योगपति ने कहा कि गौतम सिंघानिया अपनी संपत्ति का 75 प्रतिशत उन्हें देने के लिए कभी राजी नहीं होंगे। वह 75 प्रतिशत के लिए क्यों लड़ रही है गौतम कभी हार नहीं मानने वाले हैं, क्योंकि उनका आदर्श वाक्य है– हर किसी को खरीदें और सब कुछ खरीदें। यही उसने मेरे साथ किया। मेरे पास उससे लड़ने के लिए इतना पैसा नहीं बचा था। उसने सब कुछ खरीद लिया। वह सब कुछ खरीद लेगा। इस तरह से लड़ने से, मुझे नहीं लगता कि उसे बहुत कुछ मिलेगा। जब तक कि उनके पास हरीश साल्वे, मुकुल रोहतगी, कपिल सिब्बल जैसा व्यक्ति न हो।

विजयपत ने कहा कि अगर नवाज एक अच्छा वकील रख सकती हैं तो इस बात की पूरी संभावना है कि उन्हें कम से कम हिंदू विवाह अधिनियम के तहत आने वाली राहत मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि चूंकि नवाज पारसी हैं, इसलिए यह जांचना होगा कि वह हिंदू विवाह अधिनियम के दायरे में आती हैं या नहीं।

गौतम सिंघानिया ने नवाज मोदी द्वारा लगाए गए मारपीट के आरोपों सहित हालिया घटनाक्रम पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, अपनी दो खूबसूरत बेटियों के हित में, मैं अपने परिवार की गरिमा बनाए रखना चाहूंगा और मैं कोई टिप्पणी करने से बचूंगा। कृपया मेरी निजता का सम्मान करें।

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड पाकर भावुक हुईं एकता कपूर

इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 में बेस्ट कॉमेडी के लिए वीर दास ने इंटरनेशनल एमी खिताब को जीतकर इतिहास रच दिया। यह वीर का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकन है। कॉमेडियन और अभिनेता ने अपने नेटफ्लिक्स कॉमेडी स्पेशल, वीर दासः लैंडिंग के लिए पुरस्कार जीता। इस बीच, निमार्ता एकता कपूर को 51वें इंटरनेशनल एम्मीज में इंटरनेशनल एमी डायरेक्टोरेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वीर की जीत की घोषणा करते हुए, इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स के आधिकारिक एक्स हैंडल ने ट्वीट किया, हमारे पास टाई है! कॉमेडी के लिए इंटरनेशनल एमी वीर दासः लैंडिंग को जाती है जो वियर्डास कॉमेडी/रॉटेन साइंस/नेटफ्लिक्स द्वारा निर्मित है। समारोह में एकता कपूर को उनके अग्रणी करियर और भारतीय टेलीविजन परिदृश्य पर प्रभाव के लिए निदेशालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एकता ने अपनी जीत के पल का वर्णन करते हुए इसे चौंकाने वाला, आश्चर्यजनक बताया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उन्होंने कहा, यह आपके लिए है इंडिया। हम आपकी एमी को घर ला रहे हैं।

राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी में 14 साल बाद भी पहली नजर वाला प्यार

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और राज कुंद्रा अपनी शादी की 14वीं सालगिरह मनायी। शादी के 14 साल बाद भी दोनों में वही पहली नजर वाला प्यार कायम है, शिल्पा शेट्टी ने शादी की सालगिरह पर पति राज कुंद्रा को कुछ इस अंदाज में विश किया। शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की जोड़ी बॉलीवुड की उन मशहूर रोमांटिक कपल्स में गिनी जाती है जो सालों बाद भी किसी नए जोड़े की तरह नजर आते हैं। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम के माध्यम से एक वीडियो साझा कर राज को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक-दूसरे के प्रति प्यार और आभार व्यक्त करते हुए, अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दिल छू लेने वाले वीडियो के साथ एक स्लाइड शो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने एक प्यारा सा संदेश दिया, 14 साल। राज ने भी सालगिरह के जश्न में अपना योगदान दिया, एक जीवंत वीडियो कर इसे मजाकिया ढंग से कैप्शन दिया, 14 साल और आप अभी भी एक वाह की तरह दिख रही हैं! वीडियो के शेयर होने के बाद एक्ट्रेस के फैन्स ने इस खुशी के मौके पर उन्हें बधाई दी। प्रशंसकों ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा को सालगिरह की शुभकामनाएं दीं।

बिग बॉस में मुनव्वर से बात कर अंकिता ने सुशांत को लेकर कहा

मुंबई (ईएमएस)। रियलिटी शो बिग बॉस में अक्सर अंकिता लोखंडे अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करती नजर आती हैं। उन्होंने शो के दौरान कई बार स्व.अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के बारे में भी बात की है। हाल ही में अंकिता मुनव्वर फारुखी से सुशांत के बारे में बात करती हुई नजर आईं। अंकिता कहती हैं कि उनकी दिल टूटने को लेकर शायरी उन्हें पुरानी यादें ताजा करा देती हैं। वह कहती हैं मत बोल ये सारी चीजें, वहां हिट करती हैं बुरी तरह। लेकिन मुझे बहुत पसंद आया जो तुमने कहा। इसके बाद अंकिता सुशांत की फिल्म एमएस धोनी का कौन तुझे गाना गाने लगती हैं। सुशांत को याद करते अंकिता मुनव्वर से कहती हैं कि बहुत अच्छा इंसान था वहां। मैं इसतरह बोलती हूं ना कभी, था। मुझे बहुत अजीब लगता है। मतलब अभी तब ठीक है नॉर्मल हो गया है। विक्की का भी दोस्त है ना सुशांत तब वहां अब नहीं रहा इस दुनिया में तब ये बहुत ही खराब फीलिंग है। मुनव्वर अंकिता से सुशांत की डेथ के बारे में पूछते हैं। अंकिता कहती हैं, अभी ये बात नहीं करना चाहती लेकिन ऐसा नहीं है कि मुझे ये तुझे नहीं बताना है। मुनव्वर से बात कर अंकिता ने खुलासा किया कि वह सुशांत के अंतिम संस्कार में नहीं गई थीं। अंकिता ने कहा, मैं उसके फ्यूनरल पर भी नहीं गई थी। मैं जा ही नहीं पाई। मुझे लगा मैं नहीं देख सकती ये। मैं ये देख सकती थी। अंकिता ने कहा कि विक्की ने बोला कि तू जाकर आ। मैंने कहा नहीं। कैसे देख सकती हूं। मैंने वहां अनुभव ही नहीं किया था कभी लाइफ में। मैंने पहली बार अपने पापा को देखा था इसतरह। मुझे पता चला कि किसी का जाना क्या होता है। मैं पापा को बार-बार बिग बॉस के बारे में बोलती थी। ये सारी चीजें हिट करती हैं।

एक्स ब्वॉयफ्रेंड सिद्धार्थ मल्होत्रा के बारे में आलिया ने बताया अनसुना सच

सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट ने एक लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट किया है। दोनों कलाकारों ने साल 2012 में अपने करियर की शुरूआत करण जौहर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द इयर से की थी। अब हाल ही में आलिया भट्ट ने पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा का एक ऐसा राज खोला जिसके बारे में शायद नहीं पता होगा। आज के समय में आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री के टॉप स्टार्स बन चुके हैं। स्टूडेंट ऑफ द ईयर के बाद दोनों ने काफी समय तक एक-दूसरे को डेट किया, लेकिन किन्हीं निजी कारणों की वजह से साल 2017 में दोनों ने अपनी राहें अलग कर ली। अब हाल ही में आलिया भट्ट ने सिद्धार्थ के बारे में एक ऐसा अनसुना सच बताया, जिसे सुनकर शायद कियारा आडवाणी को ईर्षा हो सकती है। ब्रेक अप के बाद भी आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा एक-दूसरे के अच्छे दोस्त हैं।

क्या कहा ऐसा, नहीं मांगूगा माफी : मंसूर अली खान

-तृषा कृष्णन पर बेडरूम कमेंट के बाद अड़े एक्टर

मुंबई (ईएमएस)। साउथ एक्टर मंसूर अली खान ने लियो फिल्म की एक्ट्रेस तृषा कृष्णन पर बेडरूम और रेप कमेंट किया था। इसके बाद से तृषा ने नाराजगी जाहिर की थी। तृषा कृष्णन को लेकर किए गए भद्दे कमेंट वाला मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंसूर के इस बयान पर पूरी साउथ इंडस्ट्री उनके खिलाफ हो गई है। तृषा के सपोर्ट में साउथ एक्टर चिरंजीवी सहित भाजपा नेता खुशबू सुंदर भी उतर चुके हैं। एक्टर ने इस मामले में माफी मांगने से इनका कर दिया है। वहीं, अब इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिल्म लियो का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया था। फिल्म दशहरा के मौके पर 19 अक्टूबर को रिलीज हुई थी। फिल्म में थलापति विजय के साथ तृषा कृष्णन भी अहम भूमिका में थीं। वहीं, मंसूर अली खान ने फिल्म में लियो के साथी का किरदार निभाया था। हाल ही मंसूर ने तृषा को लेकर भद्दा कमेंट किया, जिस पर अब बवाल खड़ा हो गया है। तृषा और मंसूर के विवाद में ताजा अपडेट सामने आया है। खबर के अनुसार, नुंगामबक्कम पुलिस ने मंसूर अली खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उनके तृषा पर किए गए असम्मानीय कमेंट को लेकर चेन्नई पुलिस ने आईपीसी की धारा 354ए और 509 के तहत मामला दर्ज किया है। तृषा और मंसूर के विवाद में ताजा अपडेट सामने आया है।जानकारी के अनुसार, नुंगामबक्कम पुलिस ने मंसूर अली खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उनके तृषा पर किए गए असम्मानीय कमेंट को लेकर चेन्नई पुलिस ने आईपीसी की धारा 354ए और 509 के तहत मामला दर्ज किया है। मंसूर अली खान पर भले ही मामला दर्ज हो गया हो लेकिन वे अपनी कमेंट को गलत नहीं मान रहे हैं। मामले के तूल पकड़ने के बाद उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखी। मंसूर का कहना है, नदीगर संगम ने माफी मांगने तक अस्थायी प्रतिबंध लगाकर गलती की है। जब ऐसा कोई मुद्दा हुआ, तो उन्होंने मुझसे स्पष्टीकरण भी नहीं मांगा। मंसूर ने आगे कहा कि, नदीगर संगम को मुझे फोन करना चाहिए था या नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगना चाहिए था। मामले की जांच होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मेरी बातों का मतलब व्यक्तिगत तौर पर नहीं था।मंसूर ने अपनी बात रखते माफी मांगने से इनकार कर दिया। उनका कहना था, अगर सिनेमा में शोषण या मर्डर का सीन होता है, तो क्या वो रियल होता है? क्या इसका मतलब सच में किसी का शोषण करना है? फिल्मों में मर्डर करने का क्या मतलब है? क्या इसका अर्थ यह है कि वे सच में किसी की जान ले रहे हैं? मैं माफी क्यों मांगू? मैंने कुछ गलत नहीं कहा। मैं सभी एक्ट्रेस का सम्मान करता हूं। मंसूर अली खान ने कहा था कि उन्हें लगा था कि लियो में तृषा के साथ बेडरूम या रेप सीन होगा लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इस कमेंट के बाद तृषा कृष्णन ने कहा था अच्छा हुआ मेरा कोई सीन इनके साथ नहीं था, मैं भविष्य में भी कभी घटिया मानसिकता वाले एक्टर साथ काम नहीं करूंगी।

नाती वायु की याद सता रही है अनिल कपूर को

अनिल कपूर जब से नाना बने हैं तब से वे ज्यादा से ज्यादा वक्त वायु के साथ गुजारते हैं। अब उन्हें अपने नाती की वायु की याद सता रही है उसकी याद में उन्होंने कुछ फोटोज भी शेयर की हैं जिसमें में नाना और नाती की जोड़ी लोगों को काफी पसंद आ रही है। गत वर्ष एक्ट्रेस सोनम कपूर बेटे वायु आहूजा की मां बनी थी। अगस्त माह में एक्ट्रेस सोनम कपूर ने अपने बेटे का पहला जन्मदिन मनाया है। इस खास अवसर पर पूरा आहूजा और कपूर परिवार शामिल हुआ था। अनिल कपूर ने नाती वायु संग तस्वीरे साझा की हैं। तस्वीर में नाना अनिल वायु के साथ सोफे पर बैठे हंसते हुए नजर आ रहे हैं और वायु का चेहरा ब्लैक हैट से छुपा हुआ है। वहीं, दूसरी फोटो में अनिल वायु को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। इस दौरान सोनम भी नजर आ रही हैं। सोनम कपूर ने अपने पापा की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, वायु आपको बहुत मिस करता है नाना और आपके हैट को भी।

बॉलीवुड अभिनेत्री रति अग्निहोत्री के बेटे तनुज विरवानी ने गर्लफेंड तान्या जैकब संग की गुपचुप सगाई

बॉलीवुड अभिनेत्री रति अग्निहोत्री के बेटे एक्टर तनुज विरवानी ने अपनी सगाई की। एक्टर ने फोटोज शेयर कर सभी को हैरान कर दिया। बेटे की सगाई की फोटोज पर मां रति अग्निहोत्री ने भी कमेंट कर बधाई दी है। सामने आई फोटो में ये कपल एक-दूसरे के साथ कोजी होता नजर आ रहा है । एक के बाद एक सेलेब्स शादी के बंधन में बंधते नजर आ रहे हैं। यह है कि अब फिल्मी गलियारों में शादी के सीजन की शुरूआत हो चुकी है।

फिल्म लापता लेडीज की रिलीज डेट की घोषणा

-1 मार्च 2024 को होगी सिनेमाघरों में रिलीज

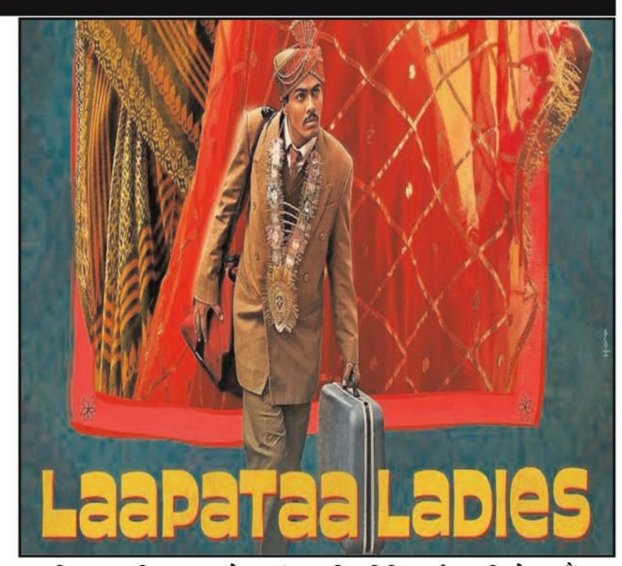

मुंबई (ईएमएस)। किरण राव द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म लापता लेडीज की रिलीज डेट की घोषणा की है। जियो स्टूडियोज और आमिर खान प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित यह फिल्म आगामी 1 मार्च 2024 को रीलिज होगी। फिल्म का टीजर पहले से ही किरण द्वारा बनाई गई हंसी-मजाक से भरी दुनिया की एक खूबसूरत झलक पेश कर चुका है, जिसका अनुभव करने के लिए ऑडियंस बेसब्र है। ऑडियंस को और भी उत्साहित करने के लिए मेकर्स ने अब एक नए पोस्टर के साथ कॉमेडी एंटरटेनर की रिलीज डेट का ऐलान किया है, जिसमें लापता लेडीज की अनोखी दुनिया की एक झलक मिलती है।

वैसे किरण राव, अपने दूसरे निर्देशन में, एक सिनेमाई प्रस्तुति देने के लिए तैयार हैं, जिसने पहले ही विश्व स्तर पर बहुत सारा प्यार हासिल किया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है। फिल्म का स्क्रीनप्ले और डायलॉग स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि बाकी डायलॉग को दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं।बता दें, ये फिल्म हाल ही में प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआ-ईएफएफ) में स्टैंडिंग ओवेशन के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराही गई, जिससे ये दुनिया भर में गहरा प्रभाव छोड़ गई।

बेटी जियाना से कभी भी आकर मिल सकते हैं राजीव, मैं सब कुछ सरल रखाना चाहती हूं

टीवी अभिनेत्री चारू असोपा ने बताया

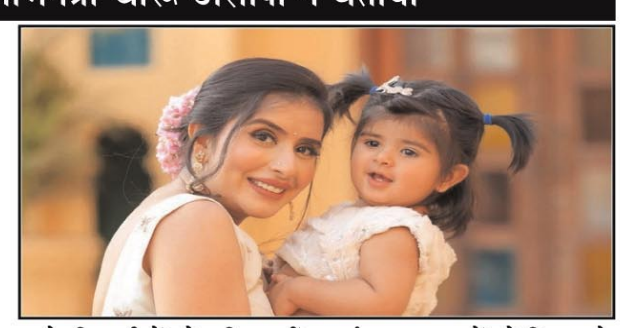

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेत्री चारू असोपा ने पिछले साल पति राजीव सेन संग अपनी निजी जिंदगी को लेकर खूब सुर्खियां बटोरीं। शादी और बेटी के जन्म के कुछ समय बाद ही दोनों का तलाक हो गया था। हालांकि, तलाक के बाद भी दोनों बेटी की अच्छे से परवरिश कर रहे है। अब हाल ही में चारु ने अपने पूर्व पति राजीव के साथ अपने संबंधों और बेटी की परवरिश पर खुलकर बात की। चारू ने कहा कि वह अपनी बेटी जियाना के लिए सब कुछ सरल रखना चाहती है और वह जब चाहे अपने पिता से मिल सकती है। वह जियाना के लिए कोई बंदिश नहीं रखना चाहती। चारु ने कहा, मैं जियाना के लिए इन चीजों को बहुत सरल रखने जा रही हूं, क्योंकि मैं उसके लिए चीजों को जटिल नहीं बनाना चाहती। इसकारण मुझे स्पष्ट रूप से राजीव के साथ सौहार्दपूर्ण रहना होगा। चारू ने बताया कि राजीव सेन जब चाहें आकर उनकी बेटी से मिल सकते हैं। जब भी ज़ियाना से जुड़ी कोई बातहोती है, तब वह और राजीव कभी-कभार मिलते हैं। चारू ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने पूर्व ससुराल वालों को जियाना के बर्थडे पर आमंत्रित किया था, ताकि हर कोई दिल खोलकर आनंद उठा सके। बता दें, चारू असोपा और राजीव सेन की बेटी जियाना 1 नवंबर, 2023 को दो साल की हो गई हैं और इस मौके पर चारु ने भव्य पार्टी होस्ट की थी, जहां उनकी पूर्व ससुराल फैमिली भी शामिल हुई थी।

सूडोकु नवताल- 6622

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6621 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्दजाल - 7369

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

शब्दजाल में देश के दस राज्यों की राजधानियां ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

जयपुर,गांधीनगर,बैंगलोर,हैदराबाद, भोपाल, श्रीनगर, पटना, कोलकाता, मुंबई,भुवनेश्वर

शब्दजाल - 7368 का हल

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्निं
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6322

3		4			1	2
2	33		34	6	30	
5		7			3	
	42		25	1	22	6
	6	5			2	
	36		34	4	31	3
1	2	3		5		7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6321 का हल

3	5	4	6	7	1	2
2	33	1	36	6	27	5
7	6	5	4	3	2	1
4	42	2	25	1	22	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

युवराज सिंह और महेंद्र सिंह धोनी की जगह लेने को तैयार तिलक वर्मा और रिंकू सिंह

रायपुर। विश्वकप के फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद से सवाल उठे हैं, कि विश्व चैम्पियन बनने के लिए टीम में युवराज सिंह और महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया जाना चाहिए। दरअसल, भारतीय टीम ने पिछले कुछ सालों में बड़े मैचों में युवराज और धोनी को काफी मिस किया है।

क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले करीब 15 वर्षों से टीम के मिडिल और लोअर ऑर्डर की जिम्मेदारी संभाल रखी थी। युवराज जहां नंबर-4 पर आकर टीम को स्थिरता प्रदान करते थे, वहीं धोनी नंबर-6 पर आकर फिनिशर की भूमिका निभाते थे। युवी और धोनी के रिटायर होने के बाद टीम को आजतक इन दोनों खिलाड़ियों का सही विकल्प नहीं मिल सका है।

लेकिन अब टीम ने युवी और धोनी का विकल्प तलाश लिया है। उनकी जगह लेने को तिलक वर्मा और रिंकू सिंह नाम के युवा खिलाड़ी तैयार हैं। तिलक की भूमिका युवराज जैसी और रिंकू का रोल धोनी जैसा हो सकता है। युवी की तरह तिलक भी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और नंबर-4 पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं। इसके अलावा वह पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाजी करके भी टीम के लिए योगदान दे सकते हैं।

वहीं, धोनी का विकल्प रिंकू हो सकते हैं, जिन्होंने आईपीएल के पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए शानदार पारियां खेलने के अलावा गुजरात टाइटन्स के खिलाफ एक मैच में के आखिरी पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के जड़कर सुर्खियां बटोरी थी। अब रिंकू भारतीय टीम के लिए भी वहीं जिम्मेदारी निभाना शुरू कर चुके हैं।

रिंकू को भारतीय टीम में नंबर-6 और 7 पर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है। वह निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। रिंकू की बड़े शॉट्स खेलने की काबिलियत और विपरित परिस्थितियों में हार न मानने का जज्बा भविष्य में उन्हें धोनी जैसा फिनिशर बना सकता है।

न्यूज ब्रीफ

डेविड वॉर्नर ने अगले वर्ल्ड कप के लिए मो. कैफ को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की हार के बाद जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ टीम इंडिया की तारीफों के कसीदे गढ़े तो ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डेविड वॉर्नर ने अगले वर्ल्ड कप के लिए भी चुनौती दे डाली। डेविड वॉर्नर वर्ल्ड कप के बाद इन दिनों सोशल मीडिया पर पूरी तरह एक्टिव दिख रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वॉर्नर अगले वर्ल्ड कप के लिए लिए फिर चेतावनी दे रहे हैं। उनके कुछ पोस्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे थे। लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया के पुष्पा ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर को करारा जवाब दे दिया है। जब मोहम्मद कैफ ने टीम इंडिया की हार के बाद बयान दिया था, 'मैं ये स्वीकार नहीं करता कि बेस्ट टीम वर्ल्ड कप विनर होती है, टीम इंडिया पेपर्स में बेस्ट टीम है।' एक फैन द्वारा कैफ के इस बयान को पोस्ट किया गया, जिसपर डेविड वॉर्नर ने खरा रिप्लाई किया है। उन्होंने सीधे 2027 वर्ल्ड कप की चेतावनी दे डाली है। मोहम्मद कैफ के बयान पर डेविड वॉर्नर ने लिखा, 'मुझे पसंद है एमके (मोहम्मद कैफ), मुद्दा यह है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कागज पर क्या है अंत में आपको तब प्रदर्शन करना होगा जब इसकी जरूरत हो, इसलिए इसे फाइनल कहते हैं। यही वह दिन है जो मायने रखता है और यह किसी भी दिशा में जा सकता है, यह खेल है। 2027 फिर आते हैं।' बता दें कि वर्ल्ड कप से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि डेविड वॉर्नर का यह आखिरी वर्ल्ड कप होगा। वे 37 साल के हो चुके हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने खेल वेबसाइट पर जो रिप्लाई किया, उससे कहा जा सकता है कि वे अगले वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा होंगे। वॉर्नर ने उसपर लिखा, 'किसने कहा मेरा काम खत्म हो गया है।

एन, गिंटिंग बैडमिंटन चाइना मास्टर्स से बाहर

शेनझेन। महिला एकल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से-यंग और पुरुष एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के गिंटिंग एंथोनी सिनिसुका यहां 2023 बीडब्ल्यूएफ चीन मास्टर्स के दूसरे दौर में हार गए। विश्व चैंपियन एन को चीन की वांग झीयी से लगातार गेमों में 21-12, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा,

उन्होंने कहा कि वह अभी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की चेन युफेई भी मलेशिया के गोह जिन वेई को 21-9, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। पुरुष एकल मुकाबले में गिंटिंग को गैर वरीय चीनी ताइपे के लिन चुन-यी ने 21-18, 21-17 से हराया। लिन का सामना चीनी शटलर झाओ जुनपेंग से होने वाला है, जिन्होंने डेनमार्क के रासमस गेम्के को 21-13, 21-14 से हराया। जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका को डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन पर 21-19, 12-21, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए 110 मिनट के कठिन मैच का सामना करना पड़ा।

दिसंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी एआईएफएफ यूथ लीग

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने अंडर-17 संस्करण के साथ एआईएफएफ यूथ लीग की शुरुआत की घोषणा की, जो दिसंबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। निष्पक्ष खेल सुनिश्चित करने के प्रयास में, एआईएफएफ आयु धोखाधड़ी को खत्म करने के लिए एक व्यापक रणनीति के हिस्से के रूप में जनवरी से शुरू होने वाले अंडर-13 और अंडर-15 यूथ लीग के लिए टीडब्ल्यू3 टेस्ट आयोजित करेगा। इसमें 50 से अधिक टीमों के भाग लेने की उम्मीद है जिसमें इंडियन सुपर लीग (आईएसएल), आई-लीग, आई-लीग 2 और एआईएफएफ अकादमी मान्यता के साथ एलीट अकादमियों की टीमों को सीधे प्रवेश दिया जाएगा। एआईएफएफ अकादमी मान्यता का पहला दौर पूरा हो गया, जिसमें विशिष्ट श्रेणी की 30 अकादमियों को विभिन्न मानदंडों को पूरा करने के आधार पर मान्यता प्रदान की गई। मानदंड में आवासीय सेटअप, तकनीकी और प्रशासनिक कर्मचारी, चिकित्सा और शिक्षा प्रावधान और अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताएं जैसे कारक शामिल थे। उन्नत और बुनियादी मानदंड मान्यता बाद में पूरी की जाएगी। राष्टीय मान्यता को अपने उद्देश्य के प्रति सच्चा और निष्पक्ष बनाए रखने के लिए- एआईएफएफ ने मान्यता प्राप्त अकादमियों के लिए औचक निरीक्षण करने की योजना बनाई है। मान्यता नीति के अनुसार किसी भी विसंगति या मानदंडों का अनुपालन न करने पर अकादमी की मान्यता रद्द की जा सकती है।

नासा तैयार करता है रोनाल्डो का डाइट प्लान

पाकिस्तान के रमीज राजा का अजीबोगरीब बयान

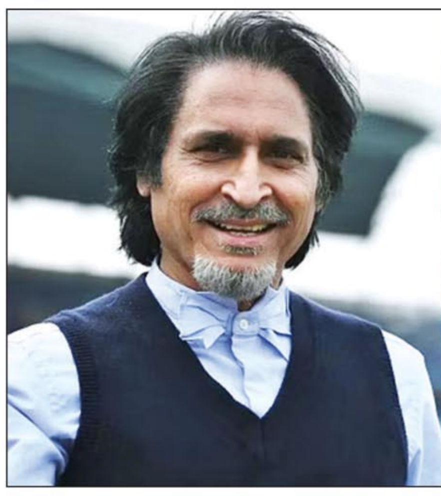

कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष रमीज राजा ने चौंकाने वाला दावा किया है कि स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की डाइट प्लान नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई है। रोनाल्डो अपनी शानदार फिटनेस के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां तक कि भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, जिन्होंने अपनी फिटनेस से क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को भी प्रेरित किया है, उन्होंने भी स्टार फुटबॉलर की प्रशंसा की है। कोहली रोनाल्डो को अपना आदर्श मानते हैं और फिटनेस को लेकर उनसे प्रेरित हैं। 38 साल की उम्र में, रोनाल्डो वर्तमान पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ एथलीट और दुनिया के महानतम फुटबॉलर्स में से एक हैं। हालांकि रोनाल्डो पर रमीज की टिप्पणी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। रमीज ने पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल से कहा, रोनाल्डो का जो डाइट प्लान है वो नासा के वैज्ञानिकों ने सेट किया है। रमीज का यह बयान एथलीट में फिटनेस को लेकर आया है। रोनाल्डो इस साल अब तक 46 गोल कर चुके हैं और इस दौरान उन्होंने 12 असिस्ट भी किए हैं यानी मौके बनाए हैं। वह मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालंद (48) और बायर्न म्यूनिख के हैरी केन (47) के बाद इस कैलेंडर वर्ष में तीसरे सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। यूरो कप 2024 क्वालिफायर्स में रोनाल्डो को स्टार्टिंग लाइन अप में रखा गया। पुर्तगाल ने पिछले हफ्ते यूरो 2024 क्वालीफायर में लिचेंस्टीन और आइसलैंड को हराया था। वह लिचेंस्टीन के खिलाफ गोल करने वाले खिलाड़ी भी रहे थे और आइसलैंड के खिलाफ रिकार्डो होर्टा के गोल की नींव रखी थी। पुर्तगाल ने दोनों मुकाबले 2-0 से जीते। पुर्तगाल अगले साल जर्मनी में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका था, लेकिन क्वालिफायर में शत प्रतिशत रिकॉर्ड बरकरार रखने के लिए उसे दोनों मैचों में जीत की जरूरत थी। रोनाल्डो ने मैनेजर एरिक टेन हाग के साथ मतभेद के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़कर सऊदी अरब की टीम अल नस्र से जुड़ने का फैसला किया था। वह अब तक 205 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 128 गोल दाग चुके हैं और सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में शीर्ष पर हैं। अर्जेंटीना के लियोनल मेसी 106 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईरान के पूर्व फुटबॉलर अली देई 108 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं। भारत के सुनील छेत्री 93 गोल के साथ चौथे स्थान पर हैं।

प्रणय ने मैग्नस को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह, सात्विक-चिराग भी अंतिम-8 में

शेनझेन। भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी सात्विक साइराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी चीन मास्टर्स में अपने-अपने वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-12, 21-18 से हराया। पुरुष एकल वर्ग में प्रणय अकेले भारतीय खिलाड़ी बचे हैं। आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना अब जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाइ नाराओका से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त चिराग और सात्विक ने भी जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो को 21-15, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से होगा। प्रणय ने जापानी खिलाड़ी के खिलाफ अच्छी शुरुआत करके पहले गेम में 6-1 की बढ़त बना ली। डेन ने बाद में यह अंतर 8-6 का और 14-11 का कर दिया। इसके बाद प्रणय ने अपने सारे अनुभव का इस्तेमाल करके पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का रहा और 15 अंक तक दोनों ने जबर्दस्त खेल दिखाया। एक समय पर 18-18 से स्कोर बराबर था लेकिन प्रणय ने आखिरी क्षणों में दबाव बनाकर जीत दर्ज की।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर पर लगा 6 साल का बैन

नई दिल्ली।

वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर मार्लन सैमुअल्स परेशानी में घिर गए हैं। दरअसल आईसीसी ने कड़ा एक्शन लेकर उनपर 6 साल का बैन लगा दिया है। उन्होंने साल 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट संन्यास का ऐलान कर दिया था। लेकिन अब दोषी होने के कारण उन्हें 6 साल के लिए क्रिकेट से बैन किया गया है। आईसीसी के बैन के बाद वह दुनिया भर की टी20 लीग में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दरअसल, सैमुअल्स ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड में रहकर एंटी करप्शन कोड का उल्लंघन किया है। जिसके बाद उन्हें क्रिकेट से बैन कर दिया गया है। अब सैमुअल्स दुनिया भर की टी20 लीग में हिस्सा नहीं ले सकते हैं। आईसीसी ने बताया कि बैन पूरे 6 साल तक रहेगा। जो 11 नवंबर 2023 से शुरू होगा। आईसीसी इंटीग्रिटी यूनिट के प्रमुख एलेक्स मार्शन ने प्रतिबंध की घोषणा कर कहा, सैमुअल्स करीब दो दशकों तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते रहे हैं। इस दौरान उन्होंने एंटी करप्शन सेशन में कई बार हिस्सा लिया। एंटी करप्शन को लेकर क्या जिम्मेदारी बनती है। इससे उन्हें परिचित होना चाहिए था। इससे पहले ईसीबी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत नामित भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी की भूमिका में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सितंबर 2021 में सैमुअल्स पर 2019 में टी20 लीग के दौरान भ्रष्टाचार रोधी संहिता के चार नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए थे।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में सैमुअल्स ने 71 टेस्ट, 207 वनडे अंतरराष्ट्रीय और 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। जिसमें उन्होंने 11,134 रन बनाने के अलावा 152 विकेट भी चटकाए। उन्होंने नवंबर 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

बाबर आजम के पाकिस्तान टीम की कप्तानी छोड़ने को लेकर आई बड़ी प्रतिक्रिया, पूर्व दिग्गज का बड़ा बयान

नई दिल्ली।

वर्ल्ड कप 2023 में निराशाजनक परफॉर्मेंस के बाद बाबर आजम ने पाकिस्तान टीम की कप्तानी छोड़ दी। उन्होंने हर एक फॉर्मेट में कप्तानी को छोड़ दिया। इसको लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इयान चैपल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ये पुरानी आदत रही है कि वो इस तरह से कप्तान बदलते रहते हैं और इस बार भी ऐसा ही उन्होंने किया। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा था। बाबर आजम के नेतृत्व में टीम केवल 4 मुकाबले जीत पाई और 5 में हार का सामना किया था। लगातार हो रही आलोचनाओं और दबाव के चलते बाबर आजम ने तीनो फॉर्मेट से कप्तानी से इस्तीफा दे दिया।

पाकिस्तान की ये पुरानी आदत रही है - इयान चैपल

वाइड वर्ल्ड ऑफ स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान इयान चैपल ने बाबर आजम के कप्तानी छोड़ने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ये काफी निराशाजनक है। मेरे हिसाब से बाबर आजम एक बेहतरीन प्लेयर हैं। वो पाकिस्तान टीम को नहीं छोड़ रहे हैं और शायद उनसे बेहतर कप्तान मिल जाए। लेकिन पाकिस्तान की ये पुरानी आदत रही है कि वो लगातार कप्तान चेंज करते रहते हैं। आपको बता दें कि बाबर आजम ने कप्तानी छोड़ने के फैसले को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

उन्होंने कहा था, मुझे वह पल अच्छी तरह से याद है जब 2019 में पाकिस्तान का नेतृत्व करने के लिए पीसीबी से कॉल आया था। पिछले चार वर्षों में, मैंने मैदान पर और बाहर कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन मैंने क्रिकेट जगत में पूरे दिल और लगन से पाकिस्तान के गौरव और सम्मान को बनाए रखने का लक्ष्य रखा है। बाबर आज़म के कप्तानी छोड़ने के कुछ समय बाद ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कप्तानों की भी घोषणा कर दी थी। टेस्ट फॉर्मेट में शान मसूद को कप्तान बनाया गया, वहीं टी20 फॉर्मेट में तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को जिम्मेदारी मिली। वनडे कप्तान की घोषणा बाद में की जाएगी। अब देखना होगा कि नए कप्तानों की अगुवाई में पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन कैसा रहता है।

बंगाल वॉरियर्स ने प्रो कबड्डी लीग के सीजन 10 के लिए कप्तान का नाम किया घोषित, इस घातक रेडर को सौंपी कमान

नई दिल्ली।

प्रो कबड्डी लीग का 10वां सीजन 2 दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रहा है। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी पहले ही पूरी हो चुकी है। पूर्व चैंपियन बंगाल वॉरियर्स ने आगामी सीजन के लिए रेडर मनिंदर सिंह को अपना कप्तान नियुक्त किया है। मनिंदर सिंह 2017 सीजन से बंगाल वॉरियर्स टीम का हिस्सा हैं। मनिंदर सिंह ने 2019 में अपने पहले प्रो कबड्डी लीग खिताब के लिए टीम की कप्तानी की थी। पीकेएल के सीजन 10 से पहले बंगाल वॉरियर्स ने प्लेयर ऑक्शन में अंतिम बोली मैच विकल्प के माध्यम से मनिंदर को 2.12 करोड़ रुपये में खरीदा था। वह लीग में तीसरे सबसे मंहगे बिकने वाले खिलाड़ी बने थे।

पिछले साल बने से दूसरे सबसे शानदार रेडर

मनिंदर सिंह बंगाल वॉरियर्स के लिए सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। इससे पहले सीजन 9 में, मनिंदर पीकेएल के इतिहास में दूसरे सबसे शानदार रेडर बने थे। उन्होंने हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ वॉरियर्स के शुरुआती गेम में 1000 अंकों का आंकड़ा पार किया था।

कप्तान बनाए जाने पर क्या कहा

कप्तान बनाए जाने पर मनिंदर सिंह ने कहा, मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता था कि बंगाल वॉरियर्स ने मुझे सेट-अप में वापस ले लिया है। मैं इस टीम के साथ वापस आकर और कप्तान के रूप में नामित होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है,

जिसे मैं अपनी पूरी ताकत से पूरा करने का इरादा रखता हूं।

बता दें कि बंगाल वॉरियर्स पीकेएल के 10वें सीजन के लिए अपने अभियान की शुरुआत 4 दिसंबर को अहमदाबाद के द एरेना बाय ट्रांसस्टेडिया में बेंगलुरु बुल्स के खिलाफ करेंगे।

मनिंदर सिंह पेश करेंगे उदाहरण

कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अपूर्व गुप्ता ने कहा कि मनिंदर सिंह देश के सबसे मजबूत कबड्डी खिलाड़ियों में से एक हैं, और हम इस बात से अधिक खुश नहीं हो सकते कि वह बंगाल वॉरियर्स के कप्तान होंगे। उनके नेतृत्व के गुण अद्वितीय हैं और हमें विश्वास है कि वह उदाहरण पेश करके नेतृत्व करेंगे।

टोटेनहम हॉटस्पर लीजेंड्स मुंबई, बेंगलुरु का दौरा करेंगे

नई दिल्ली।

टोटेनहम हॉटस्पर के दिग्गज खिलाड़ी लेडली किंग और ओस्सी अर्डीलिस प्रशंसकों के साथ जुड़ने और जमीनी स्तर पर फुटबॉल के विकास को बढ़ावा देने के लिए क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों की एक श्रृंखला का समर्थन करने के लिए भारत का दौरा करेंगे।

पूर्व क्लब कप्तान लेडली किंग और 1978 विश्व कप विजेता ओस्सी मुंबई पहुंचेंगे और डबलिन स्क्वायर, फीनिक्स मार्केट सिटी में एस्टन विला के खिलाफ टोटेनहम हॉटस्पर के प्रीमियर लीग मुकाबले की एक वॉच पार्टी में भाग लेंगे।

मुंबई में रहते हुए लेडली और ओस्सी बेंगलुरु जाने से पहले शहर के एक सांस्कृतिक दौरे और धर्मार्थ कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे। यहां, प्रतिष्ठित पूर्व खिलाड़ी शहर में स्पर्स प्रशंसकों के साथ लीजेंड्स शाम में दिखाई देंगे और 30 नवंबर को कांतीरावा स्टेडियम में बेंगलुरु एफसी और पंजाब एफसी के बीच इंडियन सुपर लीग मैच में विशेष अतिथि के रूप में भाग लेंगे।

दोनों शहरों में भारत की सप्ताह भर की यात्रा के दौरान, टोटेनहम हॉटस्पर की ग्लोबल फुटबॉल कोचिंग टीम भारत में जमीनी स्तर पर खेल को

विकसित करने के उद्देश्य से युवा खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम देने के लिए स्थानीय संगठनों के साथ काम करेगी।

इसमें ऑस्कर फाउंडेशन के साथ साझेदारी में आयोजित एक विशेष सत्र शामिल है। एक समुदाय-आधारित संगठन जो बच्चों को स्कूल में रहने के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें लचीला और भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से कौशल से लैस करने के लिए फुटबॉल की शक्ति का उपयोग करता है।

चैरिटी ने 2010 से भारत में कम आय वाले समुदायों में 15,000 से अधिक बच्चों और युवाओं को सशक्त बनाया है।

लेडली किंग, एक क्लब के सदस्य, जिन्होंने 323 मैच खेले और क्लब की अकादमी के माध्यम से प्रगति करते हुए कप्तान के रूप में 2008 में लीग कप जीता।

उन्होंने कहा, यह भारत की मेरी पहली यात्रा होगी और मैं बेहद उत्साहित हूं। मैंने देश भर में हमारे मजबूत प्रशंसक आधार, फुटबॉल के प्रति जुनून, भोजन और संस्कृति के बारे में बहुत सारी अच्छी बातें सुनी हैं। मैं यह सब अनुभव करने, अपने प्रशंसकों के साथ समय बिताने और हमारी कोचिंग टीमों के काम का समर्थन करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

ओस्सी अर्डील्स, जो विश्व कप में अपनी सफलता के बाद हमवतन रिकी विला के साथ स्पर्स पहुंचे और बाद में क्लब का प्रबंधन करने से पहले एफए कप और यूईएफए कप जीता।

उन्होंने कहा, यह इस क्षेत्र में भारत की मेरी दूसरी यात्रा होगी। पांच वर्षों में, मैं प्रत्यक्ष रूप से जानता हूं कि दुनिया के इस हिस्से में हमारे प्रशंसक कितने भावुक हैं और मैं मुंबई और बेंगलुरु की अपनी यात्राओं के दौरान अधिक से अधिक लोगों से मिलने की आशा कर रहा हूं।

नागेश ट्रॉफी पुरुष राष्ट्रीय टी20 दृष्टिबाधित क्रिकेट टूर्नामेंट जम्मू में शुरू, इस दिन तक होगा लीग चरण

जम्मू। पुरुषों के राष्ट्रीय दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2023-24 का छठा संस्करण, जिसे नागेश ट्रॉफी भी कहा जाता है, यहां पहले दिन चार टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा के साथ शुरू हुआ.नागेश ट्रॉफी 23 नवंबर, 2023 से 30 जनवरी, 2024 तक खेली जा रही है. लीग चरण 29 दिसंबर, 2023 तक खेला जाएगा. ग्रुप ई में नागेश ट्रॉफी के लीग चरण के पहला मैच में , जम्मू और कश्मीर ने यहां जम्मू विश्वविद्यालय में भारतीय रेलवे को 82 रनों से हरा दिया। लीग चरण के दूसरे मैच में गोवा ने यहां जम्मू विश्वविद्यालय में पंजाब को 3 विकेट से हरा दिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए, जम्मू-कश्मीर ने निर्धारित 20 ओवरों में मोहम्मद अज़ीम के 77 गेंदों में 158 रनों की मदद से 234/4 का विशाल स्कोर बनाया. इसके बाद टीम ने रेलवे को 18 ओवर में 152 रन पर आउट कर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। लीग चरण का दूसरा मैच कांटे का रहा क्योंकि गोवा ने आखिरी ओवर में पंजाब को 3 विकेट से हरा दिया. पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब निर्धारित 20 ओवर में 161 रन पर आउट हो गई. गोवा को शुरू में लक्ष्य का पीछा करने में संघर्ष करना पड़ा, लेकिन रवि एम के शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन ने यह सुनिश्चित कर दिया कि टीम 2 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य को पार कर जाए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी नागेश ट्रॉफी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया से हाथ मिलाया है रेलवे और गोवा दिन के पहले मैच में आमने-सामने होंगे, जबकि पंजाब और जम्मू और कश्मीर यहां जम्मू विश्वविद्यालय में दूसरे गेम में एक-दूसरे से भिड़ेंगे।

म्यूजिक थेरेपिस्ट के तौर पर भी बना सकते हैं कॅरियर

कहते हैं संगीत में ऐसी ताकत होती है जो मन की उदासी को दूर कर सकता है। साथ ही संगीत कई तरह की शारीरिक और मानसिक परेशानियों से भी छुटकारा दिला सकता है। अगर आपको भी संगीत से प्यार है और आप अपने इस गुण का इस्तेमाल करके लोगों की मदद करना चाहते हैं तो बतौर म्यूजिक थेरेपिस्ट अपना एक उज्जवल भविष्य देख सकते हैं। एक म्यूजिक थेरेपिस्ट संगीत में छिपी ताकत का इस्तेमाल करके कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाने का काम करता है।

क्या होता है काम

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट फिजिकल, डेवलपमेंट व मानसिक रूप से अशक्त लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं। इतना ही नहीं, कभी-कभी वे जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, कैंसर से पीड़ति व्यक्तियों के भीतर भी जीने की एक नई आशा उत्पन्न करते हैं। वे मेडिकल टीम के साथ मिलकर लोगों को उनकी बीमारियों से उबरने में मदद करते हैं। जहां मेडिकल टीम ट्रीटमेंट पर जोर देती है, वहीं म्यूजिक थेरेपिस्ट पेशेंट पर अपना फोकस करते हैं और उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से बेहतर बनाने के लिए कार्य करते हैं। साथ ही वे संज्ञानात्मक व व्यवहार में बदलाव तकनीक के माध्यम से न सिर्फ रोगी के मन में एक पॉजिटिव एटीटयूट का निर्माण करते हैं, बल्कि शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम लोगों को स्वयं की अभिव्यक्ति करना भी सिखाते हैं।

स्किल्स

चूंकि एक म्यूजिक थेरेपिस्ट का कार्य मानव सेवा से जुड़ा हुआ है, इसलिए एक बेहतर म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने के लिए आपके भीतर मानव सेवा का जज्बा, उनके प्रति केयर व उनकी भावनाओं को समझने की क्षमता होनी चाहिए। सहानुभूति, धैर्य, क्रिएटिविटी, कल्पना, नए विचारों को स्वीकारना और स्वयं की समझ भी इस क्षेत्र के लिए कुछ आवश्यक योग्यताएं हैं। साथ ही आपको अपने कार्य को अंजाम देने के लिए संगीत का सहारा लेना पड़ता है, इसलिए आपको संगीत को समझने की क्षमता, विभिन्न संगीत शैलियों का ज्ञान व उसका बेहतर तरीके से इस्तेमाल भी करना आना चाहिए। कभी-कभी आपको अपने क्लाइंट को न सिर्फ बोलकर बल्कि लिखकर भी बातों को समझाना पड़ता है, इसलिए आपके भीतर भाषण व लेखन पर भी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दूसरे अर्थों में कहा जाए तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स काफी अच्छी होनी चाहिए तभी आप अलग-अलग प्रकार के लोगों को अच्छे से डील करके उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगे। आपके भीतर हर उम्र, हर कल्चर व पृष्ठभूमि के लोगों से स्वयं को रिलेट करने की क्षमता भी होनी चाहिए।

योग्यता

जहां विदेशों में म्यूजिक थेरेपिस्ट के लिए बैचलर डिग्री व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर भी कोर्सेस अवेलेबल हैं। साथ ही वहां पर छात्रों को द सर्टिफिकेशन बोर्ड ऑफ म्यूजिक थेरेपिस्ट द्वारा मान्यता भी प्रदान की जाती है। वहीं, भारत में म्यूजिक थेरेपिस्ट के लिए ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर कोर्स बेहद कम उपलब्ध है। लेकिन अगर आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे हैं तो डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स करने के बाद कदम बढ़ा सकते हैं।

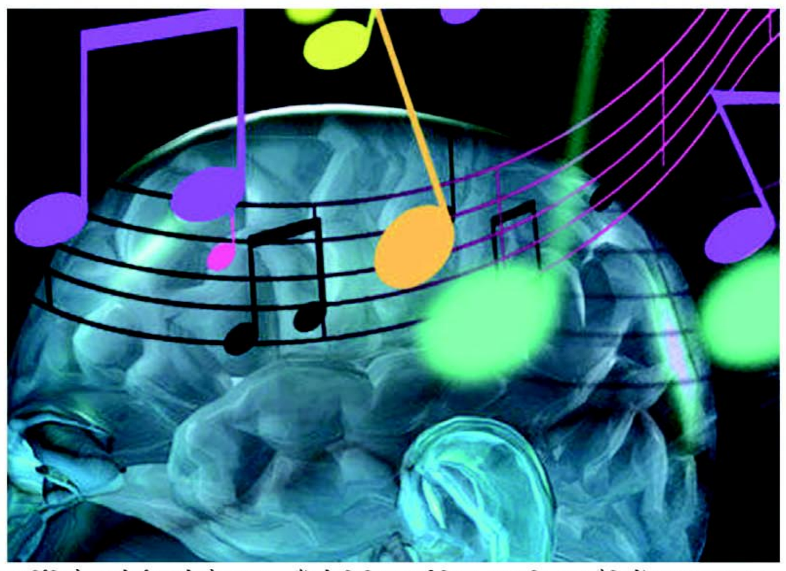

संभावनाएं

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट चिकित्सा और मनोरोग अस्पतालों, रिहेबिलिटेशन सेंटर के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे बहुत से एनजीओ व संस्थाएं हैं जो विभिन्न शारीरिक व मानसिक चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों की मदद करते हैं, उन्हें भी हमेशा ऐसे थेरेपिस्ट की आवश्यकता होती है। साथ ही म्यूजिक थेरेपिस्ट की डिमांड हमेशा नेशनल हेल्थ सर्विस टस्ट, स्पेशल स्कूल्स, कम्युनिटी मेंटल हेल्थ एंजेसी, जेलों, डग व एल्कोहल रिहेबिलिटेशन सेंटर आदि में हमेशा ही बनी रहती है, आप वहां भी नौकरी की तलाश कर सकते हैं। वैसे कई म्यूजिक थेरेपिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिशनर के तौर पर भी काम करते हैं। कहीं-कहीं पर थेरेपिस्ट रोगी के घर पर जाकर भी उनकी मदद करते हैं। आप चाहें तो किसी मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान में बतौर म्यूजिक थेरेपिस्ट टीचर बनकर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं। चूंकि म्यूजिक थेरेपिस्ट की डिमांड सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी है, इसलिए आप चाहें तो विदेशों में भी अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

म्यूजिक थेरेपी एकेडमी, नई दिल्ली।
इंडियन एसोसिएशन ऑफ म्यूजिक थेरेपी, दिल्ली।
इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल म्यूजिक थेरेपी, चेन्नई।
चेन्नई स्कूल ऑफ म्यूजिक थेरेपी, चेन्नई।
महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीटयूट, पांडिचेरी।
एमईटी इंस्टीटयूट ऑफ अल्टरनेटिव कॅरियर, मुंबई।

आमदनी

एक म्यूजिक थेरेपिस्ट की कोई निश्चित आमदनी नहीं है। आपकी आमदनी आपके अनुभव, शिक्षा व जिम्मेदारियों पर निर्भर करती है। साथ की आपकी कमाई का आकार आपकी नौकरी की भौगोलिक स्थिति व संस्थान की प्रतिष्ठा से भी प्रभावित होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं स्मार्ट

आपकी निजी जिंदगी हो या व्यावसायिक जिंदगी, यह बात जरूर सुनने को मिलेगी कि स्मार्ट होना बहुत जरूरी है। लेकिन आपको यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि स्मार्ट होने का मतलब खूबसूरत दिखना नहीं है बल्कि आपका व्यवहार, सोच, आदतें और काम को करने का तरीका है। तो आइए जानते हैं ऐसे टिप्स जिनसे आप स्मार्ट बन सकते हैं-

- स्मार्ट दिखना चाहते हैं तो सबसे पहली शर्त है कि आप हमेशा खुश रहें। आपके चेहरे पर एक मुस्कान रहे। इससे आप स्मार्ट तो रहेंगे ही और वातावरण खुशनुमा हो जाएगा। लोग आपको पसंद करेंगे।
- अगर आप स्मार्ट नजर आना चाहते हैं तो आपको हमेशा नए और ट्रेंडी ड्रेसअप की जरूरत नहीं बल्कि आप जो भी पहने वह आप पर फबे, व्यवस्थित हो।
- इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है कि आपका बॉडी पोश्चर आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ कहता है। इसलिए आपकी बॉडी लैंग्वेज और पोश्चर ऐसा होना चाहिए कि आपका कॉन्फिडेंस झलके।

- आपका व्यवहार बहुत मायने रखता है। आपका शांत मन स्मार्ट बनने के लिए बहुत जरूरी है लेकिन उतना ही जरूरी है आपका शारीरिक रूप से फीट होना। अगर आप तन स्वस्थ रहेगा तो ही मन स्वस्थ रहेगा। आपको सकारात्मकता महसूस होगी और यह आपके चेहरे पर भी झलकेगा।
- स्मार्ट बनने की एक शर्त यह भी है कि जिस क्षेत्र में आप हो उसका आपको अच्छा ज्ञान होना चाहिए। वहीं स्मार्ट लोगों की पहचान है कि वे खुद को हमेशा अपडेट रखते हैं।
- स्मार्ट बनने के लिए आपकी डिसीजन मेकिंग भी मायने रखती है। इसलिए कोशिश करें कि हर परिस्थिति से निपटते हुए आप क्विक डिसीजन में माहिर हो जाएं।

जीवन में आगे बढ़ना हैं तो हासिल कर लें ये हुनर

स्कूल खत्म हो जाने का यह कतई मतलब नहीं है कि सीखना भी खत्म हो गया। सीखना जीवन भर चलने वाली प्रक्रिया है। हर समय सीखने का क्रम चलता रहता है और जीवन में हर वक्त कुछ-न-कुछ नई चुनौतियां आती ही आती हैं। ये चुनौतियां भी सीखने के क्रम में आपकी मदद करती हैं।

गुस्से का उपयोग

गुस्सा किसी भी परिस्थिति में आ सकता है। कुछ लोगों को बहुत ही जल्दी-जल्दी गुस्सा आता है, कभी-कभी कोई छोटी-सी बात पर ही गुस्सा आने लगता है। मगर गुस्से का सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन सभ्यता और शिष्टाचार की दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए अमूमन हम गुस्से को दबाना सीखते हैं। लेकिन क्या हो यदि आप अपने गुस्से को अपनी रचनात्मकता के लिए इस्तेमाल कर पाएं? क्यों नहीं हम अपने गुस्से का उपयोग सकारात्मक दिशा में करें, बजाए अपने आसपास के लोगों पर चिढ़ने और चिल्लाने के? आपका गुस्सा आपको ऐसी चीजें करने के लिए प्रेरित कर सकता है जो आप अन्यथा नहीं सोच पाते हैं। इसलिए आप अपने गुस्से को मैनेज करना सीखें। यह आपको बहुत आगे ले जाएगा।

ईमानदार कैसे रहें?

ईमानदारी एक बड़ा गुण है, जो मुश्किल से मिलता है। हममें से अधिकतर ईमानदार होने के बजाए दिखना ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसे में होता यह है कि हम दूसरों से बहुत उम्मीदें करते हैं और फिर दूसरे को दुखी भी करते हैं। मूल बात यह है कि दूसरों के प्रति ईमानदारी का गुण हमें तब हासिल होगा, जब हम खुद के प्रति ईमानदार होंगे। अपनी गलतियों, कमियों को लेकर सचेत रहें। यदि आपको परीक्षा में नंबर कम आए हैं, तो इसे महसूस करें कि आपकी तैयारी में कमी थी। खराब परिणामों के लिए आत्ममंथन करें, जानें कि कहां कमी रह गई है। जब आप स्वयं के प्रति ईमानदार रहेंगे तभी दूसरों के प्रति रह पाएंगे। इसलिए अपने प्रति ईमानदारी बरतें।

आलोचना सहना सीखें

हममें से हरेक की यह प्रवृत्ति होती है कि वह स्वयं को गलत कहलाना पसंद नहीं करता है। हममें से कोई भी टोका-टोकी नहीं चाहता, आलोचना नहीं चाहता है। लेकिन इसके साथ का सच भी यह है कि बिना अपनी कमियों को जाने, हम स्वयं में सुधार नहीं कर सकते हैं। इसलिए यदि किसी भी काम को बेहतर तरीके से करना चाहते हैं, स्वयं में लगातार सुधार चाहते हैं तो जरूरी है कि आप आलोचनाओं के प्रति सहज रहें। उसे सहजता से लें। आपके व्यक्तित्व के बेहतर होने और आपकी प्रतिभा के धारदार होने के लिए यह बेहद जरूरी है। कभी भी आलोचना के प्रति असहिष्णु न रहें। उसे स्वीकार करें। जीवन के बेहतर करने की दिशा में सुधार के लिए यह बहुत जरूरी है।

संवाद भी एक कला है

संवाद करना एक महत्वपूर्ण कला है, जिसका महत्व कम ही लोग जानते हैं। सही समय पर किसी भी बहस में सही तरह से अपनी बात शुरू करके आप नए दोस्त बना सकते हैं। किससे किस तरह से बात करनी चाहिए, इस कला को भी स्कूल में नहीं सिखाया जाता है। हम जानें कि संवाद के माध्यम से हम रिश्तों को बना और बिगाड़ सकते हैं। साथ ही संवाद करने की कला हमें जीवन में हर जगह सफलता और सुकून दिलाती है।

सुविधा के गुलाम नहीं, मालिक बनें

हमारे यहां कहा जाता है कि उतने ही पैर पसारें, जितनी लंबी चादर हो। इसका सीधा-सा मतलब यह है कि सुविधा जुटाने के चक्कर में अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च न करें। यह कभी न बुझने वाली प्यास है, इसलिए सुविधाओं को जुटाने से पहले दो बार सोचें कि क्या हमें सचमुच इसकी जरूरत है? चीजें खरीदकर हम समझते हैं कि हम इनके मालिक हुए, लेकिन ये हमें कब अपना गुलाम बना लेती हैं, हम जान ही नहीं पाते हैं। इसलिए बेहतर है सामान की गुलामी न करें और इसके मालिक बने रहें। चाहे हम कितना ही अच्छा कमाते हों, हमें अपने खर्च पर नियंत्रण करने की आदत डालनी ही चाहिए।

कुछ तरीके आय बढ़ाने के

अपनी आय बढ़ाने का इरादा है तो इस दिशा में योजनाबद्ध ढंग से बढ़ना होगा। अपने संसाधनों, योग्यताओं और भविष्य की कुछ नई मंजिलों का खाका तैयार करना होगा। खुद में और माहौल में कुछ बदलाव भी करने होंगे। और क्या-क्या करें, इसके लिए यहां दिये जा रहे हैं ऐसे पांच तरीके, जिन्हें अपना कर अपनी आय को आसानी से बढ़ाया जा सकता है।

करियर का लंबा रास्ता चुनें

अगर आप बेहतर आय चाहते हैं तो अपनी करियर योजना को भी नए सिरे से व्यवस्थित करना होगा।

करियर प्लानिंग के टिप्स

■ अपने व्यावसायिक गुणों की पहचान के लिए करियर काउंसलर से मिल कर अभिरुचि परीक्षण आदि कराएं। इससे अपनी योग्यताओं को लेकर आपकी स्पष्टता बढ़ेगी, जिससे आप बेहतर निर्णय ले पाएंगे।

■ अगले पांच-दस सालों में आप खुद को किस पद पर या कंपनी में देखना चाहते हैं, ऐसे लंबी अवधि के लक्ष्य साधें। उसी के अनुसार योजना बनाएं।

कैसे बढ़ेगी आय

जब आप सही मौके पर और सही जगह पर सही क्षमताओं के साथ मौजूद होंगे तो इससे आपके लिए संभावनाएं बढेंगी।

खतरें उठाएं, चुनौतियां लें

करियर की राह में चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत बनाएं। जो चुनौतियां आपको असहज करती हैं, उन्हें जरूर हाथ में लें। इस तरह आप अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आएंगे।

कुछ नया करने के टिप्स

■ खुद को चुनौती दें। जो काम एकरस होते हैं, उन्हें करना आसान है, लेकिन उनसे आपको उपलब्धियां भी उसी स्तर की हासिल होंगी। कुछ नया करना, भले ही वह चुनौतीपूर्ण हो, आपको पहचान के साथ बेहतर अवसर देगा।

■ उन कार्यों की जिम्मेदारी लें, जिनसे आप में एक नई क्षमता का विकास होगा, भले ही इससे आपके जीवन और कार्यक्षेत्र में एकदम बदलाव आ जाए।

कैसे बढ़ेगी आय

अपनी आरामदायक स्थितियों को छोड़ते ही आपका दायरा बढ़ेगा, इसलिए अवसर बढ़ेंगे और जाहिर है कि इससे आय बढ़ाने के लिए भी आपके पास ज्यादा विकल्प होंगे।

निवेश बढ़ाएगा आय

आय बढ़ाने का एक तरीका विभिन्न निवेश योजनाओं में अपना पैसा लगाना भी है। आदर्श तरीका तो यही है कि निवेश योजनाओं को अपने करियर के शुरुआती दौर से ही अपनाना शुरू कर दिया जाए, लेकिन अगर आपने इस पर अमल नहीं किया है तो और देर करना ठीक नहीं।

निवेश के कुछ टिप्स

■ आमतौर पर लंबी अवधि के निवेश ज्यादा फायदेमंद साबित होते हैं।

■ अपने पैसे को अगर आप कम से कम पांच साल तक के लिए किसी योजना में निवेश करेंगे तो लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे।

■ इक्विटीज या ऐसी ही योजना का चयन करें या फिर इन योजनाओं के बारे में गहरी समझ रखने वाले लोगों से बात कर सकते हैं।

क्यों कई लोग अपनी नौकरी से करने लगते हैं नफरत? ये रही 10 वजहें

आजकल बहुत से लोग अपनी जॉब से परेशान नजर आते हैं. वह अपनी नौकरी से इतना पक जाते हैं कि हर समय उसकी बुराई करने लगते हैं. कई बार तो ऑफिस में प्रवेश करते समय इस तरह की नकारात्मक बातें सुनने को मिलती हैं. और आपको पता लगता है कि वो लोग अपनी जॉब से कितनी नफरत करते हैं. यहां हम आपको बताते हैं लोगों के ऑफिस में अपने काम से परेशान होने की 10 वजहें...

1. बहुत से केस में जॉब से परेशान होने का कारण खराब बॉस और मैनेजमेंट होता है. अगर आपकी आपके बॉस से नहीं बन पा रही है, काम को टीम में बांटने का तरीका भी आधारहीन है, आपके ऐतराज नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, तो अच्छी सैलरी और पसंदीदा जॉब होने के बावजूद भी काम के प्रति जोश खत्म होता चला जाता है.

2. अगर जॉब में स्थायित्व नहीं है और आपको हमेशा अपनी नौकरी जाने का डर सताता रहता है तो आप ऑफिस में कभी खुश नहीं रह पाएंगे. जॉब के प्रति असुरक्षा की भावना उसके प्रति नफरत को जन्म देती है.

3. ऑफिस में काम कम हो रहा है और राजनीति ज्यादा... ऐसे माहौल से भी आप तंग आ जाते हैं.

4. काम बहुत ज्यादा है और उसके मुताबिक सैलरी नहीं मिल रही है. पद व वेतन के मुताबिक जिम्मेदारियां नहीं दी गई है और आप बेवजह काम के बोझ से दबे हुए हैं.

5. बहुत से लोगों के इमिडिएट बॉस उस पद के काबिल नहीं होते. उनका तानाशाही रवैया और काम के प्रति अज्ञानता से जूनियर परेशान रहते हैं. ऐसे माहौल में नकारात्मक विचार ही दिमाग में आते हैं.

6. काम के लिए जिन साजो-सामान व मशीनों की जरूरत है, उनके न होने की स्थिति में भी फ्रस्ट्रेशन होती है. कई बार तो बहुत बार शिकायत करने के बावजूद जरूरी टूल्स नहीं दिए जाते.

7. ऑफिस में आप जो काम कर रहे हैं उस फील्ड का आपको कोई भविष्य नजर नहीं आता, तो भी आप हतोत्साहित होते हैं.

8. ऑफिस की लालफीताशाही से भी बहुत से लोग तंग आ जाते है. आपकी बात व आप कभी सही शख्स तक नहीं पहुंच पाते.

9. काम में जोश व उत्साह के खत्म होने की स्थिति में आप अपनी नौकरी से नफरत करने लगते हैं.

10. अगर आप अपने नॉन-वर्किंग हॉवर्स मनमुताबिक इस्तेमाल नहीं पा रहे हैं तब भी जॉब के प्रति झल्लाहट पैदा होती है.

ऐसे सीख सकते हैं आर्ट ऑफ लिसनिंग

हमेशा बोलते रहना, दूसरों की बात बिना सुने-समझे प्रतिक्रिया जताना, विषय की जानकारी न होने के बावजूद यह जाहिर करना कि उसके बारे में बहुत पता है... अगर यह आदत आपके भीतर भी है तो संभल जाएं। इन आदतों के कारण प्रोफेशनल वर्ल्ड में पिछड़ सकते हैं। हो सकता है, आप अच्छे वक्ता हों, यह भी हो सकता है कि कुछ विषयों में आपकी नॉलेज बाकियों की तुलना में ज्यादा अच्छा हो, लेकिन अच्छा वक्ता होने के साथ-साथ अच्छा श्रोता भी बनना चाहिए। सुनने की कला सीख लें तो मंजिलें आसान हो सकती हैं। सुनने और मनन करने से विषय को गहराई से समझने में मदद मिलती ही है, उसे दूसरे के नजरिए से भी देख पाते हैं। किसी भी विषय को समग्रता में जानना आगे बढ़ने की जरूरी शर्त है।

फिर वही बोरिंग लेक्चर!

एक अध्ययन के अनुसार, हम जो भी सुनते हैं, उसका 50 प्रतिशत ही हमें याद रहता है। अगर सुने गए को हम नोट कर लें तो यह मेमोरी में बस 20 प्रतिशत तक ही शेष रह जाता है। अक्सर किसी मीटिंग, सेमिनार या वर्कशॉप में अपनी पसंद का विषय न होने पर लोग कहने लगते हैं, क्या पकाऊ लेक्चर है यार...। कई बार मीटिंग्स को बहाने बनाकर टाल देते हैं। ऐसा करना करियर के लिहाज से ठीक नहीं है। मीटिंग्स, सेमिनार, कांफ्रेंस में बढ़-चढ़कर हिस्सा नहीं लेंगे तो आपको अपने काम से संबंधित नई जानकारियां पता नहीं चल सकेंगी

सुनने की कला

कुछ लोग जब बात करते हैं तो सामने वाले को इतना मौका तक नहीं देते कि वह भी अपनी राय रख सकें। सामने वाला आपकी बातों को ठीक से समझ रहा है कि नहीं, यह जाने बिना वे बोलते रहते हैं। कोई भी संवाद एकतरफा नहीं होता है। सुनते समय कई बार हम वक्ता की भावनाओं, ज्ञान, अनुभव, शारीरिक हाव-भाव के आधार पर परिस्थिति और वस्तुस्थिति का आकलन कर लेते हैं। ध्यान रहे, अच्छा श्रोता ही अच्छे लीडर में तब्दील हो सकता है।

स्टेप 1 ध्यान से सुनें

कम्युनिकेशन स्किल्स के अंतर्गत सामने वाले की बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है। वक्ता जब संवाद कर रहा हो तो इस बीच ध्यान भटकाने वाली चीजें न करें। इसकी जगह वक्ता को प्रोत्साहित करने के लिए हां में सिर हिलाएं, उपयुक्त बात पर मुस्कुराएं या अपनी बॉडी लैंग्वेज से यह जाहिर करें कि आप उनकी बात समझ रहे हैं। संवाद के बीच में भूलकर भी बालों को संवारने, बात खत्म हुए बिना बीच में बोलने, पैर हिलाने, पेन से खेलने जैसे कार्यों से बचें।

स्टेप 2 बॉडी लैंग्वेज सुधारें

कम्युनिकेशन का बड़ा हिस्सा है बॉडी लैंग्वेज। इसके माध्यम से पता चलता है कि किस स्थिति के लिए कैसे और क्या बात करनी चाहिए। जैसे कोई दुखद समाचा हो तो उस समय मुस्कुराने से स्थिति बिगड़ सकती है, इसलिए ऐसे मौकों पर गंभीर बने रहें।

स्टेप 3 भटकाव न हो

कभी-कभी हम सुनने के बजाए उतावले होकर संवाद के बीच में कूद पड़ते हैं। इस बात से जाहिर होता है कि आप सामने वाले की बात नहीं सुन रहे थे,बल्कि अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। जब तक सही मौका न हो या आपसे बोलने को न कहा जाए, तब तक आप अपनी प्रतिक्रिया न व्यक्त करें।

स्टेप 4 रोको, टोको मत

हो सकता है कि आप सामने वाले की बात से असमहत हों। ऐसी स्थिति में उस समय चुप रहना ही बेहतर विकल्प है। अपनी असहमति जताने के लिए उपयुक्त मौके या उसकी बात खत्म होने का इंतजार करें।

स्टेप 5 खुला रखें दिमाग

जब आप दिमाग खुला रखेंगे, तभी सामने वाले की बातों को समझ पाएंगे। जब आपका ध्यान सामने वाले व्यक्ति की बातों पर होगा तो आप कभी उतावले होकर बीच में नहीं बोलेंगे बल्कि मन ही मन बातों पर मनन करेंगे और उसे समझने की कोशिश करेंगे।

स्टेप 6 फीडबैक जरूरी

आप अच्छे श्रोता तभी कहलाएंगे, जब आप उचित संवाद पर अपना फीडबैक देंगे। इससे वक्ता को यह लगेगा कि आपने उसकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**